कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति -10

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू -10

निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए -11

दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 रन पर सिमटा भारत -12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 95, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 5 रुपये

पात्र महिलाओं तक हर हाल में पहुंचाएं जननी सुरक्षा योजना का लाभ

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः सोमवार को हुई जिला स्तरीय स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आदि विषयों पर विस्तार चर्चा हुई। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाई जाए। जननी सुरक्षा योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र महिलाओं तक पहुंचाया जाए।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का टीकाकरण किसी भी परिस्थिति में छूटने न पाए। जिलाधिकारी ने

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम। अमृत विचार

आगामी स्वास्थ्य अभियानों की तैयारियों पर विशेष बल देते हुए कहा कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन लगाए जाने हेतु जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सभी विद्यालयों से शत-प्रतिशत डेटा उपलब्ध कराया जाए, जिससे वैक्सीनेशन कार्य समयबद्ध एवं त्रुटिरहित ढंग से संचालित हो सके। इसी प्रकार, 14 दिसम्बर से प्रारंभ होने वाले पल्स पोलियो अभियान के संबंध में उन्होंने सभी एमओआईसी को निर्देश दिए कि वे समय से अपनी कार्ययोजनाएं तैयार करें, क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाएं तथा यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे।

सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अवधि में हर पात्र व्यक्ति का कार्ड बनना सुनिश्चित हो, तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने दी जाए। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गंभीर रूप से बीमार बच्चों की समय पर पहचान एवं त्वरित उपचार, आयरन की गोली वितरण, न्यूमोनिया नियंत्रण कार्यक्रम, कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम तथा अन्य स्वास्थ्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सकों को सभी आगामी अभियानों में पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

उद्योग व व्यापार बंधु की बैठक में उठा सर्विस लेन का मामला

कानपुर देहात : सोमवार को कलेक्ट्रेट के मां मुक्तेश्वरी सभाकक्ष में जिला उद्योग व व्यापार बंधु की बैठक हुई। डीएम कपिल सिंह ने इसकी अध्यक्षता की। उन्होंने उद्यमियों व व्यापारियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश संबन्धित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्यमियों व व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर अधिकारी आवश्यक कार्रवाई करें।

डीएम ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में साफ-सफाई निरंतर कराई जाए। साथ ही रोस्टर के अनुरूप निर्वाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। औद्योगिक क्षेत्र की सड़कों व नाले-नालियों की समय-समय पर मरम्मत व साफ-सफाई संबन्धी कार्य कराया जाए। राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम भेजकर अतिक्रमण से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन सड़कों की मरम्मत अथवा नवीन निर्माण हेतु स्वीकृति शासन स्तर से प्राप्त हो चुकी है, अधिकारी उन मामलों में अग्रेत्तर कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान पीडी एनएचएआई ने अवगत कराया गया कि रनियां ओवर ब्रिज निर्माण हेतु प्रकरण को हेड क्वाटर स्तर पर अप्रूवल हेतु भेजा गया था जो पास हो गया तथा आगे की कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जायेगी, इसी प्रकार जैनपुर व पटेल चौक पुखरायां में भी ओवर ब्रिज/अंडर पास का प्रस्ताव पास हो गया है। आगे की कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ होगी।

विभिन्न आईटीआई पास प्रशिक्षुओं को अप्रेंटिसशिप कराया जा रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने उद्योगों में मांग के अनुरूप प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिये। प्रधानाचार्य आईटीआई ने बताया कि जनपद के ओडीओपी ट्रेड से सम्बन्धित अनुदेशकों की नियुक्ति हेतु पत्राचार किया गया है। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अधिकारी रनियां को औद्योगिक क्षेत्र में रोस्टर बनाकर साफ-सफाई व अन्य आवश्यक गतिविधियां निरंतर कराने के निर्देश दिए। बैठक में व्यापारियों ने अकबरपुर कोतवाली के पास हाईवे सर्विस रोड बनाए जाने, अकबरपुर से शहजादपुर के बीच सर्विस रोड बनाने और सीएनजी बसों को चालू कराने की मांग की। जिलाधिकारी ने संबन्धित अधिकारी को कार्रवाई को कहा।

न्यूज ब्रीफ

ऑपरेशन मुक्ति के बारे में दी जानकारी

कानपुर देहात। सोमवार को ऑपरेशन मुक्ति, प्रौद्योगिकी एवं सुरक्षा थीम पर ओंकारेश्वर आदर्श इंटर कॉलेज रनियां में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हब फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ वूमेन से जिला मिशन समन्वयक प्रतिमा श्रीवास्तव द्वारा विद्यालय के बालक-बालिकाओं को बताया कि ऑपरेशन मुक्ति एक ऐसा अभियान है जो बाल विवाह और बाल श्रम को रोकने के लिए चलाया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों की पहचान करना व बाल श्रम में लगे बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराना तथा उन्हें बाल विवाह से बचाना है। यह अभियान सरकारी विभागों की अंतर. विभागीय टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों में सघन जांच करके चलाया जाता है। इस अभियान का उद्देश्य बाल विवाह और बाल श्रम को समाप्त करना,बाल श्रम रोकने के लिए दुकानों, होटलों और वर्कशॉप जैसे प्रतिष्ठानों में जांच करना एवं बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाना है। कार्यक्रम में बालिकाओं को शिक्षा हेतु जागरूक किया गया। साथ ही गुड टच, बैड टच संबंधित जानकारी दी गई।

एशियन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट आयोजित करेगा रोजगार मेला

कानपुर देहात। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि मिशन रोजगार अभियान के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय कानपुर देहात एवं एशियन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट ग्राव सेखुपर के संयुक्त तत्वावधान में पुरुष-महिला बेरोजगारों के लिए 26 नवंबर कोएशियन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट कैंपस में नि :शुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में आईटीआई, नान आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक उर्तीण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते है। इस हेतु अभ्यर्थी अपने शैक्षिक प्रमाण-पत्र तथा बायोडाटा की छाया प्रति ले आयेगें। सेवायोजन विभाग द्वारा विकसित नवीन पोर्टल पर जॉब सीकर पंजीयन की व्यवस्था है। जनपद के अन्य अभ्यर्थी जॉब सीकर में अपना पंजीयन कराकर सेवायोजन विभाग की कॅरियर काउन्सिलिंग कर सकते हैं।

सरकारी विभागों में आज अवकाश

कानपुर देहात। सामान्य प्रशासन अनुभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जारी निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी कपिल सिंह ने बताया कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान दिवस का मंगलवार को होगा। पहले यह सोमवार को होना था। अवकाश तिथि का संशोधन कार्यकारी आदेशों के अंतर्गत किया गया है। इस कारण बलिदान दिवस पर दिनांक 24 नवंबर की जगह मंगलवार को अवकाश घोषित किया जाता है।

19 क्वार्टर शराब के साथ युवक गिरफ्तार

औरैया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि रविवार को एसआई हरिकेश टीम के साथ अयाना में गश्त कर रहे थे। इस दौरान अयाना सब्जी बाजार के पास मिले संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया। झोला की तलाशी में युवक के पास से 19 देसी शराब के क्वार्टर बरामद हुए। युवक ने अपना नाम तिलक सिंह बताया है। आरोपी पर कार्रवाई की गई।

कपड़े सुखाने गई महिला छत से गिरी, थम गईं सांसें

मंगलपुर थाना क्षेत्र के हिसावा की घटना, परिजनों में मचा कोहराम

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः मंगलपुर थाना क्षेत्र के हिसावा गांव में सोमवार दोपहर बाद एक महिला छत पर कपड़े सुखाने गई थी। इस बीच अचानक चक्कर आने से वह छत से नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन हवासपुर अस्पताल ले गए। जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया। रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

मंगलपुर थाना क्षेत्र के हिसावा गांव की रहने वाली गीता देवी की ससुराल पिंडार्थू में थी। उनके पति की काफी पहले मृत्यु चुकी थी। उनके एक पुत्र नरेश कुमार है। वह मायके में भाई शिवसिंह के पास रहती थी। उसके पुत्र नरेश कुमार के भी पैर में कुछ समस्या हो गई है जिससे वह चल नहीं पाते हैं। सोमवार दोपहर बाद गीता देवी (54) कपड़े डालने के लिए छत पर गई थी। बताया जाता है कि अचानक चक्कर आने से वह छत से नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन हवासपुर अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टर दिलीप सक्सेना ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत से पुत्र, भाई शिव सिंह का रो-रोकर बुरा हाल है।

सड़क हादसे में युवक की मौत पर रिपोर्ट दर्ज

- **रसूलाबाद।** 26 अक्टूबर को एक बाइक सवार की बाइक में पीछे से आ रहे बाइक सवार द्वारा टक्कर मार देने पर एक व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के मामले में उसके पिता ने बाइक चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। वाछीपुर पोस्ट सखरेज थाना चौबेपुर निवासी रामसागर ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि गत 26 अक्टूबर दिन में उसका पुत्र प्रवीन भारती अपने घर से अपनी बुआ के यहां बिधूना मोटरसाइकिल से जा रहा था। रास्ते में बुलेट मोटरसाइकिल के चालक ने उसके पीछे से टक्कर मार दी जिससे पुत्र को गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौत हो गई ।थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट अज्ञात चालक के विरुद्ध दर्ज कर ली गई है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार जख्मी

- **सिकंदरा।** सिकंदरा थाना क्षेत्र के हरवंसपुर निवासी समरजीत सिंह पुत्र राजरतन (36) सिकंदरा कस्बा की बाजार करके बाइक से घर जा रहे थे। इसी दौरान निन्हौरा गांव के पास सिकंदरा भोगनीपुर मुगल रोड़ पर विपरीत दिशा की ओर आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार समरजीत सिंह गंभीर रूप से घायल हुए। थाना पुलिस ने एंबुलेंस से सीएचसी भेजा जहां मौजूद चिकित्सक पवन कुमार ने प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि टक्कर मारने वाले ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। फरार चालक की तलाश की जा रही है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

साइकिल से टकराई बाइक, पुत्र के साथ दंपति घायल

रसूलाबादः सोमवार को मैजू समस्तपुर निवासी एक व्यक्ति अपनी बहन की नातिन के विवाह समारोह से वापस अपने पुत्र और पत्नी के साथ बाइक से लौट रहा था। निंभू गांव के सामने एक साइकिल सवार से बाइक टकरा जाने के कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई और वह तीनों लोग घायल हो गए जिन्हें सीएससी रसूलाबाद भेजा गया।

मैजू समस्तपुर निवासी राजेश सोमवार दोपहर गहिलू से अपनी बहन की नातिन की शादी से अपने पुत्र सुधीर 14 व पत्नी रमाकांती 52 के साथ बाइक से घर जा रहे थे। रसूलाबाद बिसन रोड पर निंभू गांव के पास सामने से आ रही एक साइकिल सवार से उनकी बाइक टकरा गई। जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई।

इस हादसे में सुधीर व रमाकांती गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के ग्रामीणों ने इसकी सूचना एम्बुलेंस को दी। मौके पर पहुंचे एंबुलेंस कर्मी घायलों को सीएचसी रसूलाबाद लाए। जहां डॉक्टर शैलेंद्र ने घायलों का प्राथमिक उपचार कर रमाकांती की गंभीर दशा के चलते उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया है।

रास्ता पूछने के बहाने बदमाशों ने महिला से कान के बाले छीने

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः रूरा थाना में दो अज्ञात बदमाशों ने रास्ता पूछने के बहाने एक महिला से उसके कान के बाले छीन लिए। इसके बाद मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती सुनाई। थाने पहुंचे पीड़िता के भतीजे ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। सरेशाम हुई लूट की वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

रूरा थाना क्षेत्र के रोशनमऊ गांव निवासी महिला खेत से चने का साग लेकर घर आ रही थी। अभी वह गांव के किनारे स्थित एक दुकान के समीप ही पहुंची तभी काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार दो युवक उसके पास आए। इसके बाद उससे रास्ता पूछने लगे। बातों में उलझा कर बाइक सवार युवकों ने उसके कान में मौजूद सोने के बालों पर झपट्टा मारकर छीन लिया।

महिला कुछ समझ पाती इसके पूर्व ही बदमाश मौके से बाइक लेकर फरार हो गए। इसके बाद महिला ने शोर मचाना शुरू किया। इससे आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए लेकिन तब तक बदमाश फरार हो चुके थे। घर पहुंच कर महिला ने परिजनों को आप बीती बताईं। इसके बाद भतीजे द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी।

युवा उत्सव एवं साइंस मेला कल

कानपुर देहात। युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में बुधवार को जनपद स्तरीय युवा उत्सव एवं साइंस मेला होगा। कार्यकम अकबरपुर डिग्री कॉलेज में होगा। इसमें डिक्लेमेशन, कहानी लेखन, पेंटिंग, लोकनृत्य समूह, लेकगीत समूह, कविता लेखन व इन्वोवेशन आदि विधाओं के कार्यक्रम होंगे। प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों की आयु 15 से 29 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। इच्छुक प्रतिभागी हाईस्कूल के प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ 02 फोटो सहित प्रतिभाग किए जाने की विधा की सूचना सहित जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय विकास भवन के कक्ष संख्या 202 या आयोजन स्थल पर अपना पंजीकरण कर प्रतिभाग कर सकते है।

कसमढ़ा गांव पहुंचे तहसीलदार लिया एसआईआर का जायजा

रसूलाबादः कसमढ़ा ग्राम में तहसीलदार के नेतृत्व में सोमवार को गठित संयुक्त प्रशासनिक सर्वे टीम ने जाकर राजस्व अभिलेखों और मतदाता सूची के सत्यापन का निरीक्षण किया।

गठित टीम ने सोमवार को कसमढ़ा ग्राम में जाकर एसआईआर के कार्य का जायजा लिया। तहसीलदार संतोष सिंह के नेतृत्व में गठित इस टीम में बीएलओ और राजस्व कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने घर-घर जाकर दस्तावेजों की जांच की और ग्रामीणों से जानकारी जुटाई। इस सर्वे के दौरान ग्रामीणों के आधार कार्ड, पहचान पत्र, खसरा-खतौनी, आवास प्रमाण पत्र और अन्य राजस्व अभिलेखों का मिलान कर उन्हें अद्यतन किया गया। बीएलओ ने मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के तहत नाम जोड़ने, हटाने और सुधार करने की प्रक्रिया के बारे में लोगों को जागरूक किया।

तहसीलदार ने बताया कि सटीक जानकारी और दस्तावेज उपलब्ध कराना लोकतांत्रिक प्रक्रिया तथा सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता के लिए आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से सहयोग की अपील करते हुए आश्वासन दिया कि इस सर्वे से ग्राम पंचायत के राजस्व व्यवस्थापन, भूमि रिकॉर्ड और मतदाता आंकड़ों को त्रुटिरहित किया जा सकेगा। प्रशासनिक दल के साथ ग्राम पंचायत प्रतिनिधि भी इस दौरान मौजूद रहे।

समाज सेवी को पुत्र शोक

कानपुर देहात। अकबरपुर क्षेत्र के वरिष्ठ समाज सेवक और शिक्षक रमाकांत सक्सेना के युवा पुत्र अभिनव सक्सेना सोनू का निधन हो गया। दो दिन पहले सोनू को दिल का दौरा पड़ा था। कानपुर कार्डियो लॉजी में उपचार चल रहा था। सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। सोनू के निधन की खबर पर लोग आवास पर पहुंचे और शोक व्यक्त किया।

'संसार में भाई जैसा दूसरा कोई नहीं रिश्ता'

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार। संसार में भाई भाई का रिश्ता बेहद ही महान माना जाता है क्यों कि भाई के त्याग की कहानियों से अनेकों ग्रंथ भरे पड़े हैं राम को राजा बनना था उनके राज्य तिलक की तैयारियां शुरू हो गई थी लेकिन पिता के वचनों की लाज रखने के लिए उन्हें वन जाना पड़ा था। यह बात सनातन धर्म प्रचार समिति के तत्वावधान में चल रहे श्री विष्णु महायज्ञ के पंचम दिवस झांसी जनपद से पधारीं मानस मंजरी आस्था गोस्वामी ने समाज में भाईचारे का संदेश देते हुए कही। उन्होंने बताया कि जब ननिहाल में भरत को जल्द से जल्द अयोध्या पहुंचने का संदेश मिला तो उन्हें यह नहीं बताया गया था कि महाराज दशरथ का निधन हो गया है। न ही इस बात की जानकारी दी गई कि राम को वनवास हो गया है। भरत का हृदय तो तब चकनाचूर हुआ था जब उन्होंने अपनी माता के मुंह से पिता के निधन और भाई के वनवास का समाचार सुना था। परीक्षित की भूमिका में समिति के संयोजक सोनू गुप्ता एवं उनकी पत्नी हेमलता गुप्ता मौजूद रहीं।

आंखों की परेशानी में बरतें गंभीरता

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः आंखें अनमोल हैं। हमें इनके साथ किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। विजन में थोड़ा सा भी बदलाव आए तो तुरंत विशेषज्ञ से संपर्क करें। कुछ बीमारियां ऐसी होती हैं जिन्हें शुरुआत में सामान्य उपचार के साथ आसानी से ठीक किया जा सकता है। यह बात जाने-माने नेत्र चिकित्सक डॉ. अवध दुबे ने कही।

सामाजिक संस्था सेवा द्वारा सोमवार को आयोजित कराए गए नेत्र शिविर में पहुंचे डा दुबे ने कहा कि आंखें शरीर का सर्वाधिक नाजुक अंग है। इनकी देखभाल पूरी गंभीरता के साथ करनी चाहिए। आंखों की छोटी सी भी परेशानी को टालें नहीं। डाक्टर की सलाह लें और समय रहते इलाज शुरू करें। उन्होंने कहा कि आज के युग में काफी लोग शुगर और बीपी की समस्या का शिकार हैं।

महिला की आंखों की जांच करते डॉ. अवध दुबे। अमृत विचार

गया। चार मरीजों में बीपी शुगर की समस्या थी। उनके ऑपरेशन बाद में होंगे। जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता और संस्था सेवा की संस्थापिका कंचन मिश्रा द्वारा आयोजित आई कैंप में डा अवध दुबे के साथ डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने पर्दे की जांच की जब कि हर्षित, सचिन आदि ने आंखों का विजन किया। बताया गया चिन्हित मरीजों का मंगलवार को पुखरायां में आपरेशन होगा। एक दिन बाद घर वापसी होगी। मुकेश पुरवार, सुनील पांडे, धीरू अवस्थी, सूर्यांश पुरवार, सलमान, संध्या पाण्डेय, अर्चना पुरवार, अंजली अवस्थी घनश्याम मिश्रा, पिंटू, मुन्ना, सेजल, नेहा आदि रहे।

एसआईआर में मैथा तहसील का काम उत्कृष्ट

शिवली। मैथा तहसील एसआईआर फार्म के डिजिटाइजेशन में जिले में शीर्ष पर है। एसडीएम ने इस कार्य में लगे कार्मिकों को और अधिक तेजी से काम करने को कहा है।

सोमवार को एसडीएम राजकुमार पांडेय ने भंगापुरवा, शाहपुर, भीखर, बलुआपुर , नौबस्ता, भटुआमऊ , जोरावरपुर, मदारपुर, आलियापुर आदि गांवों के मतदान बूथों पर पहुंच एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ व अन्य कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण मतदाताओं को जागरूक करते हुए एसआई कार्य में लगे कर्मचारियों का सहयोग करने की अपील की। उन्होंने इसकी उपयोगिता के बारे में बताया और कहा कि यह फार्म भरना जरूरी है। इसी के साथ उन्होंने सभी बीएलओ को सख्त निर्देश देते हुए कहा सभी इमानदारी से काम करें।

अल्ताफ अयान की कव्वालियों ने बांधा समां, खूब लूटी वाह-वाही

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः मैं तुम पर कुर्बान या मोहम्मद यह दिल तुम्ही से धड़क रहा है,तुम्हारी यादों की ही बदौलत यह दिल हमारा चमक रहा है। रसूलाबाद स्थित हजरत गुलफिर शाह बाबा की मजार पर चल रहे उर्स जलसे के तीसरी रात को महफिले समां कार्यक्रम में रईस अनीस साबरी बिजनौर पार्टी ने उक्त कव्वाली पेश कर श्रोताओं की जमकर तालियां बटोरी।

उनके द्वारा पेश की गई कव्वाली तुझे क्या बताऊं मैं राजदां तेरे सामने मेरा हाल है। तेरी एक निगाह की बात है मेरी जिंदगी का सवाल है । तुमको पाया है जमाने से किनारा करके तुम बदल देते हो किस्मत को इशारा करके सुनकर पूरा पंडाल झूम उठा। रईस अनीस साबरी बिजनौर को सुनने के लिए श्रोता बेसब्री से उनका इंतजार कर रहे थे और जैसे ही वह स्टेज पर आए वैसे ही पंडाल खचाखच

कार्यक्रम में अपनी कव्वाली पेश करते कव्वाल। बाबा गुलपीरशाह बाबा की सजी मजार।

भर गया। कार्यक्रम की शुरुआत रसूलाबाद निवासी खास मजार ए पाक कव्वाल शरीफ नाजा एंड पार्टी द्वारा बाबा की शान में पेश की गई कव्वाली से हुआ। इसके बाद मझला कन्नौज से आई मुबीन नियाजी एण्ड कव्वाल पार्टी ने हजरत वारिस पाक की शान में कव्वाली पढ़ी। पानीपत की सरजमी से आए अल्ताफ अयान कव्वाल पार्टी द्वारा मौला अली की शान में प्रस्तुत कव्वाली पर श्रोतागण झूम उठे। महफिल ए समां के दौरान दो बार साउंड व लाइट की बिजली कट गई। जिसके चलते करीब 20 मिनट तक कव्वाली का प्रोग्राम रुका रहा। इस मौके पर प्रमुख रूप से निजामियां उर्स कमेटी के सदर आजम खान,, खुर्शीद आलम एडवोकेट, हाजी फैजान खान, अतहर खान भुट्टो,सोहेल अहमद, वसीम अहमद वारसी, रईसुद्दीन कुरैशी, हाफिज साजिद, डॉ मुस्तकीम, फरहान मिनी,हाशिम खान, सारिक खान, एबाब खान, सभासद मो.मशरूफ नवाज़,आसिफ खान, अकील खान, एहतिशाम खान भोलू, सरताज अशरफ, मुबीन सिद्दीकी राजा, सिराज अहमद, मीनू राईन, इजहार मंसूरी, सिराज मंसूरी, शाहरुख मंसूरी आदि रहे।

कार्यक्रम — जागृति महिला समिति का 18 वां वार्षिकोत्सव संभरपुर गांव में मनाया गया

समूह में धनराशि लगाकर एक मुश्त लाभ पा सकतीं महिलाएं

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः श्रमिक भारती से संबद्ध जागृति महिला समिति का सोमवार को 18 वां वार्षिकोत्सव संभरपुर गांव में मनाया गया। 2007 से जागृति महिला समिति के 129 स्वयं सहायता समूह के माध्यम से मैथा ब्लॉक के 300गांवों की 1545 महिलाएं निरंतर समिति और बैंक से जुड़कर समूहों को चला रही है।

संस्थापक गणेश शंकर पांडेय ने कहा कि महिलाएं जो भी अपनी छोटी जमा पूंजी अपने पास रखती है। कभी कभी उनके पति नशे के चक्कर में उनसे छीन भी लेते हैं। ऐसे में वह अपनी छोटी सी धनराशि समूह में लगाकर अपने नाम पर एकमुश्त धनराशि रख सकती हैं। भविष्य में जरूरत पड़ने पर वह आत्मनिर्भर होते हुए अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा कर सकेंगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्य अतिथि अमृत विचार

शाखा प्रबंधक निरुपमा मिश्रा ने महिलाओं से कहा कि उनके लिए हमारी बैंक शाखा में समूहों को लोन लेने के लिए चक्कर काटने की जरूरत नहीं है ।महिलाएं अपने समूह की अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष के साथ आए और आसानी से लोन प्राप्त करे। समिति की अध्यक्ष माया देवी ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया। इस मौके पर साधना घोष, उमेश मोहन बाजपेई, करिश्मा, हरेंद्र सुनीता आदि रहीं।

- कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति -10

- केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल ने कहा- भारत-कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू -10

- निहित स्वार्थों के लिए आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए -11

- दूसरे टेस्ट में भी हालत पतली, बल्लेबाजों की गैर जिम्मेदारी से 201 रन पर सिमटा भारत -12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
- लखनऊ - बरेली - कानपुर
- मुरादाबाद - अयोध्या - हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष पंचमी 10:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 25 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 95, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

अलविदा ही मैन..

धर्मेंद्र ने वर्ष 1958 में निर्माता-निर्देशक अर्जुन हिंगोरानी की फिल्म ''दिल भी तेरा हम भी तेरे'' से बतौर अभिनेता बॉलीवुड में एंट्री ली, इसके बाद करीब 65 साल तक फिल्मी दुनिया की अहम शख्सियत बने रहे। इस बीच उन्होंने 300 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया। 1966 में फिल्म फूल और पत्थर की सफलता ने उन्हें ही मैन की पहचान दी। इस फिल्म में दमदार अभिनय के कारण वह फिल्मफेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता पुरस्कार के लिए भी नामांकित किए गए। वर्ष 1997 में फिल्मफेयर के लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से उन्हें सम्मानित किया गया। अपने शानदार व्यक्तित्व के कारण उन्हें बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' उपनाम भी मिला। अमेरिका की प्रसिद्ध टाइम मैगजीन का विश्व के दस सुंदर व्यक्तियों में उन्हें प्रथम स्थान देकर उनके चित्र को मुखपृष्ठ पर प्रकाशित किया गया था।

08 दिसंबर 1935 ...24 नवंबर 2025

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकते सितारे का अवसान

धर्मेंद्र ने दुनिया छोड़ी... अब दिलों में रहेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के एक और सबसे चमकदार सितारे का अवसान हो गया। ही मैन के नाम से मशहूर और सिने प्रेमियों के चहेते धर्मेंद्र का सोमवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने अपने आवास पर 89 की उम्र में अंतिम सांस ली। दोपहर के वक्त विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान भूमि में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े बेटे और अभिनेता सनी देओल ने उन्हें मुखाग्नि दी। बॉलीवुड की कई हस्तियां उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचीं।

धर्मेंद्र पिछले कुछ वक्त से बीमार थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने इस महीने की शुरुआत में घर पर ही उनका इलाज जारी रखने का निर्णय लिया था। वह आठ दिसंबर को 90 वर्ष के हो जाते, लेकिन सोमवार सुबह उनका निधन हो गया। उनका फिल्मी करियर 65 वर्षों का रहा। इस बीच उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया जिनमें सत्यकाम और शोले जैसी तमाम यादगार फिल्में भी शामिल हैं।

विले पार्ले में पवन हंस श्मशान भूमि में उनके अंतिम संस्कार के दौरान उनके प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी। उनकी पत्नी और जानीमानी अभिनेत्री हेमा मालिनी, बेटी इशा देओल और परिवार के अन्य सदस्य भी श्मशान स्थल पर पहुंचे थे। उनके दोस्त महानायक अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जगत की कई हस्तियां पहुंची। इनमें शबाना आजमी, गोविंदा, आमिर खान, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, अक्षय कुमार, संजय दत्त, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण तथा जायद खान शामिल थे।

... मगर नहीं चमक पाए थे राजनीति में

धर्मेंद्र ने दशकों तक बड़े पर्दे पर राज किया लेकिन राजनीति में नहीं चमक पाए। 2004 में उन्होंने राजस्थान के बीकानेर से भाजपा के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़कर जीता। लेकिन संसद में पहुंचने के बाद उनका राजनीति से जल्द ही मोहभंग हो गया। संसद में उनकी उपस्थिति बेहद कम रही। बाद में उन्होंने कहा था, मैं यह नहीं कहूंगा कि राजनीति में आना कोई गलती थी, लेकिन एक अभिनेता को राजनीति में नहीं आना चाहिए क्योंकि इससे दर्शकों और प्रशंसकों के बीच सामान्य स्वीकृति में विभाजन पैदा होता है। अभिनेता को हमेशा अभिनेता ही रहना चाहिए।

अभिनेता एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है। सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक, भारतीय सिनेमा की एक महान हस्ती के रूप में वह ऐसी विरासत छोड़ गए हैं जो कलाकारों की युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक संवेदना। - **द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति**

धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। जिस तरह उन्होंने विविध भूमिकाएं निभाईं, उसने अनगिनत लोगों को प्रभावित किया। धर्मेंद्र जी अपनी सादगी, विनम्रता और गर्मजोशी के लिए प्रशंसित थे। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और असंख्य प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति। - **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

न्यूज ब्रीफ

शहीदी दिवस: प्रदेश में आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 25 नवंबर मंगलवार को सभी स्कूल-कॉलेज और दफ्तर बंद रहेंगे। इस दिन गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी गई है। योगी सरकार ने वर्ष 2025 के अवकाश कैलेंडर में संशोधन करते हुए गुरु तेग बहादुरजी के बलिदान दिवस पर घोषित अवकाश की तिथि बदल दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार पहले यह अवकाश 24 नवंबर को निर्धारित था, अब इसे 25 नवंबर कर दिया गया है। प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन मनीष चौहान ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

तमिलनाडु के तेनकासी में दो बसों की टक्कर में छह की मौत

तेनकासी। तेनकासी जिले के इदैकल के पास सोमवार को दो निजी बसों की आमने-सामने की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें पांच महिला और एक पुरुष था। पुलिस के मुताबिक यह हादसा तब हुआ जब आमने-सामने से आ रहीं दो निजी बसों की टक्कर हो गई। एक बस मदुरै से सेनकोट्टई और जबकि दूसरी तेनकासी से कोविलपट्टी/शंकरनकोविल जा रही थी। जांच से पता चला है कि हादसा एक चालक के तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने की वजह से हुआ। आशंका है कि ओवरटेक करते समय किसी बस ने गलत दिशा में गाड़ी चला दी होगी।

संजय कपूर चुने गए एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार संजय कपूर को निर्विरोध एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया का अध्यक्ष चुना गया है। हार्ड न्यूज के संपादक संजय कपूर वरिष्ठ पत्रकार अनंत नाथ का स्थान लेंगे। द हिंदू बिजनेस लाइन के पूर्व संपादक राघवन श्रीनिवासन और थंब प्रिंट एनई की प्रधान संपादक टेरेसा रहमान को एडिटर्स गिल्ड की 22 नवंबर को हुई वार्षिक आम बैठक में क्रमश: गिल्ड का निर्विरोध महासचिव और कोषाध्यक्ष चुना गया है। नए पदाधिकारियों की घोषणा एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की चुनाव समिति ने की, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई और विजय नाइक शामिल थे। श्रीनिवासन और रहमान वरिष्ठ पत्रकार रूबेन बनर्जी और के वी प्रसाद का स्थान लेंगे।

सियासी दलों को गुमनाम नकद चंदा संबंधी याचिका पर नोटिस

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार, निर्वाचन आयोग और दूसरे पक्षों से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और निर्वाचन आयोग समेत अन्य पक्षों से उस याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें राजनीतिक दलों को 2,000 रुपये से कम का ''गुमनाम'' नकद चंदा लेने की अनुमति देने वाले आयकर अधिनियम के प्रावधान की वैधता को चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि पारदर्शिता की यह कमी मतदाताओं को दानकर्ता और उनके उद्देश्य समेत राजनीतिक वित्तपोषण के स्रोत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से वंचित करती है। इससे चुनाव प्रक्रिया की शुचिता कमजोर होती है और मतदाता वोट डालते समय तर्कसंगत, बुद्धिमत्तापूर्ण और पूरी तरह सूचित निर्णय लेने से वंचित रह जाते हैं।

याचिका में निर्वाचन आयोग को निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह किसी राजनीतिक दल के पंजीकरण और चुनाव चिन्ह के आवंटन के लिए एक शर्त निर्धारित करे कि कोई भी दल नकद में कोई राशि प्राप्त नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। इससे पहले, पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया से पूछा कि उन्होंने हाईकोर्ट का रुख क्यों नहीं किया। हंसारिया ने कहा कि यह याचिका देश भर में सभी राजनीतिक दलों और उन्हें मिलने वाले वित्तपोषण से संबंधित है। पीठ ने इस पर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए निर्वाचन आयोग, केंद्र और भाजपा तथा कांग्रेस जैसे कई राजनीतिक दलों सहित अन्य को नोटिस जारी किए।

आईटी एक्ट की धारा 13ए का खंड डी असंवैधानिक

याचिका में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13ए के खंड (डी) को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द करने की मांग की गई है और साथ ही सुप्रीम कोर्ट के 2024 के फैसले का भी हवाला दिया गया है, जिसमें चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया गया था। वकील जयेश के उन्नीकृष्णन के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है, याचिकाकर्ता यह निर्देश चाहता है कि राजनीतिक दल उन्हें कोई भी धनराशि देने वाले व्यक्ति का नाम और अन्य सभी विवरण उजागर करें तथा कोई भी धनराशि नकद में प्राप्त न की जाए, ताकि राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता बनी रहे। अधिनियम की धारा 13ए राजनीतिक दलों की आय से संबंधित विशेष प्रावधान से जुड़ा है।

जिस चंदे की पहचान नहीं, उसे वापस कराए निर्वाचन आयोग

याचिका में कहा गया कि अधिनियम में धारा 13ए जोड़ी गई है और राजनीतिक दलों को मिलने वाली जमानत राशि पर ब्याज, मकान/संपत्ति से आय, अन्य स्रोतों से आय, तथा स्वैच्छिक चंदे के रूप में मिलने वाली किसी भी रकम को कुल आय की गणना से मुक्त रखा गया है। याचिका में यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि निर्वाचन आयोग सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के फॉर्म 24ए (चंदा विवरण) की जांच करे और जिन चंदों में दाता का पता या पैन नहीं दिया गया है, उस राशि को संबंधित दलों से वापस जमा करवाए। याचिका में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को पिछले पांच वर्षों के दौरान आयकर अधिनियम की धारा 142 और 143 के तहत राजनीतिक दलों द्वारा दाखिल आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट की जांच करने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

मोदी आज भगवा ध्वज फहराकर करेंगे राममंदिर का निर्माण पूर्ण होने की घोषणा

रंगबिरंगी रोशनियों से जगमगाई अयोध्या, गूंजने लगी रामधुन

अयोध्या, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा ध्वज फहराएंगे जो इसके निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा। इस समारोह की बड़े पैमाने पर तैयारियां जारी हैं। राम मंदिर का संपूर्ण क्षेत्र रंगबिरंगी रोशनी से जगमग कर रहा है, साथ ही अनवरत रामधुन भी गूंजने लगी है।

प्रधानमंत्री मंगलवार सुबह करीब 10 बजे सप्तमंदिर आएंगे जिसमें महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, महर्षि वाल्मीकि, देवी अहिल्या, निषादराज गुहा और माता शबरी से जुड़े मंदिर हैं। इसके बाद वे शेषावतार मंदिर जाएंगे। सुबह करीब 11 बजे प्रधानमंत्री माता अन्नपूर्णा मंदिर जाएंगे, इसके बाद वह राम दरबार गर्भगृह में दर्शन और पूजा करेंगे, जिसके बाद रामलला गर्भगृह में दर्शन करेंगे। दोपहर करीब 12 बजे प्रधानमंत्री श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर भगवा झंडा फहराएंगे, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक होगा।

रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र में ध्वज स्थापना से पहले शुरू हो गया है अनुष्ठानों का दौर।

कड़ी की गई सुरक्षा, मुख्यमंत्री ने देखीं तैयारियां

प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से पहले अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। महराजगंज जिले में भारत-नेपाल सीमा पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राममंदिर ध्वजारोहण समारोह स्थल और प्रधानमंत्री मोदी के आगमन मार्ग का निरीक्षण किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर के मुख्य प्रवेश स्थल के बगल बने मंच पर पहुंचे, जहां से मोदी राममंदिर ध्वजारोहण समारोह में आमंत्रित अतिथियो से संवाद करेंगे।

त्रिभुजाकार ध्वज पर होगी दीप्तिमान सूर्य की तस्वीर

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, समकोण त्रिभुजाकार ध्वज की ऊंचाई 10 फुट और लंबाई 20 फुट है। इस पर एक दीप्तिमान सूर्य की तस्वीर है जो भगवान राम के तेज और वीरता का प्रतीक है। इस पर 'ॐ' अंकित है और कोविदार वृक्ष की तस्वीर भी है। पवित्र भगवा ध्वज गरिमा, एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का संदेश देगा और राम राज्य के आदर्शों का प्रतीक होगा।

दिल्ली में 50% कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रदूषण रोकने को राज्य सरकार ने जारी किया बाध्यकारी आदेश

दिल्ली में वायु प्रदूषण से लगातार खराब होते हालात के बीच राज्य सरकार ने सभी सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ काम करने का आदेश जारी किया है। बाकी 50 प्रतिशत कर्मचारी घरों से काम करेंगे।

यह आदेश चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तीसरे चरण के अनुसार सोमवार को जारी किया गया है। पर्यावरण विभाग की ओर से पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा पांच के अंतर्गत जारी इस आदेश के दायरे में राष्ट्रीय राजधानी में चलने वाले दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों के साथ निजी प्रतिष्ठान भी शामिल हैं। आदेश में कहा गया है कि सरकारी कार्यालयों में सभी प्रशासनिक सचिव और विभागाध्यक्ष नियमित रूप से कार्यालय आएंगे और 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी कार्यालय में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित नहीं होंगे।

आज बंद हो जाएंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वविख्यात बदरीनाथ धाम के कपाट आज शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे और इसी के साथ इस वर्ष की चारधाम यात्रा का औपचारिक समापन हो जाएगा।

बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अनुसार, मंगलवार अपराह्न दो बजकर 56 मिनट पर बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। गढ़वाल हिमालय के चार में से तीन धामों के कपाट पहले ही बंद किए जा चुके हैं।

भारत के 53वें सीजेआई बने न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष हिंदी में ली शपथ, सेवानिवृत्त होने तक 15 महीने रहेंगे शीर्ष न्यायिक पद पर

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार को भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथ दिलाई और उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वरिष्ठ नेता इस समारोह में शामिल हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत को न्यायमूर्ति बीआर गवई के स्थान पर न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर नियुक्त किया गया है जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को 30 अक्टूबर को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया गया था, वह नौ फरवरी 2027 को 65 वर्ष का होने तक लगभग 15 महीने तक इस पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन करने उनके पास गए। इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे और उन्होंने भी न्यायमूर्ति सूर्यकांत को बधाई दी। शपथ ग्रहण करने के बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायालय परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बीआर आंबेडकर की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत को शपथग्रहण करातीं राष्ट्रपति मुर्मू।

छह देशों के जज हुए समारोह में शामिल

इस बार का शपथ ग्रहण समारोह इस दृष्टि से भी ऐतिहासिक रहा क्योंकि इसमें भूटान, केन्या, मलेशिया, मॉरीशस, नेपाल और श्रीलंका समेत छह देशों के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के जज शामिल हुए। यह पहली बार है कि भारतीय मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण समारोह में इतना बड़ा विदेशी न्यायिक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा गलत रनवे पर उतरा अफगानी विमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- इसी रनवे पर दूसरा विमान भर रहा था उड़ान, नियामक ने शुरू की घटना की जांच
- हवाई अड्डा प्रशासन में मची अफरातफरी, विमान में मौजूद यात्रियों में फैली दहशत

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार को उस समय एक बड़ा हादसा टल गया, जब काबुल से आ रहा एरियाना अफगान एयरलाइन का एक विमान गलती से उस रनवे पर उतर गया, जहां से एक दूसरा विमान उड़ान भर रहा था। इस घटना से हवाई अड्डे पर अफरातफरी फैल गई।

डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नियामक ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि एरियाना अफगान एयरलाइन के ए- 310 विमान को रनवे 29-एल पर उतरने की अनुमति दी गई थी। उसकी उड़ान संख्या एफजी-311 (काबुल-दिल्ली) थी। यह विमान रनवे 29-एल के बजाय रनवे 29-आर पर उतरा। अधिकारी के मुताबिक अफगान एयरलाइन के विमान के पायलट-इन-कमांड ने बताया कि चार नॉटिकल माइल्स पर उनका 'इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम' (आईएलएस) से संपर्क टूट गया और विमान दाईं ओर मुड़ गया, जिसके बाद कैप्टन ने रनवे 29-आर पर विमान उतारा।

रनवे 29-आर पर ही एक अन्य विमान उड़ान भर रहा था। अफगानी विमान के गलत रनवे पर उतरने से बड़ा हादसा बाल-बाल बच गया। इस घटना से हवाई अड्डा प्रशासन में अफरातफरी फैल गई। आईएलएस एक सटीक रेडियो नेविगेशन प्रणाली है जो विमान को कम दूरी का मार्गदर्शन प्रदान करती है, जिससे वह रात में, खराब मौसम और कम दृश्यता के दौरान रनवे तक पहुंच सकता है।

दुर्लभ उपलब्धि | बढ़ेगी नौसेना की युद्ध क्षमता, स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ किया गया है निर्माण

आत्मनिर्भर भारत : समुद्र में उतरा माहे श्रेणी का पहला युद्धपोत

मुंबई, एजेंसी

भारतीय नौसेना ने सोमवार को आईएनएस माहे को अपने बेड़े में शामिल किया, जो माहे श्रेणी का पहला पनडुब्बी रोधी युद्धक जहाज है। इस जहाज के सेवा में शामिल होने के बाद नौसेना की युद्ध क्षमता में बढ़ने की उम्मीद जताई गई है। यह जलपोत उथले जल के स्वदेशी लड़ाकू जहाजों की नई पीढ़ी का हिस्सा है। यह स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के साथ जटिल लड़ाकू जहाजों को डिजाइन करने, निर्माण करने और तैनात करने की भारत की समुद्री क्षमता का भी प्रतीक कहा गया है।

आईएनएस माहे के जलावतरण समारोह के मुख्य अतिथि सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि इसके सेवा में शामिल होने से भारतीय नौसेना की समुद्री प्रभुत्व सुनिश्चित करने, तटीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और देश के विशाल तटीय जलक्षेत्र में भारत के समुद्री हितों की रक्षा करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यह नौसेना में निरंतर परिवर्तन की भी पुष्टि करता है, जो अपने लड़ाकू प्लेटफ़ॉर्म का डिज़ाइन, निर्माण और रखरखाव स्वयं करती है।

तटीय रक्षा की पहली पंक्ति बनाएगा

नौसेना ने कहा, माहे श्रेणी का पोत तटीय रक्षा की पहली पंक्ति का निर्माण करेगा, जो बड़े लड़ाकू जहाजों, पनडुब्बियों और विमानन परिसंपत्तियों के साथ एकीकृत होकर भारत के समुद्री परिचालन क्षेत्रों पर निरंतर निगरानी बनाए रखेगा। इसका निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) द्वारा किया गया है।

इसलिए भारत की बड़ी उपलब्धि

- इस जहाज का निर्माण 80% से अधिक स्वदेशी सामग्री से किया गया है, जो ''आत्मनिर्भर भारत'' की ओर बड़ा कदम है।
- इस युद्धक जहाज को विशेष रूप से तटीय और उथले जल में पनडुब्बी-रोधी अभियान के लिए डिजाइन किया गया है।
- आईएनएस माहे का निर्माण तटीय गश्त, बंदरगाहों की सुरक्षा और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने के लिए किया गया है।
- उन्नत हथियार प्रणाली पनडुब्बियों को निष्क्रिय करने में सक्षम बनाती हैं। लाइटवेट टॉरपीडो, एएसडब्ल्यू रॉकेट से लैस।
- जहाज छोटा लेकिन अत्यधिक शक्तिशाली, जो चपलता, सटीकता और गतिशीलता के मिश्रण से तटीय क्षेत्रों में प्रभावी है।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आज 7 घंटे तक बिजली रहेगी बाधित

शुक्लागंज। री-वैम्प योजना के तहत चन्द्रमुक्ता मार्केट के पास जर्जर एबीसी केबल बदले जाने को लेकर मंगलवार को बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र गोकुल बाबा/शुक्लागंज से निर्गत 11 केवी शुक्लागंज फीडर संख्या 1 व 2 से जुड़े क्षेत्रों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लगभग सात घंटे की कटौती रहेगी। यह जानकारी वितरण खण्ड मगरवारा के अधिशासी अभियंता ने दी। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद जताया है।

सड़क किनारे पड़ा मिला वृद्ध का शव

उन्नाव, अमृत विचार। दही थानाक्षेत्र स्थित गोडवा बिशुनपुर गांव में लहिया-पाड़नखेड़ा मार्ग के बीच एक वृद्ध का शव पड़ा देख लोगों को भीड़ एकत्र हो गई। लोगों की सूचना पर पहुंचे एसओ ज्ञानेंद्र सिंह ने जांच की। इसमें कोई जाहिरा चोट नहीं मिली। काफी प्रयास के बाद उसकी पहचान लाला (70) निवासी बिशुनपुर के रूप में हुई। परिजनों के पहुंचने पर पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसओ ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने पर मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

नाबालिग के हो रहे विवाह को रुकवाया

उन्नाव। जिला प्रोबेशन अधिकारी क्षमानाथ राय ने बताया कि सोमवार को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली कि अजगैन कोतवाली क्षेत्र के धरागढ़ गांव निवासी एक नाबालिग का विवाह सदर कोतवाली क्षेत्र के किशोरी खेड़ा निवासी से अन्नपूर्णा धाम लखनऊ बाईपास में हो रहा है। चाइल्ड हेल्पलाइन कोर्डिनेटर दिवाकर ओझा ने उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना दी। जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेश पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम दही थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंची जहां नाबालिग का विवाह हो रहा था। चाइल्ड हेल्प लाइन द्वारा नाबालिग को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बाल कल्याण समिति द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। बाल कल्याण समिति के आदेश पर नाबालिग को वन स्टॉप सेंटर में दाखिल किया गया।

नौसिखिये ने गली में दौड़ाई कार, 10 घायल

शुक्लागंज। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के कंचन नगर से अंबिकापुरम में सोमवार शाम एक नौसिखिये कार चालक ने गली में करीब चार सौ मीटर तक एडवोकेट लिखी कार को तेज रफ्तार में भगाया। कार अचानक अनियंत्रित होने पर उसने एक-एक कर दस लोगों को टक्कर मार दी। घटना में सर्वोदय नगर निवासी महिला कंचन गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि नौ अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घबराया चालक मौके से फरार हो गया, जबकि गुस्साए लोगों ने कार में जमकर तोड़फोड़ कर दी।

बालिकाओं ने एथलेटिक्स लीग में दिखाया दम

उन्नाव। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में अस्मिता खेलो इंडिया एथलेटिक्स लीग 2025-26 का आयोजन हुआ। बालिकाओं की अंडर 16 आयु वर्ग में 60 मीटर दौड़ में प्राची प्रथम, एलिजा द्वितीय व जन्नत यादव तृतीय रहीं। 600 मीटर दौड़ में दीपांशी प्रथम, उपासना द्वितीय व इशु सिंह तृतीय रहीं। लंबी कूद में लक्ष्मी देवी प्रथम, वैशाली साहू द्वितीय व दीपाली तृतीय रही। ऊंची कूद में आकांक्षा पाल प्रथम व वर्तिका द्वितीय रहीं। भाला फेंक में श्रद्धा सोनवानी प्रथम व आरोही सेठ द्वितीय रही। गोला फेंक में आयुषी गुप्ता प्रथम, अनु द्वितीय व आराधना तृतीय रहीं। चक्का फेंक में कृष्णा प्रथम, सृष्टिका तिवारी द्वितीय व यशी तृतीय रही।

प्रेमी युगल ने मालगाड़ी के आगे छलांग लगा कर दी जान

लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर जैतीपुर रेलवे स्टेशन के पास ट्रैक पर मिले दोनों के शव, दलित समाज से थे युवक और युवती

संवाददाता, नवाबगंज, उन्नाव

अमृत विचार। लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर जैतीपुर रेलवे स्टेशन के पास यार्ड सेक्शन में सोमवार भोरपहर एक प्रेमी युगल ने मालगाड़ी के आगे छलांग लगाकर जान दे दी। रेल कर्मियों की सूचना पर पहुंची जीआरपी ने जांच कर युवक के पास मिले आधारकार्ड से उनकी पहचान कराई। सूचना पर पहुंचे दोनों के परिजन रो-रोकर बेहाल रहे। चर्चा रही कि दोनों में काफी समय से प्रेम संबंध थे। लेकिन बिरादरी अलग होने से परिजन उनकी शादी का विरोध कर रहे थे। लेकिन एक सप्ताह पूर्व सहमति बन गई थी। इसके बाद भी दोनों के आत्मघाती कदम उठाने की वजह परिजन नहीं बता सके। जीआरपी ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

बता दें कि अजगैन कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर मढ़ी गांव निवासी सुरेंद्र रावत (23) पुत्र स्व. शिवलाल का उसके गांव से 4 किमी आगे सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गौरी सालोनपुर गांव निवासी

सुरेंद्र।

सोनी। (फाइल फोटो)

सोनी (20) पुत्री रामलखन से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों शादी करना चाहते थे। दोनों दलित समाज से थे। लेकिन बिरादरी अलग होने से परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। बताते हैं कि इस पर सोनी कुछ समय पूर्व सुरेंद्र के घर आ गई थी। इसके बाद दोनों के परिजनों में शादी के सहमति तो बनी लेकिन शादी को मई-जून के लिए टाल दिया गया। चर्चा रही कि इससे दोनों परेशान थे। उन्हें लगा कि परिजनों ने उन्हें अलग करने के लिए ऐसा किया है। इससे दोनों ने साथ मरने की योजना बना ली। इसके लिए दोनों जैतीपुर रेलवे स्टेशन पहुंच गए। सोमवार भोरपहर करीब 4 बजे स्टेशन से कानपुर की ओर यार्ड सेक्शन में कानपुर से आई मालगाड़ी के सामने कूदकर जान दे दी। प्वाइंट मैन सुनील की सूचना पर स्टेशन मास्टर राहुल के मेमो पर पहुंची जीआरपी ने उनकी पहचान कराई।

बेहाल रहे दोनों के परिजन

एक वाहन से आए शव

सोनी की मौत से पिता रामलखन, मां सावित्री सहित भाई सोनू, मोनू व बहन मोनी रो-रोकर बेहाल रहे। वहीं सुरेंद्र के चाचा ने बताया कि वह खेती के साथ मजदूरी करता था। पिता की 14 साल पहले मौत हो गई थी। मां कांति सहित छोटा भाई नरेंद्र व बहन कामनी भी उसकी मौत से बेहाल रहीं।

सुरेंद्र के चाचा संतपाल ने बताया कि शनिवार को नबी नगर में उनके रिश्तेदारी रामकिशन की बेटी की शादी थी। सभी लोग गए लेकिन सुरेंद्र घर पर रुक गया। वहीं सोनी के पिता रामलखन के मुताबिक रात में बेटी घर पर थी। सभी खाना खाकर सो गए। रात में सोनी के साथ सोई छोटी बेटी ने उसे बिस्तर से गायब देख परिजनों को इसकी जानकारी दी। रात में परिजन आसपास तलाश कर घर लौट आए। सुबह उन्हें घटना की जानकारी मिली। दोनों के परिजन आत्महत्या करने की स्पष्ट वजह नहीं बता सके। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि वे लोग शादी के लिए तैयार थे।

एसओ जीआरपी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि मेमो मिला था कि युवक व युवती के शव ट्रैक पर पड़े हैं। जांच के बाद रूट क्लियर कराकर शव के पास युवक का आधार कार्ड व टूटा मोबाइल मिला। इससे उनकी पहचान कराकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गये हैं।

आबकारी अफसरों ने देखी शराब दुकानों की लोकेशन, मांगी रिपोर्ट

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, हसनगंज, उन्नाव

सोमवार को अमृत विचार में छपी खबर। अमृत विचार

- सोमवार को अमृत विचार ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेट हाईवे पर शराब दुकानों के संचालित होने की छापी थी खबर
- इसके बाद विभागीय अफसरों ने ऑफिसों से निकलकर इन दुकानों की लोकेशन देख औपचारिकता पूरी की

अमृत विचार। जिले में संचालित बेमानक शराब दुकानों से संबंधित खबर अमृत विचार में प्रकाशित होने के बाद विभागीय अफसर अपने आफिसों से निकले और जांच व निरीक्षण की औपचारिकताएं पूरी कीं। हालांकि अफसर स्टेट हाईवे पर ग्रामीण क्षेत्रों में दुकानों के संचालन के चलते इन हाईवे की पीडब्ल्यूडी अफसरों से रिपोर्ट मांगने की बात कही है। कहा कि अगर रिपोर्ट में यह मार्ग स्टेट हाईवे मिलते हैं तो संबंधित दुकान संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर इन्हें हटवाया जाएगा।

बता दें कि वर्ष 2025-26 की नई आबकारी नीति के तहत उत्तर प्रदेश में स्टेट हाईवे पर ग्रामीण क्षेत्र में शराब की दुकानें नहीं खोली जा सकती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दिये हैं कि स्टेट हाईवे पर ग्रामीण क्षेत्र में शराब दुकानें नहीं होनी चाहिए। इसके बावजूद हसनगंज तहसील के अलावा कई अन्य स्थानों पर इस आदेश का खुलेआम उल्लंघन हो रहा और स्टेट हाईवे पर दर्जनों दुकानें धड़ल्ले से संचालित हो रही हैं।

मिलीभगत होने के चलते जान कर भी आबकारी विभाग के अफसर इन्हें नजर अंदाज किये हुए हैं। जबकि, सिर्फ हसनगंज क्षेत्र में फरहदपुर कंपोजिट, नई सराय देशी व कंपोजिट, नवई देशी व कंपोजिट, अजगैन कंपोजिट, गजफ्फर नगर कंपोजिट, शाहपुर तोंदा कंपोजिट व देशी, इनायतपुर बर्रा बियर, ऊंचाद्वारा देशी, धौरा देशी सहित दर्जनों दुकानें स्टेट हाईवे किनारे ही संचालित हो रही हैं। सोमवार को अमृत विचार में इससे संबंधित खबर प्रकाशित होने के बाद आबकारी इंस्पेक्टर हसनगंज ज्योति अग्रवाल ने अकबरपुर, आवागोझा, हसनगंज व फरहदपुर सहित कई शराब दुकानों का निरीक्षण किया। जिसमें उन्होंने स्टॉक रजिस्टर से शराब के स्टॉक का मिलान किया और दुकान की लोकेशन भी देखी।

हालांकि, उनकी यह कार्रवाई सिर्फ कागजी कोरम ही साबित हुई। उन्होंने बताया कि यह दुकानें मानकों के अनुसार सही स्थान पर संचालित हो रही हैं या नहीं इसके लिये पीडब्ल्यूडी से इन मार्गों के राष्ट्रीय या राज्य हाईवे होने की रिपोर्ट मांगी गई है। अगर यह दुकानें गलत सूचना देकर गलत जगह खोली गई हैं तो इन पर कार्यवाही कर वहां से हटवाया जाएगा।

बाइक की टक्कर से सिक्योरिटी गार्ड की मौत

नवाबगंज, अमृत विचार। निर्माणाधीन वेयर हाउस के सिक्योरिटी गार्ड को लघुशंका के लिए जाते समय तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। इसमें उसकी मौत हो गई।

प्रहलाद (फाइल फोटो)

लखनऊ के बंथरा थानाक्षेत्र के बादे खेड़ा गांव निवासी प्रहलाद नारायण श्रीवास्तव (58) पुत्र उमेश सोहरामऊ थाना के पास एक निर्माणाधीन वेयर हाउस में सिक्योरिटी गार्ड था। रविवार को वह रात ड्यूटी पर था। सोमवार सुबह 6 बजे वह लघु शंका के लिए सड़क किनारे खड़ा था। तभी तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। उछलकर सड़क पर गिरने से उसके सिर पर गंभीर चोट आ गई। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। साथियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसके जीवित होने की आशा में नवाबगंज सीएचसी भेजा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसकी खबर मिलते ही परिजन पहुंचे और शव देख बेहाल हो गए। पति की मौत से पत्नी पंचवटी, बेटा प्रिंस व दो विवाहित बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल रहा। एसओ संदीप शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची सत्यापन में बूथों पर जमा हुए 7200 एसआईआर फार्म

शुक्लागंज, अमृत विचार। निर्वाचक आयोग के निर्देश पर नगर में मतदाता सूची के सत्यापन हेतु एसआईआर फार्म भरने की प्रक्रिया जारी है। सोमवार को भी सभी बूथों पर बीएलओ तैनात रहे। पालिका क्षेत्र के अंतर्गत कुल 72 मतदेय स्थलों पर एसआईआर फार्म प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित की जा रही है, जिसके लिए सभी बूथों पर बीएलओ की ड्यूटी निर्धारित की गई है। सुबह करीब दस बजे से ही संबंधित बूथों पर मतदाताओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई। लोग अपने मतदाता क्रमांक के आधार पर एसआईआर फार्म प्राप्त कर रहे थे अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा ने बताया कि सोमवार को सभी मतदेय स्थलों पर कुल 7200 एसआईआर फार्म जमा कराए गए हैं।

ध्वजारोहण में शामिल होने के लिए रामभक्तों का दल रवाना

भक्तों को अयोध्या रवाना करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। राम नगरी अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिले से राम भक्तों का दल रविवार को श्रद्धा व उत्साह के साथ रवाना हुआ। कार्यक्रम विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित किया गया है।

अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में होने वाले ध्वजारोहण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आरएसएस के संरक्षक मोहन भागवत व उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शामिल होंगी। राम भक्तों के दल को विहिप व आरएसएस पदाधिकारियों ने विदा किया। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने भक्तों को माला व पटका पहनाया और प्रवेश पत्रिका देकर बसों से अयोध्या के लिए रवाना किया। विहिप के जिलामंत्री सुनील गुप्ता, विभाग अध्यक्ष सुरेश पांडेय, प्रांत मंत्री अविनाश, आरएसएस के विभाग प्रचारक अमरजीत, जिला उपाध्यक्ष प्रभात शुक्ला, कार्याध्यक्ष रघुवंश मणि त्रिवेदी, वीरेंद्र महाराज मौनी बाबा, पूर्व चेयरमैन रामचंद्र गुप्ता आदि रहे।

अयोध्या में कार्यक्रम के चलते एसपी ने देखे डायवर्जन प्वाइंट, दिये निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

पुरवा मोड़ पर डायवर्जन का निरीक्षण कर मातहतों को निर्देश देते एसपी। अमृत विचार

अमृत विचार। अयोध्या में 25 नवंबर को श्रीराम मंदिर में प्रस्तावित ध्वजारोहण कार्यक्रम को देखते हुए जिले में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए भारी वाहनों का रूट डायवर्जन किया गया है।

सोमवार रात 12 से मंगलवार रात 9 बजे तक भारी वाहनों के लखनऊ जाने पर रोक लगा दी गई है। जिसे लेकर दही थानाक्षेत्र में बनाए गए डायवर्जन प्वाइंट पुरवा मोड़ व नवाबगंज टोल प्लाजा का एसपी जय प्रकाश सिंह निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने रूट डायवर्जन की व्यवस्थाओं की समीक्षा की और ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए और सुनिश्चित किया जाए कि डायवर्जन के कारण आमजन को कम से कम असुविधा हो। यह रूट डायवर्जन व्यवस्था अयोध्या में प्रस्तावित कार्यक्रम के पूर्ण होने तक प्रभावी रहेगी।

यह हैं डार्यवर्जन प्वाइंट

कानपुर से लखनऊ व अयोध्या होते हुए गोरखपुर पूर्वांचल जाने वाले सभी भारी वाहनों का लखनऊ की ओर जाने पर प्रतिबंध रहेगा। सभी भारी वाहन पुरवा तिराहा मोड़ से पुरवा-मौरावां-मोहनलालगंज होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गंतव्य की ओर जांएगे। गदनखेड़ा ओवर ब्रिज के नीचे से होते हुए बीघापुर, बिहार, सेमरी, गुरुबक्सगंज, बछरावां, शिवगढ़, हैदरगढ़ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गंतव्य की ओर जाएंगे।

आज का मौसम

रात दिन के तापमान में आगे आने वाले दिनों में उतार चढ़ाव की संभावना है।

26.0°	12.0°
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 35	सूर्यास्त 05 : 16

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS •MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

सिटी ब्रीफ

विधायक ने सीएम ग्रिड के कार्यों को देखा

कानपुर। बगिया क्रॉसिंग से केसा चौराहे तक सीएम ग्रिड के अंतर्गत बनने वाले मार्ग का कार्य प्रगति पर है। सोमवार को क्षेत्रीय विधायक नीलिमा कटियार ने नगर निगम और जलनिगम के अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से देरी होने का कारण पूछा और काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। विधायक ने बताया कि मार्ग के पूर्ण होने की निर्धारित अंतिम तिथि जून 2026 है।

मिर्जापुर नई बस्ती में भर रहा सीवर का पानी

कानपुर। कल्याणपुर क्षेत्र के मिर्जापुर स्थित जंगलेश्वर महादेव मंदिर के निकट नाली में ओवरफ्लो हो गया। इसकी वजह से मार्ग पर पानी आने की समस्या आ गई। क्षेत्रीय लोगों का यहां निकलना तक दूभर है। विधायक नीलिमा कटियार के साथ सोमवार को मौके पर नगर निगम के अधिकारी पहुंचे और समस्या का समाधान का आश्वासन दिया।

बाइक सवार महिला को ट्रैक्टर ने कुचला

कानपुर। महाराजपुर थानाक्षेत्र में भतीजे के साथ बाइक से जा रही महिला को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। हैलट में उनकी मौत हो गई। महाराजपुर के हाथीपुर गांव में रहने वाले फरीद खान की 39 वर्षीय पत्नी इमराना रविवार दोपहर अपने भतीजे निहाल के साथ बाइक से किसी काम से नर्वल टौंस जा रही थी। तभी फुफुवार थोक के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। भागने के प्रयास में ट्रैक्टर चालक ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में भतीजा निहाल बाल-बाल बच गया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर इमराना को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया जहां देर रात उनकी मौत हो गई। महाराजपुर थाना प्रभारी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश की जा रही है।

विकास प्राधिकरण ने जीआईए बेस्ड मास्टर प्लान-2031 बनाने के लिए कंपनी के चयन की प्रक्रिया की शुरू

केडीए में शामिल नए 80 गांवों का बनाया जाएगा डिजिटल मानचित्र

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर विकास प्राधिकरण की सीमा में शामिल नए 80 गांव में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) बेस्ड मास्टर प्लान-2031 बनेगा। केडीए ने इसके लिए सलाहकार की नियुक्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। कानपुर नगर और देहात के शामिल इन गांव का डिजिटल मानचित्र विकसित होगा। इसके बाद आवास से जुड़े विभागों के लिए जरूरी मानचित्र और क्षेत्रवार डेटाबेस देखना आसान हो जायेगा। केडीए शहरी नियोजन से जुड़े विशेषज्ञों ने बताया कि जीआईएस बेस्ड मास्टरप्लान बन जाने से इन गांव में विकास की रणनीति बनाना आसान होगा, नई योजना लाई जा सकेगी इसके साथ चुनौतियों को दूर करने में मदद मिलेगी।

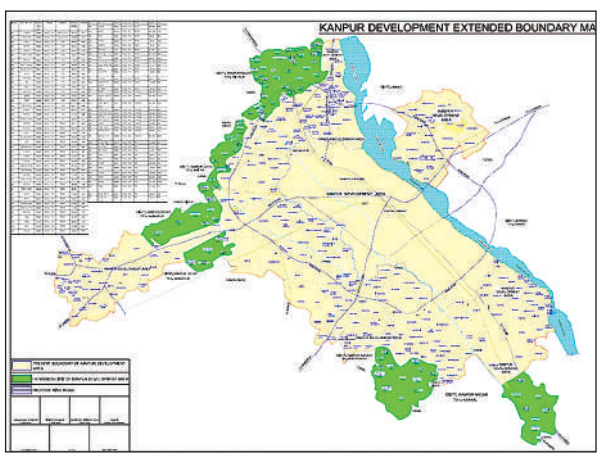

कानपुर के लिए वर्ष 2031 के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसमें 2021 तक विकास क्षेत्र सीमा के अंदर अधिसूचित क्षेत्र शामिल हैं। केडीए के अनुसार इस मास्टर प्लान-2031 को भाग-ए कहा जाएगा। क्योंकि, केडीए के क्षेत्र का विस्तार आवश्यक समझा गया इसको लेकर शहर के अधिकारियों ने सीमा विस्तार के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई है।

इसके तहत 80 नए गांव हरदौली, टीकर मघई, अमौर, कुन्दौली, लक्ष्मनखेड़ा, समरा, उमरी, गोईनी, किसरवल, धन्जुवा, सिंहपुर दिवनी, प्रतापुर, टोडपुर, रतनपुर, खरगपुर बिठूर आदि केडीए की सीमा में जोड़े गए हैं। अब इन गांव में भी जीआईएस बेस्ड मास्टर प्लान-2031 तैयार किया जाएगा, अधिकारियों के अनुसार इसे भाग-बी कहा जायेगा। मास्टर प्लान के विस्तारित क्षेत्र में 80 राजस्व गांव शामिल हैं, जो कानपुर सदर, नरवल, बिल्हौर, अकबरपुर और मैथा तहसीलों में है। यह क्षेत्र लगभग 202.55 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है।

मास्टर प्लान 2031 का मैप। अमृत विचार

> केडीए ने सलाहकार के चयन के लिए टेंडर निकाले हैं। केडीए की सीमा में शामिल 80 गांव का जीआईए बेस्ट मास्टर प्लान-2031 बनने से इन क्षेत्रों में विकास की राह आसान होगी।
> – मदन सिंह गर्ब्याल, केडीए उपाध्यक्ष

202 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ क्षेत्र है

2031 के लिए जीआईएस आधारित मास्टर प्लान

29 नवंबर को शाम 3 बजे प्री-बिड मीटिंग

18 दिसंबर तक ऑनलाइन निविदा होगी

- कानपुर नगर, कानपुर देहात के गांव व अन्य क्षेत्रों में सर्वे करने के लिए मांगे गए टेंडर
- क्षेत्रवार डेटाबेस तैयार करने की योजना, शहरी नियोजन के साथ नए प्रोजेक्ट बनाने में होगी आसानी

रिक्वेस्ट ऑनलाइन फॉर प्रोपोजल मांगा

- केडीए ने सलाहकार के चयन के लिए रिक्वेस्ट ऑनलाइन फॉर प्रोपोजल (आरएफपी) मांगा है। 29 नवंबर को शाम 3 बजे प्री-बिड मीटिंग होगी। जिसमें कंपनियों की समस्या को सुलझाया जाएगा। 18 दिसंबर तक ई-निविदा को डालना होगा। इसके बाद चयनित कंपनी को 52 सप्ताह में यह कार्य करना होगा। चयनित सलाहकार निर्धारित डिज़ाइन और मानकों के अनुसार डाटा एकत्रित करेगा। ड्राफ्ट बेस मैप्स की जाँच की जाएगी और फिर अंतिम बेस मैप तैयार किए जाएँगे जिनका उपयोग योजना निर्माण में इनपुट के रूप में किया जाएगा।

नगर निगम की सीमा में आते हैं 85 गांव

- कानपुर नगर निगम की चौहद्दी में 85 गांव आते हैं। सीमा क्षेत्र से बाहर और कानपुर नगर महापालिका की चौहद्दी से 8 किमी. के भीतर 179 गांव हैं। वहीं, दिसंबर 1983 द्वारा अधिसूचित अतिरिक्त 48 गांव हैं। इसी तरह उन्नाव के 29, कानपुर देहात के 37 गांव है जिसमें ग्राम रनिया व रिंद नदी के मध्य और कानपुर कालपी रोड के दोनों ओर 500 मीटर की दूरी में आने वाले 8 गांव हैं।

बैंक में छानबीन करते अधिकारी। अमृत विचार

बैंक में आयकर का सर्वे खातों में मिली गड़बड़ियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पीरोड स्थित यूनाइटेड मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक का मामला

अमृत विचार। पीरोड स्थित यूनाइटेड मर्केंटाइल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की शाखा में सोमवार को आयकर विभाग की इंटेलिजेंस विंग ने छह घंटे तक सघन सर्वे कर बड़े पैमाने पर टैक्स हेराफेरी का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि बैंक ने करदाताओं की स्टेटमेंट ऑफ फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन (एसएफटी) की जानकारी विभाग को उपलब्ध नहीं कराईं और कई बड़ी फर्मों को लाभ पहुंचाने के लिए उनके खातों में फार्म-60 लगा दिया गया, जिससे करोड़ों के लेनदेन को कृषि आय बताकर टैक्स से बचाया जा रहा था। टीम को बड़ी संख्या मे ऐसे खाते मिले जिनमें पैन नंबर मौजूद नहीं था या लगाई गई जानकारी गलत निकली। कई खातों का रिकॉर्ड तक नहीं मिला, जबकि बड़ी रकम के लेनदेन की सूचना बार-बार नोटिस भेजने के बाद भी विभाग को नहीं दी गई थी। आयकर निदेशक आरके गुप्ता के निर्देश पर सहायक निदेशक विमलेश राय और अविनाश सोनवानी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में सैकड़ों दस्तावेज जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच के बाद बड़े स्तर पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।

अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण करते नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय। अमृत विचार

10 तक ब्रह्मनगर चौराहा होगा ठीक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने मुख्य अभियंता सिविल के साथ किया निरीक्षण

अमृत विचार। ब्रह्मनगर चौराहे पर धंसे डॉट नाले का काम पूरा होने में अभी 15 दिन का और समय लगेगा। सोमवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने निरीक्षण किया तो अधिकारियों ने बताया कि यहां ह्यूम पाइप, सीवर गलीपिट का कार्य होना बाकी है। जिसे 10 दिसंबर तक पूरा कर लिया जायेगा। नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता सिविल एसएफए जैदी से कहा कि हर हाल में समयबद्ध कार्य पूरा करने के बाद चौराहे का सीएमवीएनवाई योजना के तहत सुंदरीकरण किया जाये।

5 माह से धंसे ब्रह्मनगर चौराहा के कारण क्षेत्र की ट्रैफिक व्यवस्था समस्या बनी है। सोमवार को नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता को 15 दिन में काम समाप्त कर रास्ता मोटरेबल किए जाने के आदेश दिए। इसके अलावा रामबाग और पीरोड में भी धंसे डाट नाला को जल्द ठीक करके सड़क का दुरुस्त करने के निर्देश दिए। अभियंता ने बताया कि वर्तमान में 25 मीटर लंबाई में 600 एमएम का ह्यूम पाइप, एक सीवर गली पीट, तथा 7 मीटर में 450 एमएम का ह्यूप पाइप का कार्य शेष है, जिसे दिनांक 10 दिसंबर 2025 तक पूर्ण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बताया गया कि ओएफसी केबल तथा विद्युत विभाग द्वारा केबल डालने के कारण संबंधित डॉट नाला क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके परिणाम स्वरूप ब्रह्म नगर चौराहे पर धंसान उत्पन्न हुई और आवागमन बाधित हुआ। समस्या के निवारण के लिए अब तक 6 मीटर का आरसीसी चेंबर, 18 मीटर लंबाई में एमएस पाइप तथा 7.5 मीटर लंबाई में आरसीसी ह्यूम पाइप का निर्माण कर लिया गया है।

नहीं हुई पानी की आपूर्ति, 15 हजार लोग प्रभावित

कानपुर। छपेड़ा पुलिया के पास केस्को की कंपनी केईआई ने जलकल की पाइप लाइन तोड़ दी। इससे सोमवार शाम को पानी की आपूर्ति ठप हो गई। करीब 15 हजार लोगों को पानी की समस्या के लिए जूझना पड़ा। पाइप लाइन टूटने की सूचना पर जलकल और केईआई कंपनी ने मिलकर मरम्मत कार्य शुरू की है। जलकल के अनुसार मंगलवार सुबह पानी की आपूर्ति सुचारू हो जाएगी।

छपेड़ा पुलिया काकादेव के पास केईआई कंपनी बिजली का कार्य कर रही है। यहां रविवार देर रात कार्य के दौरान जलकल की पेयजल लाइन टूट गई थी। इससे सुबह तो लो प्रेशर से किसी तरह पानी की सप्लाई हुई, लेकिन शाम होते-होते समस्या बढ़ गई। जलकल को सूचना मिली तो पानी की लाइन में सप्लाई बंद कर देर शाम मरम्मत का कार्य शुरू किया गया। जलकल के अधिशांषी अभियंता सुशील मौर्य ने बताया कि पाइपलाइन की मरम्मत देर रात तक कर ली जाएगी। मंगलवार सुबह पानी की सप्लाई सुचारू कर दी जाएगी।

अयोध्या ध्वजारोहण समारोह में गए रामभक्त, जयश्री राम की रही गूंज

शुभ घड़ी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पांच बसों से अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए
- सभी जाति-वर्ग के 181 रामभक्त शामिल हुए

अमृत विचार। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने सोमवार को रामभक्तों को रवाना किया गया। श्रद्धालुओं का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया तथा उन्हें विशेष रूप से पांच बसों से अयोध्या धाम के लिए रवाना किया गया।

इस यात्रा में कुल 181 रामभक्त शामिल हुए, जिनमें समाज की सभी जाति-बिरादरी के लोग शामिल हैं। कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्धजनों ने श्रीराम मंदिर में होने वाले ध्वजारोहण के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

बताया कि कार्यक्रम प्रभु श्रीराम की गौरवगाथा, आस्था, भक्ति एवं राष्ट्र के सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक है। मुख्य पुजारियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्री रामलला के मंदिर में ध्वज पूजन एवं आरोहण संपन्न होगा, जिसके उपरांत देशभर से आए श्रद्धालु भक्ति गीतों और जयघोषों के साथ समारोह में सहभागी बनेंगे। कानपुर पूर्व से राजीव महाना, आनंद, मुकेश, कानपुर दक्षिण से गौरांग, प्रेम अरोड़ा, साहबलाल, राधेश्याम, कानपुर उत्तर से डॉ. श्यामबाबू गुप्ता, सुशील गुप्ता , युवराज, शंभू और कानपुर पश्चिम से प्रमोद, केशव समेत अन्य लोग रवाना हुए।

तिलक लगाकर रामभक्तों को किया गया रवाना। अमृत विचार

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

समस्या | कूड़ा न उठने से उद्यमियों में नाराजगी, आग लगने का भी डर

कूड़े का नहीं होता उठान, यही है दादानगर की पहचान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के औद्योगिक इलाकों में जगह-जगह कूड़े के अंबार लगे हुए हैं। हालात यह है कि कूड़े की उठान रोजाना न होने से उद्यमियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दुर्गंध के साथ ही उद्यमियों को क्षेत्र में बीमारी फैलने का भी डर सताता है। इस पर यह भी डर है कि यदि कभी कूड़े में शरारती तत्वों ने आग लगा दी तो उसके पास औद्योगिक इकाइयों में रखा करोड़ों का स्टॉक कभी भी स्वाहा हो सकता है। उद्यमी तो अब औद्योगिक क्षेत्र में कूड़े के ढेर को यहां की पहचान मानने लगे हैं।

शहर के औद्योगिक क्षेत्र में सबसे अधिक समस्या पनकी, इस्पात नगर, दादा नगर व फजलगंज में हैं। उद्यमियों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्रों की कूड़े की समस्या को लेकर कई बार अधिकारियों को बैठकों के दौरान बताया गया जा चुका है। समस्या बताने के बाद कुछ दिन तक तो कूड़ा की उठान नियमित होती है इसके बाद फिर समस्या सामने आने लगती है। क्षेत्र में कूड़े की समस्या से कई तरह की समस्याएं भी सामने आती है। इनमें व्यापारिक समस्याएं भी हैं। बाहर से आने वाले खरीदार जब औद्योगिक क्षेत्र आते हैं तो उन पर गंदगी का असर बहुत बुरा पड़ता है। बरसात के समय स्थिति और भी खराब होती है। कूड़े से औद्योगिक क्षेत्र में यातायात भी जानवरों की वजह से कभी-कभी प्रभावित होता है। ऐसे में दुर्घटना का भी डर रहता है। उद्यमियों ने औद्योगिक क्षेत्र में नियमित कूड़ा उठाए जाने की मांग की है।

दादानगर में नाली किनारे जमा कूड़ा। अमृत विचार

सड़क किनारे भी जमा है कूड़ा। अमृत विचार

> औद्योगिक क्षेत्रों में कूड़े की वजह से उद्यमियों व कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर ही असर पड़ता है। हम लोगों को कूड़े के बीच से ही होकर गुजरना पड़ता है। कर्मचारियों की स्थिति तो और भी खतरनाक हो जाती है। ऐसे मे औद्योगिक क्षेत्रों में कूड़े की वजह से बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कूड़ा उठान से इस समस्या को दूर किया जा सकता है।
> – गिरीष गुप्ता, उद्यमी

> औद्योगिक क्षेत्रों में कूड़े की वजह से औद्योगिक क्षेत्रों में आग लगने का भी डर हम लोगों को बना रहता है। यही वजह है कि कई बार उद्यमी अपने स्तर से भी युनिट्स के बाहर जमा कूड़े के अंबार को हटवाते हैं। जगह-जगह कूड़े का ढ़ेर है। यदि कोई शरारती तत्व उस कूड़े में आग लगा दे तो युनिट्स को काफी नुकसान हो सकता है।
> – विशाल अग्रवाल, उद्यमी

> औद्योगिक क्षेत्र से निकलने वाले कूड़े की नियमित तौर पर उठान जरूरी है। क्षेत्र में कई जगह पर कूड़े का अंबार जमा रहता है। इससे कई तरह की समस्याएं उद्यमियों को उठानी पड़ती है। इनमें सामाजिक और व्यापारिक समस्याएं दोनों ही है। इस समस्या के लिए कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई बावजूद इसके कुछ दिन बाद समस्या फिर से उठ खड़ी होती है।
> – उमंग अग्रवाल, महासचिव फीटा

> कूड़े की वजह से औद्योगिक यूनिट्स में दुर्गंध आती है। जब अधिकारियों को शिकायत की जाती है तो कूड़ा उठ जाता है इसके कुछ दिन बाद से दोबारा पुरानी स्थिति खड़ी हो जाती है। यदि औद्योगिक क्षेत्र से रोजाना कूड़े की उठान हो तो समस्या का समाधान ही हो जाए। अब तो कई स्थानों पर अस्थाई कूड़ा घर जैसी स्थिति हो गई है।
> – रजत गुप्ता, उद्यमी

योजनाओं में बैकों की लापरवाही, फटकार

समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सरकारी योजनाओं की प्रगति की मुख्य विकास अधिकारी ने की समीक्षा बैठक

अमृत विचार। केंद्रीय एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं में बैंकों के खराब प्रदर्शन से नाराज मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने अफसरों को फटकार लगाई।

सोमवार को विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने समीक्षा बैठक की जिसमें सबसे पहले सीएम युवा योजना पर चर्चा हुई। इस योजना में सभी बैंकों की अत्यंत धीमी गति की प्रगति पर रोष व्यक्त किया गया। निजी क्षेत्र के बैंकों के द्वार योजनाओं में दिखाई जा रही कम रुचि और कमजोर प्रदर्शन पर चिंता जताई गई। जिला उद्योग केंद्र द्वारा चलाए जा रहे एक माह के सीएम युवा विशेष अभियान के शेष बचे हुए आखिरी सप्ताह में प्रत्येक शाखा कम से कम एक आवेदन स्वीकृत एवं वितरित करने के निर्देश दिये। पीएम सूर्य योजना योजना को प्रोत्साहित करने के लिए अधिक से अधिक ऋण देने के निर्देश दिये गये।

पीएमएफएमई योजना में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा के सर्वाधिक मामलों की लंबवत्ता रही, जबकि कई निजी बैंकों की प्रगति नगण्य रही। इस पर सीडीओ ने नाराजगी जताते हुए कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए। बैठक में अंजनीश प्रताप सिंह (जीएम डीआईसी), आदित्य चंद्र (लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर), उमेश उत्तम (जिला उद्यान अधिकारी), राहुल यादव (डीडीएम नाबार्ड), राकेश पांडे (पीडी यूपीनेडा), सृष्टिका तिवारी (सहायक अग्रणी जिला प्रबंधक) तथा बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

सिटी ब्रीफ

जाजमऊ में टेनरी में आग, मजदूरों को बचाया

कानपुर। जाजमऊ में शार्ट सर्किट से एक टेनरी में भीषण आग लग गई जिससे अफरातफरी मच गयी। टेनरी में काम कर रहे आधा दर्जन से अधिक मजूदरों को बचा लिया गया हालांकि टेनरी में रखा लाखों का माल जलकर राख हो गया। सोमवार को दोपहर में अलीग इंटरनेशनल टेनरी में आग लगी। टेनरी के मालिक शोएब हैं, सोमवार की शाम को करीब 4 बजे टेनरी के तीसरी मंजिल पर हैंड बूथ स्प्रे में अचानक आग लगी। इस दौरान कमरों में काला धुआं भरने से मजदूरों को सांस लेने में दिक्कत हुई जिन्हें टेनरी से लोगों ने बाहर निकाल लिया। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

खाने के विवाद के बाद पत्नी ने की आत्महत्या

कानपुर। नौबस्ता में खाना बनाने को लेकर पत्नी का पति से विवाद हो गया। जिसके बाद पत्नी ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। नौबस्ता के सिमरा गांव निवासी अविनाश पाल ऑटो पार्ट्स की दुकान में काम करते हैं। परिवार में 24 वर्षीय पत्नी सोनी, दो बच्चे अश्वनी और सात माह का बउआ है। परिजनों ने बताया कि रविवार को सोनी का अपने पति अविनाश से खाना बनाने को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद पति सब्जी लेने बाजार चला गया। इस बीच सोनी ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। जब पति सब्जी लेकर घर लौटा तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि पति से विवाद के बाद पत्नी ने आत्महत्या की है।

युवक ने फंदे से लटककर दी जान

कानपुर। सचेंडी में युवक ने फंदे से लटक कर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस ने जांच पड़ताल की। सचेंडी के रामनारायण पुरवा निवासी ओम प्रकाश ट्रक ड्राइवर हैं। उनके परिवार में पत्नी, चार बेटे और एक शादीशुदा बेटी है। परिजनों ने बताया कि 20 वर्षीय बेटा विशाल ट्रक में क्लीनर का काम करता था। रविवार रात को वह घर लौटा और अपने कमरे में सोने चला गया। सोमवार सुबह परिजन उठे तो उसका सब फंदे से लटकता हुआ मिला। थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक जांच के बाद आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

पानी के धोखे में थिनर पीने से युवक की मौत

कानपुर। बजरिया में पानी के धोखे में थिनर पीने से युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। सीसामऊ निवासी 42 वर्षीय दिनेश कुमार कुशवाहा बनियान बनाने के कारखाने में काम करते थे। परिवार में पत्नी रचना व दो बच्चे आदर्श और मान्या हैं। बेटे आदर्श ने बताया कि बीते 14 नवंबर को पिता कारखाने में काम कर रहे थे। इस दौरान प्यास लगने पर उन्होंने पानी के धोखे में थिनर पी लिया। हालत बिगड़ने पर उन्हें हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां रविवार देर रात उनकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या की

कानपुर। बर्रा विश्वबैंक निवासी 56 वर्षीय लोडर चालक छक्की लाल ने बीमारी से परेशान होकर रविवार देर रात पनकी में ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। उनके परिवार में पत्नी शांति और दो बेटे अश्वनी और नीरज है। परिजनों ने बताया कि वह सांस की बीमारी से ग्रसित थे। जिसका इलाज चल रहा था। काफी इलाज के बाद भी बीमारी ठीक नहीं होने के कारण वह मानसिक तनाव में रहते थे। रविवार रात आठ बजे घर लौटने के बाद उन्होंने पौत्र अंश व सोम के साथ खेला। जिसके बाद वह घर में कुछ बताए बिना ही निकल गए। देर रात तक उनके घर नहीं लौटने पर तलाश शुरू की। सोमवार सुबह पनकी पुलिस ने कपली गांव के पास रेलवे ट्रैक किनारे उनका शव मिला।

आज भेजेंगे ज्ञापन

कानपुर। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल व भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से पीएम को मांग पत्र मंगलवार को भेजा जाएगा। मांग के दौरान दलहन उत्पादन में देश को आत्मनिर्भर बनाने, दलहन में आयात नीति के संबंध में, प्रमुख आयतित दलहन मे आयात शुल्क लगाने की मांग की जाएगी। इस मांग को लेकर नौबस्ता गल्ला मंडी में मंडी के व्यापारी, आढ़ती व दाल मिलर्स एकत्रित होकर पीएम को ज्ञापन भेजेंगे।

सीसामऊ से सपा विधायक नसीम सोलंकी के कार्यकाल का एक साल पूरा हुआ

अब सीसामऊ सीट नहीं छोड़ूंगी सब अपने हैं: नसीम सोलंकी

साक्षात्कार
नसीम सोलंकी

नसीम सोलंकी। अमृत विचार

कानपुर। सीसामऊ से सपा विधायक नसीम सोलंकी के कार्यकाल का आज एक साल पूरा हो गया। यहां से पहले उनके शौहर इरफान सोलंकी सपा के विधायक थे। एक मुकदमे के बाद उनकी विधायकी जाने से उपचुनाव कराया गया तो नसीम सोलंकी सपा के टिकट पर विधायक चुनी गईं। सरल, सौम्य नेचर की नसीम सोलंकी सबसे मिलती-जुलती हैं। क्षेत्र की जनता के बीच भी रहीं। उनकी जी-तोड़ पैरवी के चलते इरफान सोलंकी जमानत पर रिहा हो गए और अब वह शौहर के साथ राजनीति के पथ पर काम कर रही हैं। क्षेत्र में समस्याओं की बाढ़ है जिनसे वह जूझ रही हैं। विधायक नसीम सोलंकी ने **अमृत विचार के विशेष संवाददाता शैलेश अवस्थी** से तफसील से बात की। पेश हैं बातचीत के खास अंश

■ **आपके लिए राजनीति का मैदान नया है। क्या दिक्कतें आती हैं और इससे कैसे पार पाती हैं।**

हां, अथक संघर्ष तो जरूर है, लेकिन वक्त और हालात सब सिखा देते हैं। अल्लाह ने हौसला दिया, परिवार, पार्टी, क्षेत्र की जनता साथ रही और सब होता गया। हमारे ससुर और शौहर तो राजनीति में थे ही, तो उन्हें देख कर ही बहुत कुछ सीख लिया था। अब भी सीख ही तो रहे हैं। इंशाअल्लाह अब सब बेहतर ही होगा।

■ **क्या आगे भी इसी सीसामऊ सीट से चुनाव लड़ेंगी या फिर राजनीति छोड़ कर घर-गृहस्थी संभालेंगी।**

हमारी पार्टी और मुखिया अखिलेश यादव जी का आशीर्वाद रहा तो अब मैं सीसामऊ सीट से ही चुनाव लड़ूंगी और जनता की सेवा कर उसका कर्ज उतारने की आजीवन कोशिश करती रहूंगी। हां, शौहर विचार करें कि उन्हें कहां से किस्मत आज़मानी है। वैसे, उनके मार्गदर्शन मंढ ही काम कर रहे हैं। वह खूब सहयोग करते हैं। राजनीति और गृहस्थी के बीच पहले भी तालमेल बेहतर था, अब भी है और आगे भी रहेगा।

■ **सीसामऊ क्षेत्र की क्या प्रमुख समस्याएं हैं और आपने अभी तक इस बाबत क्या किया और आगे क्या योजना है ?**

नाले पर बनी बस्ती उजाड़ दी गई थी और अब उजड़े लोगों को बसाना हमारी प्राथमिकता है। यह मुद्दा विधानसभा में उठाया था, आश्वासन मिला है और जल्द ही पीएम आवास योजना के तहत उन्हें बसाया जाएगा। सौ की लिस्ट भी बन गई है। विधायक निधि से कई लोगों को इलाज के लिए 25 लाख दिए और मुख्यमंत्री राहत कोष से भी तीन करोड़ ज़ारी करवाये। सीवर, नाली और जलभराव की समस्या से निजात के लिए योजना बनाई है।

■ **आप की पार्टी की सरकार तो है नहीं, तो जनता के काम करवाने में दिक्कत होती होगी ?**

यह सही है, लेकिन हम अपनी बात सदन, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने रखते हैं। समस्याएं बताते हैं और गुहार लगाते हैं। हमें बहुत खुशी है कि हमारी बात किसी हद तक मानी भी जाती है और समाधान निकलता है। अभी तो खूब सहयोग मिल रहा है।

■ **सीसामऊ क्षेत्र की जनता से आप क्या कहना चाहेंगी।**

सीसामऊ की जनता ने हमें जिस तरह आशीर्वाद और प्यार दिया है, उसके लिए हम और हमारा परिवार ऋणी है। हम बहुत आभारी हैं, जो इतनी कठिन परिस्थितियों में हमें जिता कर हमारा सम्मान कायम रखा। वादा करते हैं कि दुःख-सुख में साथ खड़े होंगे। हम हर जाति, वर्ग और धर्म से उठकर सेवा करते हैं और करते रहेंगे। मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिंदी है हम वतन हैं, हिंदुस्तां हमारा।

हम तो परदेसी, किसी और सीट से लड़ लेंगे: इरफान

इरफान सोलंकी।

कानपुर। पूर्व विधायक इरफान सोलंकी ने स्पष्ट कर दिया कि सीसामऊ क्षेत्र से अब बेगम नसीम ही उम्मीदवार होंगी। मैं कोई और सीट देख लूंगा। बेगम नसीम की विधायकी के एक साल पूरा होने पर इरफान ने उनका मुंह मीठा करवाया और कहा कि सीसामऊ सीट से तो अब नसीम सोलंकी ही लड़ेंगी। मैं तो अब वहां के लिए परदेसी हूं, लेकिन सिर्फ राजनीति के लिए। जनता की सेवा के लिए हर वक्त हाजिर हूं। अभी न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। अगर सब ठीक रहा और सुप्रीम कोर्ट ने इजाजत दी तो फिर किसी और सीट से किस्मत आज़माएंगे। भावुक इरफान ने रुंधे गले से कहा कि बेगम नसीम ने मेरे लिए बहुत संघर्ष किया। वह बहुत खुशी से जनता की सेवा कर रही हैं...अल्लाह का शुक्र है।

मदरसा में डिग्री वितरण समारोह को संबोधित करते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान। अमृत विचार

आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर राष्ट्र के निर्माण में जुटें मदरसों के छात्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने डिग्री वितरण समारोह को किया संबोधित**
- **शहरकाजी ने कहा, इस्लाम का पहला संदेश, तालीम हासिल करें**

अमृत विचार। नारामऊ स्थित मदरसा निजामिया बरकातिया मुश्ताकुल उलूम में आयोजित डिग्री वितरण समारोह में उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आधुनिक शिक्षा ग्रहण करके राष्ट्र निर्माण में जुट जाएं। मदरसा के 19 बच्चों को प्रमाण पत्र एवं ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।

सोमवार को मदरसा निजामिया बरकातिया मुश्ताकुल उलूम में शहरकाजी मौलाना मुश्ताक मुशाहिदी एवं ऑल इंडिया सुन्नी उलेमा काउंसिल के महामंत्री हाजी मोहम्मद सलीस की सरपरस्ती में समारोह आयोजित हुआ जिसकी अध्यक्षता मदरसा के प्रधानाचार्य मौलाना मकबूल आलम निजामी ने बानी की। मुख्य अतिथि मंत्री राकेश सचान का स्वागत मस्जिद नारामऊ के अध्यक्ष हाजी इकबाल हुसैन ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि जो कौम उन्नत एवं सम्मान का जीवन जीना चाहती है उसे आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर राष्ट्र एवं समाज निर्माण में अपना योगदान देना होगा। शिक्षा के बगैर समाज तरक्की नहीं कर सकता। शहरकाजी मौलाना मुश्ताक मुशाहिदी ने कहा कि इस्लाम का पहला संदेश तालीम हासिल करो। हाजी मोहम्मद सलीस ने कहा कि मदरसे मनुष्य को ईश्वर का वह पाठ सिखाते हैं जिससे वह एकांत में भी पाप के मार्ग पर नहीं जाता। आज हमें आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ सत्य की शिक्षा की भी प्राप्ति करनी होगी। अंत में बच्चों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, कौमी तराना पेश किया एवं भाईचारे पर विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये। हाजी इकबाल हुसैन, अनीस आलम एडवोकेट, नफीस आलम, शंभू नाथ, जगदीश सोनकर, मुख्तार आलम, लालौनी पंडित, मोहम्मद नईम, जयशंकर रावत, विमलेश दुबे, मोहम्मद हबीब आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने बैठक कर मांगें उठाईं। अमृत विचार

व्यापारियों को भी दिया जाए सरकारी कर्मियों की तरह स्वास्थ्य बीमा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल कानपुर इकाई ने उठाई मांग**

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल कानपुर इकाई की सोमवार को बैठक हुई। बैठक में व्यापारियों की ओर से कई प्रमुख मांग उठाई गई। जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों को सरकारी कर्मचारियों की तरह स्वास्थ्य सुविधा दिए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

बैठक के दौरान प्रदेश प्रभारी कपिल सभरवाल ने कहा कि व्यापारी टैक्स के रूप में सरकार को विभिन्न योजनाएं पूरा करने की व्यवस्था देता है। बावजूद इसके व्यापारियों को स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा पर भी खुद पर ही निर्भर होना पड़ता है। बैठक में यह तय किया गया कि एक देश एक चुनाव एक देश एक टैक्स की तरह ही भारत में सभी पंजीकृत व्यापारियों के विभिन्न विभागों के लाइसेंस समाप्त कर केवल एक दुकान एक लाइसेंस बनाने की नीति को लागू किया जाए। इसके अलावा सभी जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों का स्वास्थ्य बीमा सरकारी कर्मचारियों की तरह किया जाना चाहिए।

जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों की दुकान फैक्ट्री जलने पर उनकी वार्षिक बिक्री के रिटर्न के अनुसार दुगना मुआवजा बीमा योजना सरकार द्वारा लागू की जाए। प्रदेश सरकार द्वारा दिया जा रहे मार्ग दुर्घटना बीमा को 10 लाख से बढ़कर 25 लाख किए जाने की भी मांग उठाई गई।

पंजीकृत व्यापारियों एवं सीनियर सिटीजन को रेल यात्रा में 25 फीसदी की छूट प्रदान करने की भी मांग की गई। पंजीकृत व्यापारियों का भी एमएलसी होना चाहिए। वीवीआईपी आगमन पर व्यापारी प्रतिनिधियों को जिला प्रशासन द्वारा आमंत्रित किए जाने की मांग उठाई गई। बैठक में सौरभ गुप्ता, रणजीत सिंह बिल्लू, रणजीत सिंह बब्बू, डॉ दीपक, अंकुर गुप्ता, उज्जवल अग्रवाल, गौरव भीमसरिया, प्रितपाल सिंह, राजीव मेहता, सुशांत अरोड़ा, अवनीत सिंह, मोहित सेठ, सिमरप्रीत सिंह, जगजीत सिंह चावला व हरमीत गुलाटी मौजूद रहे।

महिला से पड़ोसी ने अश्लील हरकत की, रिपोर्ट दर्ज

कानपुर। हनुमंत विहार में दरवाजे पर खड़े होकर पति का इंतजार कर रही महिला से पड़ोसी ने अश्लील हरकत की। आरोप है कि विरोध करने पर मारपीट की। पीड़िता ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मूलरूप से घाटमपुर की रहने वाली महिला पति के साथ हनुमंत विहार में किराए पर कमरा लेकर रहती है। महिला के मुताबिक पड़ोस में रहने वाला आरोपित नीरज सविता उस गलत नीयत रखा है। घर से बाहर उसे देख अश्लील हरकत करता था। शनिवार शाम को वह दरवाजे पर खड़े होकर पति के घर आने का इंतजार कर रही थी। अकेला खड़ा देख आरोपित उसके पास पहुंचा और अश्लील बातें करते हुए हाथ पकड़ने का प्रयास किया। विरोध किया तो आरोपित ने मारपीट कर दी। शोर मचाने पर आसपास के लोग घरों से निकले तो आरोपित मौके से भाग निकला।

पति के घर लौटने के बाद उन्हें घटना की जानकारी दी। इसके बाद वह शिकायत लेकर थाने पहुंची। हनुमंत विहार थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपित की तलाश की जा रही है।

आराध्या का जन्म दिन मनाया गया। अमृत विचार

जन्मदिन पर उत्सव का आयोजन

कानपुर। राष्ट्रीय समाचार पत्र वितरक सेवा समिति के स्टार प्रचारक एवं संयोजक अश्विनी कुमार पाण्डेय की पुत्री आराध्या पाण्डेय का 13 वें जन्मदिन पर उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय लखनऊ, प्रदेश अध्यक्ष सतीश प्रसाद वाराणसी, प्रदेश महामंत्री ज्ञानू तिवारी, प्रभारी डीडी अग्रहरी गोरखपुर और कानपुर से अनिल बाजपेई, शिवकुमार बाजपेई,अमर यादव अभिषेक बाजपेई, नीरज त्रिपाठी आदि लोगों ने अपना आशीर्वाद दिया।

संघ प्रमुख का अयोध्या में सम्मान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

संघ प्रमुख के साथ सरदार गुरजिंदर सिंह व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार। अयोध्या के गुरुद्वारा ब्रह्मकुण्ड साहब में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत व रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय ने माथा टेक कर गुरुबानी कीर्तन व अरदास में शिरकत की। उन्होंने गुरु तेग बहादुर साहिब जी, भाई मतिदास जी, भाई सतीदास जी व भाई दयाला जी की शहादत को नमन किया। सुखासन सेवा सोसाइटी कानपुर के प्रधान सरदार गुरुजिंदर सिंह व गुरुद्वारा प्रमुखी सरदार गुरजीत सिंह ने शाल ओढ़ा कर मोहन भागवत और चम्पत राय का सम्मान किया। ज्ञानी गुरजीत सिंह ने शबद तिलक जंझु राखा प्रभ ताका, कीनो बड़ो कलु में साका व सभे घट राम बोले गायन किया। गुरु तेग बहादुर साहिब की शहादत पर प्रकाश डाला। चम्पत राय ने बताया कि राम जन्म भूमि को आजाद कराने पंजाब से 30 निहंग सिखों का जत्था आया था। उन्होंने पाठ व यज्ञ किया। तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत ने उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की थी। उस एफआईआर की कॉपी को न्यायलय में बतौर सबूत लगाया गया था। गुरुजिंदर सिंह ने कहा कि गुरुनानक देव जी, गुरु तेग बहादुर साहिब व गुरु गोबिंद सिंह साहिब बाल अवस्था में इस पवित्र स्थान पर आये थे। कार्यक्रम में मोहन भागवत लगभग डेढ़ घंटे उपस्थित रहे व सभी साथ आये भक्तों व संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। बोले सो निहाल सत श्री अकाल से गुरुद्वारा साहिब गूंज उठा।

बच्चों को कपड़े बांटे गए। अमृत विचार

बच्चों को दिए कपड़े

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कोपेस्टेट शिक्षा सदन, जूनियर हाई स्कूल के 332 छात्र-छात्राओं को निशुल्क स्वेटर, कैप व मोजे वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक अजय कपूर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत चेयरमैन विजय कपूर ने की। इस दौरान विद्यालय परिसर में एक-एक फलदार पौधा भी रोपित किया। समारोह में उद्यमी प्रदीप माहेश्वरी व उनकी पत्नी मंजू माहेश्वरी को विशिष्ट सहयोग के लिये अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया किया गया। कार्यक्रम में उद्यमी बलराम नरूला ने कहा कि वे चाहते हैं कि समय समय पर इस विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर, जीवन में सफल हुए छात्रों को भी बुलाया जाये, जिससे शिक्षारत छात्र उनसे प्रेरणा ले सकें।

आयोजन में कार्तिक कपूर, प्रेम राज, हरीश ईसरानी, आरपी सिंह, अरूण वाधवा, राजेन्द्र गुप्ता, रानू मिश्रा, राजकुमार वर्मा व दिनेश कुशवाहा मौजूद रहे।

कारोबार | काबुल से सीधे अमृतसर एयर कार्गो सेवा से रेट पर पड़ेगा असर

अब अफगानिस्तान के कीमती सूखे मेवे हो जाएंगे सस्ते

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अफगानिस्तानी सूखे मेवों को खरीदाना अब जेब पर महंगा नहीं पड़ेगा। जल्द ही अफगानिस्तान और भारत के बीच सीधे एयर कार्गो सेवा शुरू होने जा रही है। इस हवाई सेवा से अफगानिस्तान से आने वाले मेवों से समूद्री भाड़ा और टैक्स में कमी संभव होगी। ऐसे में शहर के मेवा कारोबारियों का कहना है कि मेवों के दामों में कमी भी दर्ज होगी। दोनो देशों के बीच शुरू होने वाली नई सुविधा के चलते आम लोगों को भी सूखे मेवों का स्वाद कम कीमत में हासिल हो सकेगा।

शहर में अफगानिस्तान से आने वाले मेवों की सबसे अधिक मांग है। कारोबारियों की माने तो बाजार में मिलने वाले मेवों में 50 से 60 फीसदी कब्जा अफगानिस्तान से आने वाले मेवों का होता है। इसकी सबसे बड़ी वजह वहां के मेवों की बेहतर क्वालिटी का होना है। कारोबारी ऐसे में इस सुविधा के शुरू होने वाले फैसले को बाजार के लिए बेहतर मान रहे हैं। उनका यह भी कहना है कि सुविधा के शुरू होने के बाद से आम लोगों को भी बेहतर क्वालिटी के सूखे मेवे कम रेट में उपलब्ध हो सकेंगे।

काबुल से यदि सीधे अमृतसर के लिए एयर कार्गो सुविधा सुविधा शुरू होगी तो सबसे अधिक लाभ मेवों के रेट पर पड़ेगा। बाजार में इन मेवों की कीमत पर 10 से 12 फीसदी का असर होगा। इससे आम लोगों को मेवे कम रेट में मिल सकेंगे। फिलहाल यह मुमकिन नहीं था।

-परमजीत सिंह भाटिया

बाजार में सबसे अधिक मांग अफगानिस्तान से आने वाले मेवों की होती है। ऐसे में बाजार में यदि मेवों के दामों में कमी होती है तो सबसे बड़ी सहूलियत खरीदारों को होगी। इसके अलावा दाम के कम होने से अब और अधिक बेहतर क्वालिटी का मेवा खरीदार अफोर्ड कर सकेंगे।

-सुरेश झमतानी

अफगानिस्तान से आने वाले मेवे के दाम यदि एयर कार्गो की सुविधा के चलते कम होगे तो भारत के मेवों को भी कांप्टीशन में अपने दामों को कम करने पड़ सकते हैं। ऐसे में दामों की इस प्रतियोगता का सबसे अधिक लाभ आम खरीदारों को ही होगा। एयर कार्गो सुविधा का लाभ ऐसे खरीदारों को मिलेगा।

-नितिन जागरानी

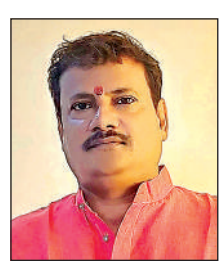

सरकार की तरफ से यह निर्णय काफी अच्छा है। इससे बाजार में अच्छी गुणवत्ता का मेवा आम लोगों को पहले के मुकाबले कम रेट पर मिल सकेगा। इसके अलावा देश और शहर के कारोबारियों को वहां पर विक्रेता तलाशना भी आसान हो सकेगा। शहर के कारोबार को भी बढ़ावा मिल सकेगा।

-अलंकार ओमर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दि किराना मर्चेंट एसोशिएशन

सिटी ब्रीफ

यूपी ने कर्नाटक को हराया

कानपुर। अंडर-23 टी-20 महिला क्रिकेट चैंपियनशिप में यूपी ने कर्नाटक को पांच विकेट से पराजित किया। यूपी की जीत में कानपुर की गरिमा यादव ने गेंदबाजी में चार विकेट चटकाए, तो बल्लेबाजी में तृप्ति सिंह ने 31 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। सुल्तानपुर के गुरुग्राम मैदान पर खेले गए मैच में यूपी की घातक गेंदबाजी के आगे कर्नाटक की टीम टिक न सकी और पूरी टीम 19 .4 ओवर में मात्र 77 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम से मिथिला विनोद ने 18, नमिता डीसूजा ने 11 रन बनाए, तो गेंदबाजी में कानपुर की गरिमा यादव ने 16 रन देकर चार विकेट, अर्चना देवी, संध्या, खुशी, भूमि सिंह ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। जवाब में यूपी की टीम ने 18 ओवर में पांच विकेट पर 78 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।

परेड ग्राउंड पर हुसैन दिवस 7 दिसंबर को

कानपुर। हुसैनी फेडरेशन का 51 वां वार्षिक हुसैन दिवस 7 दिसंबर को परेड ग्राउंड पर होगा जिसकी तैयारियों को लेकर जफरुल साहब के इमामबाड़े पर बैठक हुई जिसमें मेधावी छात्रों को पुरस्कृत करने पर सहमति बनी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैय्यद अली नकी जैदी (कर्बला, इराक) करेंगे। बैठक में हाजी कबीर जेदी, जामिन रिजवी, मुशर्रफ हुसैन, अहसान हुसैन, यूसुफ जाफरी, मास्टर मोहम्मद आगहर, कमर अब्बास अबीदी, डॉ. मिस्बाह जैदी, डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी, रानू नकवी, नाज आलम, शकील अब्बास आदि थे।

ईपीएस संघर्ष की बैठक कल

कानपुर। राष्ट्रीय संघर्ष समिति ई पी एस 95 लखनऊ मंडल की महत्वपूर्ण बैठक 26 नवंबर को रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश कार्यालय चारबाग बस स्टेशन लखनऊ में होगी। न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये किये जाने समेत कई मांगों को लेकर 3 दिसंबर और 4 दिसंबर को जंतर मंतर दिल्ली में प्रस्तावित धरना प्रदर्शन की तैयारियों पर रणनीति तैयार होगी।

मैस कैजुअल्टी का प्रबंधन

कानपुर। यमुना एक्सप्रेस-वे पर हुए एक बड़े सड़क दुर्घटना में घायल हुए 27 मरीजों को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज एवं एलएलआर (हैलेट) अस्पताल लाया गया। प्राचार्य एवं डीन डॉ. संजय कला के नेतृत्व में अस्पताल ने मैस कैजुअल्टी प्रबंधन प्रोटोकॉल सक्रिय किया। जिसके तहत सभी घायलों का तीव्र प्रारंभिक आकलन, समय पर उपचार और बहुविषयी टीम द्वारा समन्वित देखभाल की गई। घायलों में सपना कुमारी भी शामिल थीं। अस्पताल की सर्जिकल टीम ने विदेशी वस्तु को सावधानी और कुशलता से शल्यक्रिया द्वारा निकाला। इसके बाद डॉ. प्रेम शंकर ने प्लास्टिक सर्जरी की। जिससे बेहतर परिणाम सुनिश्चित हुए। अब सपना कुमारी वार्ड 1 में भर्ती हैं, दवाइयों पर हैं तथा सतत निगरानी में संरक्षणात्मक उपचार के अंतर्गत स्वस्थ हो रही हैं।

शिक्षक सम्मानित

कानपुर। वीरांगना झलकारी बाई की जयंती भीमसेन स्थित डॉ. अंबेडकर पार्क में मनाई गई। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नवल किशोर कमल पूर्व उपनिदेशक लाल बहादुर शास्त्री किसान संस्थान उपस्थित रहे। मुंबई से आए शिव शंकर सिंह यादव मुख्य वक्ता तथा डॉ. जितेंद्र कुमार नाग, डिप्टी सीएमओ कन्नौज विशिष्ट वक्ता के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे।

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले पहुंचे मत्था टेकने तो सरदार कुलदीप सिंह ने स्वागत किया। अमृत विचार

मोतीझील में चल रही लंगर की तैयारियां। अमृत विचार

गुरु तेग बहादुर साहिब जैसा बलिदान इतिहास में कहीं नहीं

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने गुरु को नमन किया, आज मोतीझील में तीन लाख लोग लंगर छकेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के शहीदी पर्व पर श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तीसरे दिन मंगलवार को मोतीझील में तीन लाख लोग लंगर छकेंगे।

सोमवार को मोतीझील के भव्य पंडाल में रागी जत्थों ने शबद गायन किया। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने गुरु ग्रन्थ साहिब के समक्ष टेका मत्था। उन्होंने कहा कि साहस, शौर्य और बलिदान के प्रतीक गुरु तेग बहादुर जी सिख धर्म के नौवें गुरु थे। मुगल शासक औरंगजेब के अत्याचार सह रहे कश्मीरी पंडितों ने गुरु की शरण ली थी।

गुरु ने उन्हें धर्म की रक्षा का वचन दिया और औरंगजेब की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध डटकर मुकाबला किया। औरंगजेब के आदेश पर उनको यातनाएं दी गईं लेकिन उन्होंने तिलक और जनेऊ की रक्षा के लिए उसके आगे झुकना नहीं स्वीकारा। औरंगजेब के आदेश पर उनको यातनाएं दी गईं, धर्म परिवर्तन का दबाव भी बनाया गया। इसके बावजूद वह अपने मार्ग से डिगे नहीं और धर्म, मानवता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। इस अवसर पर श्री गुरु सिंह सभा महानगर के पदाधिकारियों ने सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले को सरोपा देकर सम्मानित किया। इस मौके पर प्रांत प्रचारक श्रीराम, गुरविंदर सिंह छाबड़ा(विक्की), सभा के प्रधान सिमरन जीत सिंह, अमर जीत सिंह पम्मी आदि थे।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

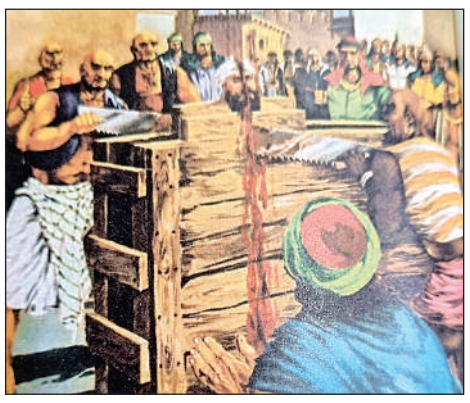

गुरु के शिष्य मतिदास जी को आरे से चीर दिया गया था।

मोतीझील में शबद गायन करते रागी जत्थे। अमृत विचार

गुरु तेग बहादुर जी ने कानपुर में किया था गंगा स्नान

कानपुर। महान सिख गुरु तेगबहादुर साहिब जी के चरणों ने कानपुर की धरती को भी धन्य किया था। मनीराम बगिया से सटा है गुरुद्वारा चौक, जहां गुरु तेगबहादुर ने विश्राम किया था। तब शहर की बसावट इस कदर नहीं थी और वहीं पास में गंगा बहती थी। मान्यता है कि गुरु जी को पंजाब से प्रयागराज होते हुए असम जाना था तो रास्ते में कानपुर पड़ा और यहीं उन्होंने विश्राम किया। यह भी कहा जाता है कि गुरु तेगबहादुर जी ने सपत्नीक गंगा स्नान किया और फिर विश्राम के बाद प्रयागराज रवाना हो गए थे। इस स्थान को गुरु की बगिया भी कहा जाता है। अब चौक में भव्य गुरुद्वारा है, जहां संगत नित निहाल होती है। यह भी कहा जाता है कि सरसैया घाट किनारे गुरु जी ने विश्राम किया था और इसी कारण वहां भी श्री संकट हरण दुख निवारण गुरुद्वारा स्थापित किया गया। तब कानपुर के लाला कंठीमल ने गुरुद्वारा निर्माण में बड़ा योगदान किया था। एक पक्ष यह भी कहता है कि अभी शोध हो रहा है कि गुरु जी ने कहां विश्राम किया था। गुरु सिंह सभा के प्रधान सिमरनजीत सिंह का कहना है कि पूज्य गुरु तेगबहादुर साहिब के चरन कानपुर में भी पड़े थे। उन्होंने गंगा किनारे विश्राम किया था। कहा जाता है कि तब गंगा शिवाले तक बहती थी और चौक में ही गुरुद्वारा प्रतिष्ठित किया गया था। कानपुर विश्वविद्यालय में गुरु तेगबहादुर साहिब शोध पीठ की स्थापना होने पर सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास और उनकी महानता से संबंधित और भी विषय उजागर होंगे।

- **पंजाब से असम यात्रा के दौरान 1665 में यहां ठहरे थे**

गुरु तेग बहादुर धार्मिक सहिष्णुता और मानवता के प्रतीक थे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- **गुरु महाराज के आदर्शों पर डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन**
- **सीएसजेएमयू में बलिदान दिवस पर विशेष व्याख्यान**

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में जनसंचार विभाग के द्वारा व्याख्यान आयोजित हुआ। श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस पर ऑनलाइन व्याख्यान में विशेषज्ञों ने राय रखी। कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु महाराज के सनातन धर्म की रक्षा के लिए किए गए त्याग, भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता और राष्ट्रभक्ति के अमर संदेश को युवा वर्ग तक पहुंचाना था।

व्याख्यान की शुरुआत गुरु महाराज के जीवन, उनके साहसिक संघर्ष और मुगल आक्रांताओं के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरक गाथा को दर्शाती डॉक्युमेंट्री के प्रदर्शन से हुई। इस दृश्य प्रस्तुति ने प्रतिभागियों को इतिहास से रूबरू कराया। मुख्य अतिथि व्यवसायी सरदार जितेन्द्र सिंह अरोड़ा ने कहा कि हमारे आदर्श श्री गुरु नानक देव जी महाराज से प्रारम्भ हुई यह महान परम्परा समाज को सही दिशा देने का कार्य करती रही है। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर महाराज का बलिदान भारतीय अस्मिता की सबसे उज्ज्वल धरोहर है, जिसने उस दौर में मुगल अत्याचारों से भयभीत समाज को अदम्य साहस और आत्मबल प्रदान किया। कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा ने गुरु महाराज को धार्मिक सहिष्णुता, मानवता और राष्ट्र-कर्तव्य का प्रेरक प्रतीक बताया। सहायक विभागाध्यक्ष डॉ. ओम शंकर गुप्ता ने कहा कि सेवा की भावना भारतीय समाज को जोड़ने वाला सबसे बड़ा सूत्र है और गुरु परम्परा इस मूल्य को सर्वोच्च स्थान देती है। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी डॉ. दिवाकर अवस्थी ने किया। डॉ. योगेन्द्र कुमार पाण्डेय, डॉ. रश्मि गौतम, डॉ. जितेन्द्र डबराल, डॉ. हरिओम कुमार, डॉ. ऋचा शुक्ला, डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी, प्रेम किशोर थे।

पवित्र तिलक की लाली गुरु तेग बहादुर के खून की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। विदेशों में गुमराह युवा जो भारत की पावन भूमि को बदनाम कर रहे हैं, उनको अपनी बुनियाद (रुट्स) का ज्ञान होगा कि उनकी जड़ें भारत की पाव भूमि में हैं, गुरु तेग बहादुर साहिब और उनके अनंत अनुयायियों ने तिलक और जनेऊ की रक्षा की खातिर अपने लहू से इस धरती को लाल किया है। भारत की पावन भूमि और सनातन सभ्यता सिख गुरुओं की अमानत है जिसे गुरु साहिबान ने अपने खून से सींचा है। पवित्र तिलक में जो लाली है, वह गुरु तेग बहादुर साहिब के खून की है।

गुरु तेग बहादुर साहिब के 350 वें शहीदी पर्व पर मोतीझील में चल रहे कार्यक्रम के दौरान संयोजक श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी ने दैनिक अमृत विचार संवाददाता से बातचीत में ये बातें कीं। उन्होंने कहा कि अपने सांसों की डोरी तोड़कर गुरु साहिब ने पवित्र जनेऊ की डोरी को मजबूती दी है। भारत की भूमि पर हमला सिखी सिद्धांतों के विपरीत है जो विश्वविद्यालय की शोध पीठ से सिख ज्ञान की रोशनी विश्व पटल पर पहुंचेगी तो उन गुमराह युवाओं की सोच में बदलाव आएगा और उनके कदम अपने देश की ओर लौटेंगे।

एक प्रश्न के उत्तर में सभा के चेयरमैन ने कहा कि 19 वर्ष पूर्व श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर की स्थापना चार प्रमुख संकल्पों और उद्देश्यों के साथ की गई थी। मोतीझील में गुरु गोबिंद सिंह द्वार, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब का शहीदी पर्व बड़े पैमाने पर मनाना, गुमटी नंबर पांच का नाम गुरु तेग बहादुर नगर एवं 1984 सिख दंगा पीड़ितों को पुर्नवास के लिय दीर्घकालीन संघर्ष, जो अपने अंतिम समाधान की ओर अग्रसर है। क्या श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर का समापन कर देंगे, इस प्रश्न के उत्र में चेयरमैन ने कहा कि सभा का गठन किसी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या सीमित उद्देश्य के लिए नहीं किया गया था, बल्कि यह एक सतत सेवा एवं समर्पण की संस्था है। यह सत्य है कि हमारी चारों प्रमुख मांगें अब पूर्णता की ओर बढ़ चुकी हैं, परंतु किसी उपलब्धि का पूर्ण होना संस्था के समापन का कारण नहीं होता। हमारी भूमिका अब भी समाप्त नहीं हुई है। आने वाली पीढ़ियों तक इन उपलब्धियों का संरक्षण, विस्तार और मर्यादा बनाए रखना उतना ही आवश्यक है जितना इनके लिए संघर्ष करना था। अतः फिलहाल किसी प्रकार के क्लोजर पर विचार नहीं किया जा सकता।

संबोधित करते सरदार कुलदीप सिंह। अमृत विचार

- **गुरु साहिब ने पवित्र जनेऊ की डोरी को मजबूती दी, भारत की भूमि पर हमला सिखी सिद्धांतों के विपरीत**

श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर की मांगें

- उत्तर प्रदेश में सिख अल्पसंख्यक आयोग गठित हो
- उत्तर प्रदेश में कुल 403 विस एवं विधान परिषद की सीटों में सिखों की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।
- पंजाबी सिंधी भाषा अनुसंधान केंद्र की स्थापना हो।
- कानपुर समेत देश के सभी विवि में गुरु तेग बहादुर साहिब पर शोध केंद्र, डिग्री कोर्स, पीएचडी आदि कोर्सेस का गठन हो।
- बिठूर में सनातन धर्म को मजबूती देने के लिए हिंदी प्रचारिणी सभा को जिस प्रकार भूमि आवंटित की गई है, उसी प्रकार पंजाबी, संस्कृति और गुरुओं द्वारा देशभक्ति के दर्शाये गये मार्ग को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए दो एकड़ भूमि आवंटित की जाए।

एकता यात्रा निकालते भाजपाई। अमृत विचार

एकता यात्रा में तिरंगा लेकर निकले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। गोविन्द नगर स्थित मेजर अविनाश सिंह भदौरिया पार्क से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर एकता यात्रा धूमधाम से निकाली गई। बैंड-बाजे के बीच हजारों की संख्या में लोग तिरंगा लेकर यात्रा में शामिल हुए। यात्रा गोविंद नगर से परामपुरवा, बारा देवी होते हुए किदवई नगर विधानसभा के आयुर्वेदिक पार्क तक पहुंची, जहां एक विशाल जनसभा के साथ इसका समापन हुआ। मार्ग में जगह-जगह व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और आमजनमानस ने यात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा पुष्प वर्षा कर श्रद्धांजलि स्वरूप सरदार पटेल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। यात्रा में बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड दल, युवा कार्यकर्ता, महिलाओं ने भाग लिया। तिरंगे और देशभक्ति गीतों ने पूरे क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि सरदार पटेल ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधकर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी।

क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने अभियान की समीक्षा की।

एक भी फर्जी या घुसपैठिया मतदाता न बनने पाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोमवार को क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने क्षेत्रीय मुख्यालय में गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर क्षेत्रीय टोली के साथ बैठक की। प्रकाश पाल ने कहा कि भाजपा के सभी सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, नगर निगम के पार्षद, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता हेल्प डेस्क स्थापित करें। इन हेल्प डेस्कों के माध्यम से प्रत्येक मतदाता को न्यूमरेशन फॉर्म भरवाने में हर संभव मदद दी जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक भी फर्जी या घुसपैठिया मतदाता न बन पाए, इसके लिए पार्टी के कार्यकर्ता पूरी सतर्कता रखें। हेल्प डेस्क पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची सहित आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध रहेंगे ताकि पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता बनी रहे। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने निर्देश दिया कि सभी वरिष्ठ बूथ एवं प्रवासी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों पर प्रतिदिन की रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। साथ ही प्रत्येक मतदाता को चिन्हित करते हुए बीएलओ का पूरा सहयोग किया जाए। क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी ने बताया कि मलिन बस्तियों में विशेष रूप से जनप्रतिनिधियों के माध्यम से हेल्प डेस्क स्थापित की जाएंगी, जिससे वहां के निवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक मदद करेगी आईटी टीम

क्षेत्रीय कार्यालय में बनाए गए वार रूम में आईटी टीम के कार्यकर्ता प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक मौजूद रहेंगे। यह टीम तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए सभी 17 जिलों में चल रहे गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान की सतत मॉनिटरिंग एवं सहयोग देगी। बैठक में वीरेंद्र तिवारी, जय प्रकाश कुशवाहा, आलोक शुक्ला, जितेंद्र सचान, पवन पांडे, ऋषभ शुक्ला, सचिन गौड़, रामू चंदेल आदि मौजूद रहे।

सहयोग के लिए प्रशासन की हेल्प डेस्क स्थापित

कानपुर। एसआईआर के अंतर्गत मतदाताओं की सुविधा के लिए जनपद में विभिन्न स्थानों पर हेल्प डेस्क स्थापित हैं। ये हेल्प डेस्क जिला निर्वाचन कार्यालय, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, नगर निगम कार्यालय, जोनल अधिकारी कार्यालय एवं खण्ड विकास अधिकारी कार्यालयों में क्रियाशील हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि इन हेल्प डेस्कों पर मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में मार्गदर्शन एवं सहायता दी जा रही है।

अधिकारी से जवाब तलब किया

कानपुर। एसआईआर कार्य में शिथिलता बरतने पर खण्ड शिक्षा अधिकारी शिवराजपुर कृपा शंकर यादव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 215-किदवई नगर विधानसभा के अनुसार खंड शिक्षा अधिकारी के अधीनस्थ सुपरवाइजर एवं बीएलओ द्वारा मात्र 30 .97 प्रतिशत गणना पत्रक ही 24 नवंबर तक ऑनलाइन अपलोड किये गये।

विरोध | कांग्रेस नेताओं ने ज्ञापन देकर उठाई मांगें

पूरे फार्म तक नहीं बंटे, एसआईआर की तारीख बढ़ाएं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर महानगर कांग्रेस ने चुनाव आयोग को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए मांग की है कि सहालग की वजह से समय नहीं मिलना, नौकरीपेशा, कारोबारियों समेत तमाम लोग ऐसे हैं जिन्हें फार्म भरने का समय नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में चुनाव आयोग 4 दिसंबर 2025 की तारीख को आगे बढ़ाये। अध्यक्ष ने कहा कि अभी तक पूरी तरह फार्म नहीं बंट पाये हैं।

सोमवार को इस संबंध में कानपुर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में मुख्य चुनाव आयुक्त को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी कानपुर को सौंपा गया। अध्यक्ष ने कहा कि अभी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में 15 माह का समय बाकी है इस जल्दबाजी से बहुत से वास्तविक वोटरों के नाम कट जाएंगे। इसलिए एसआईआर की समय सीमा 4 दिसंबर से आगे की जाए। फार्म में कई ऐसे तकनीकी कालम हैं जिन्हें अभी तक बीएलओ ही नहीं समझ पाये हैं। हरप्रकाश अग्निहोत्री, धवल पांडे, इकबाल अहमद, शंकर दत्त मिश्रा, पदम मोहन मिश्रा, रितेश यादव, प्रतिभा अटल पाल, सैमुअल लकी सिंह, राकेश साहू, राज लक्ष्मी, तौसीफ खान, इकलाक अहमद डेविड, राम शंकर राय आदि थे।

ज्ञापन देने पहुंचे ग्रामीण कांग्रेस के नेता। अमृत विचार

बीएलओ का उत्पीड़न बंद करो, समय सीमा बढ़ाओ

कानपुर। जिला कांग्रेस कानपुर नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला की अगुवाई में कांग्रेसजन ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बीएलओ का उत्पीड़न बंद करने के साथ ही एसआईआर की समय सीमा बढ़ाने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से एसआईआर प्रक्रिया में शामिल बीएलओ के उत्पीड़न की खबरें आ रही हैं। जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव के कारण ही बीएलओ परेशान हैं। पूर्व विधायक भूधर नारायण मिश्रा बाबू राम सोनकर, विजय निषाद, चंद्र मौली वाजपेयी, रमा दुबे, दिनेश शुक्ला, अजय तिवारी, उमेश दीक्षित, शक्ति पांडेय, हाजी वसीक, सतीश दीक्षित आदि थे।

बीएलओ पर प्रतिदिन 200 फार्म जमा करने का दबाव

कानपुर। एसआईआर का कार्य कर रहे बीएलओ परेशान हैं। उनका कहना है कि सुपरवाइजर उनपर दबाव बना रहे हैं कि प्रतिदिन 200 फार्म भरकर जमा करें जबकि रोजाना 200 फार्म भरना इतना आसान नहीं है। सुतरखाना के एक बीएलओ ने बताया कि किसी के पास कोई सबूत नहीं है, ऐसे मतदाता समय मांगते हैं कि एक दो दिन में सबूत ला देंगे, किसी का नाम तलाश करने में काफी समय लगता है, इस प्रकार की तमाम परेशानियां हैं जिससे बीएलओ परेशान हैं, दूसरी ओर दबाव बनाया जा रहा है कि 200 फार्म रोजाना जमा करना है।

अलविदा वीरू...

जन्म: 8 दिसबंर 1935 ■ निधन: 24 नवंबर 2025

तोड़ेंगे दम मगर, तेरा साथ न छोड़ेंगे...

विशेष डेस्क

अमृत विचार। मुंबई के फिल्म स्टूडियो की चमकती रोशनियों ने कई चेहरों को स्टारडम दिया, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जो सिर्फ सितारा नहीं बने, बल्कि कई पीढ़ियों के दिलो-दिमाग में गहरे उतर गए। धर्मेंद्र एक ऐसे ही अलेबेले अभिनेता थे। ही-मैन के नाम से मशहूर बॉलीवुड के इस सुपर स्टार की मुस्कान में अगर गांव की मिट्टी की महक थी, तो चाल में पंजाब के किसी फौजी जैसी चौकसी और आंखों में एक ऐसा अपनापन कि दर्शक उनके किरदार में खुद को परदे पर खोजने लगते थे। संवाद अदायगी का उनका अपना अंदाज, अभिनय में सादगी के साथ मर्दानगी की मिसाल ने लोगों को धर्मेंद्र का दीवाना बना दिया था।

बॉलीवुड के बीते छह दशक से ज्यादा के सफर में पांच दशक तक 300 से ज्यादा फिल्मों वाले शानदार करियर की बदौलत किसी बादशाह की तरह लोगों के दिलों पर राज करने वाले दिलदार स्वभाव और बेजोड़ शख्सियत वाले धर्मेंद्र ने अभी 8 नवंबर को ही अपना 89वां जन्मदिन मनाया था। इसके दो दिन बाद ही उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन फिल्म शोले में बसंती के लिए पानी की टंकी पर चढ़कर जान देने की जानदार एक्टिंग करने वाले धर्मेंद्र जिस तरह फिल्म में मरना कैसिंल करके टंकी से नीचे उतर आए थे, उसी तरह मौत को मात देकर घर आ गए थे। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था, जिसने हिंदी सिनेमा के इस लेजेंड को 24 नवंबर को दुनिया को अलविदा कहने के लिए मजबूर कर दिया।

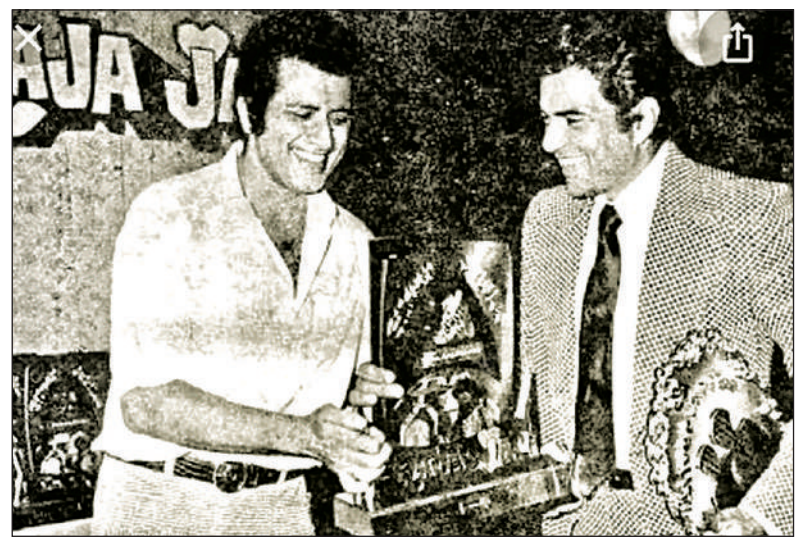

मनोज कुमार न रोकते तो पंजाबी जट्ट धर्मेंद्र नहीं बन पाते

धर्मेंद्र के फिल्मी हीरो बनने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। बात साल 1960 की है। पंजाब के एक छोटे से गांव का एक सीधा-सादा लड़का स्क्रीन पर दिलीप कुमार को देखकर हीरो बनने का सपना पाल बैठा था। लेकिन एक स्कूल मास्टर के बेटे के लिए ये सपना पूरा करना आसान नहीं था, यह जानते हुए भी इस पंजाबी जट्ट ने अटैची उठाई और पहुंच गया मायानगरी मुंबई। यह वह दौर था जब फिल्म इंडस्ट्री में "हीरो" की परिभाषा सिर्फ खूबसूरत चेहरे और नपे-तुले एक्शन तक सीमित थी। लेकिन धर्मेंद्र ने जल्दी ही इसे बदल दिया। उन्होंने हीरो को इंसान बनाया, और इंसान को हीरो की ऊंचाई दी। लेकिन इससे पहले उन्हें मुंबई में खासा संघर्ष करना पड़ा। उस समय फिल्म स्टूडियो के बाहर काम मिलने के इंतजार में लाइन लगानी पड़ती थी। कई बार सड़क पर सोने की नौबत आ जाती थी। ऐसे में थक-हारकर धर्मेंद्र ने एक दिन ट्रेन पकड़कर वापस पंजाब जाने का फैसला ले लिया। लेकिन किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था। पंजाब से ही अभिनेता बनने आए मनोज कुमार से मुलाकात हो गई। उन्होंने वापस जाने से रोक लिया और हौसला बढ़ाया तो धर्मेंद्र ने कुछ दिन और रुकने का फैसला किया। इसके बाद निर्देशक बिमल रॉय ने सबसे पहले धर्मेंद्र को स्पॉट किया। फिर तो एक दिन जिस अभिनेता देव आनंद को धर्मेंद्र पर्दे पर देखते थे, उन्होंने उन्हें अपने मेकअप रूम में बुलाया और आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया।

- **बिमल रॉय की बंदिनी से मिला ऐसा ब्रेक फिर रुका नहीं सफर** अर्जुन हिंगोरानी ने अपनी फिल्म 'दिल भी तेरा, हम भी तेरे' से धर्मेंद्र को ब्रेक दिया। लेकिन उनकी यह पहली फिल्म बस आई-गई जैसी हो गई। हालांकि उनकी दूसरी फिल्म 'शोला और शबनम' कामयाबी की कहानी लेकर आई। इसके बाद उनकी कुछ और फिल्में भी चलीं, लेकिन बड़ा कमाल हुआ उन्हीं बिमल रॉय की फिल्म से, जिन्होंने धर्मेंद्र को अपनी अभिनेता प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में स्पॉट किया था। अपने जमाने के आइकॉनिक फिल्ममेकर बिमल ने धर्मेंद्र को 'बंदिनी' (1963) में कास्ट किया। अशोक कुमार और नूतन के लीड वाली इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला और लोगों ने धर्मेंद्र के काम को भी जमकर सराहा।
- **आई मिलन की बेला, हकीकत, काजल फूल और पत्थर से दिलों में बनाई जगह:** 'आई मिलन की बेला' (1964) के लिए धर्मेंद्र को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला। उसी साल आई देश की चीन के साथ युद्ध पर बनी पहली फिल्म 'हकीकत' से बड़ी पहचान मिली। 1965 में मल्टीस्टारर 'काजल' हिट होने का धर्मेंद्र को बड़ा फायदा मिला। 'फूल और पत्थर' (1966) में उन्हें लीड रोल मिला और फिल्म खूब चली। इसी साल उनकी 'देवर', 'ममता', 'आए दिन बहार के' और 'अनुपमा' भी बाक्स आफिस पर हिट साबित हुईं। 70 का दशक शुरू होने तक धर्मेंद्र स्टार बन चुके थे। अब जैसे सुपरस्टारडम उनका इंतजार कर रहा था।
- **और 70 तथा 80 के दशक ने बना दिया सुपरस्टार:** 70-80 के दशक में धर्मेंद्र बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार थे। इस दौर में उन्होंने कई हिट और यादगार फिल्में दीं, जैसे 'मेरा गांव मेरा देश', 'शोले', 'धरमवीर', 'यादों की बारात', 'लोफर', जुगनू, 'यादों की बारात' और 'प्रतिज्ञा' आदि। इस समय वह इंडस्ट्री के सबसे रोमांटिक और एक्शन हीरो में से एक थे और उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफलता की गारंटी थीं। इस दौर में हर निर्देशक और अभिनेत्री उनके साथ काम करना चाहती थीं।

कुछ यादगार फिल्में

- फूल और पत्थर (1966): जिसने उन्हें स्टार बना दिया
- सत्यकाम (1969) को सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में गिना जाता है
- शोले (1975): भारतीय सिनेमा का यादगार स्तंभ
- चुपके-चुपके (1975): हिंदी कॉमेडी का स्वर्ण अध्याय
- धर्मवीर, काला सोना, सीता और गीता, यकीन, रजिया सुल्तान

1987 में सात हिट फिल्में

- साल 1987 धर्मेंद्र के लिए सबसे लकी साबित हुआ। इस साल उनकी सात फिल्में हिट हुईं। इसके चलते धर्मेंद्र डायरेक्टर्स के फेवरेट बन गए थे। 1987 में हिट हुई इन 7 फिल्मों ने धर्मेंद्र को एक नई पहचान दी थी। ये 7 फिल्में थीं, 'इंसानियत के दुश्मन', 'हुकूमत', 'लोहा', 'आग ही आग', 'मर्द की जुबान', 'वतन के रखवाले' और 'दादागिरी', इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी।

भाजपा से खुद और पुत्र सांसद रहे ,हेमा मालिनी तीसरी बार चुनी गईं

- हेमा मालिनी ने 2004 में भाजपा की सदस्यता ली तो कुछ दिनों बाद धर्मेंद्र भी भाजपा में आ गए। पार्टी ने उन्हें बीकानेर से टिकट दिया। धर्मेंद्र ने 15वीं लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी से राजस्थान के बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। संसद में वो दिखते कम थे, इस बात की आलोचना हुई। आखिरकार, 2009 में उन्होंने पॉलिटिक्स छोड़ दी। बाद में धर्मेंद्र ने कहा कि उन्हें पॉलिटिक्स की ए-बी-सी-डी भी नहीं आती है। राजनीति की भाषा, उसके तौर-तरीके और उसके लोग उन्हें रास नहीं आए। उन्हें 2012 में भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। उनके पुत्र सनी देओल भी सांसद रह चुके हैं, उन्होंने 2019 से 2024 तक भाजपा सदस्य के रूप में पंजाब के गुरदासपुर का प्रतिनिधित्व किया था, जबकि धर्मेंद्र की पत्नी उत्तरप्रदेश के मथुरा से भाजपा सासंद के रूप में तीसरी बार पिछले साल चुनी गई थीं।

"शोले" का वीरू जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है

- धर्मेंद्र ने परदे पर सिर्फ किरदार नहीं निभाए, उन्होंने भारतीय दर्शक के दिल के भीतर अपना घर बनाया। उनकी फिल्मों में मजबूती है, पर उनकी आंखों में नरमी। उनके संवाद दमदार हैं, पर व्यवहार में, यही कारण है कि धर्मेंद्र सिर्फ हिंदी सिनेमा के अभिनेता नहीं, एक ऐसा युग हैं, जिसे कोई बदल नहीं सकता। "अनुपमा" में उनकी संवेदनशीलता, "सत्यकाम" में नैतिकता की आग, "चुपके-चुपके" में मासूम कॉमेडी और "शोले" का वीरू—जो रोता भी है, टूटता भी है, प्यार भी करता है, भला कौन भूल सकता है। हेमा मालिनी के साथ तो उनकी केमिस्ट्री इतनी स्वाभाविक थी कि परदे पर आते ही जैसे कहानी खुद-ब-खुद खिल उठती थी।

प्रकाश कौर से हुई थी पहली शादी, जिनसे दो बेटे और दो बेटियां

- धर्मेंद्र की पहली शादी 1954 में 19 साल की उम्र में प्रकाश कौर से हुई थी। इस शादी से उनके दो बेटे

हुए, सनी देओल और बॉबी देओल। इनके साथ ही दो बेटियां विजेता और अजिता भी हैं। अभिनेता अभय देओल उनके भतीजे हैं। 1880 में धर्मेंद्र ने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी कर ली थी। इस शादी से उन्हें दो बेटियां ईशा देओल और आहाना देओल हैं।

धरम पाजी के साथ एक युग का अंत

- धर्मेंद्र की फिल्मों को देखकर हमने सीखा कि हीरो होना सिर्फ लड़ने की कला नहीं, बल्कि इंसान की अच्छाई की जीत है। धर्मेंद्र वह सितारा हैं जिनकी चमक सिर्फ परदे तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों की यादों, कहानियों और मोहब्बतों में रच-बस चुकी है। इसलिए धर्मेंद्र जैसे सितारे कभी खत्म नहीं होते, वे हर पीढ़ी के दिलों में दोबारा जन्म लेते हैं।

कानपुर

कूड़ा प्लांट में लाखों टन लीगेसी वेस्ट जमा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नियम के अनुरूप संचालित नहीं हो रहा प्लांट, नगर निगम के निरीक्षण में मिली खामियां
- 15वें और 16वें वित्त से कूड़े के निस्तारण का प्लान भी सफल नहीं

अमृत विचार। भवसिंह पनकी कूड़ा प्लान्ट में जमा लीगेसी वेस्ट का निस्तारण नहीं हो रहा है। इससे लगातार कूड़े का पहाड़ बढ़ता जा रहा है। नगर निगम के अधिकारियों के निरीक्षण में कूड़े का निस्तारण होता नहीं मिला है। इसके साथ ही सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट प्लान्ट का संचालन भी क्षमता के अनुरूप होते नहीं मिला। इससे लाखों टन लीगेसी वेस्ट एकत्रित हो गया है।

अपर नगर आयुक्त द्वितीय जगदीश यादव के निर्देश पर सहायक अभियन्ता / प्रभारी अधिशाषी अभियन्ता कमलेश पटेल और अवर अभियन्ता दिनेश कुमार ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट भावसिंह पनकी प्लान्ट का भौतिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि वर्तमान में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल- 2016 के अनुसार प्रोसेसिंग एवं लीगेसी वेस्ट निस्तारण (बॉयो मायनिंग और बॉयो रेमेडिएशन) कराया जाना आवश्यक है। अधिकारियों ने कहा कि यदि ऐसा न किया गया तो भविष्य में कोई भी प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि समुचित निस्तारण के लिये स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत आवश्यक धनराशि की मांग की जा सकती है। इसके साथ ही 15वें वित्त आयोग व 16वें वित्त आयोग से भी कूड़े के निस्तारण का कार्य किया जा सकता है।

पर्यावरण के हित के तहत हो कूड़े का निस्तारण

- जोनल स्वच्छता अधिकारी रविचंद्र ने कहा कि नगर निगम सीमा में प्रतिदिन लगभग 1500 टन सॉलिड वेस्ट निकलता है। अधिकारियों ने कहा कि कूड़े के प्रोसेसिंग के लिए वेस्ट टू कम्पोस्ट, वेस्ट टू एनर्जी, वेस्ट टू चारकोल आदि पद्धति से पर्यावरण के हित में कूड़े का निस्तारण किया जाए।

55 करोड़ रुपये की स्वीकृति हुई थी

- पनकी कूड़ा प्लांट पर करीब 12.75 लाख घन मीटर कूड़ा जमा है, जिसे पूरी तरह हटाने की तैयारी की गई थी। आईआईटी कानपुर की मदद से ड्रोन मैपिंग के जरिए कूड़े का आंकलन किया गया। इसके लिए नगर निगम ने 15वें वित्त आयोग से 55 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्राप्त कर ली थी।

अभिरंग कला प्रदर्शनी में दिखे प्रतिभा के रंग

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विवि के इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स स्थित कृतित्व कला दीर्घा में 'अभिरंग 2025' कला प्रदर्शनी आयोजित हुई।

मुख्य अतिथि कुलसचिव राकेश मिश्रा रहे। उन्होंने कहा कि एमएफए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के रचनात्मक प्रयासों में उनकी कल्पनाशीलता, और कला के प्रति संवेदनशील दृष्टि स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी कृति के माध्यम से एक अलग भाव-विश्व को अभिव्यक्त किया है। ललित कला संस्थान के निदेशक डॉ. मिठाई लाल ने कहा कि अभिरंग प्रदर्शनी न केवल विद्यार्थियों को मंच प्रदान करती है, बल्कि कला के क्षेत्र में उनके पेशेवर विकास का मार्ग भी प्रशस्त करती है। कार्यक्रम में प्रो. सुभम शिवा, ललित कला संस्थान के सहायक निदेशक जिउट बली यादव, विनय सिंह, सहायक प्रोफेसर डॉ. राज कुमार सिंह, डॉ. बप्पा मांझी रहे।

बिजली के सामान की चोरी करने में नौ गिरफ्तार

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर सर्किल में पिछले चार माह से बिजली के तार, ट्रांसफार्मर तेल और डीजल इंजन चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों के साथ-साथ पुलिस की भी नींद उड़ा रखी थी। पुलिस इनको गिरफ्तार करने के लिये लगातार प्रयास कर रही थी। इसी के चलते अब पुलिस को भारी सफलता मिली। पुलिस ने बिजली का सामान चोरी करने वाले नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में आतंक का माहौल था। ग्रामीण रात रात भर जाग कर अपने सामान की सुरक्षा कर रहे थे। पुलिस पर भी चोरों को पकड़ने का भारी दबाव था। इसी के चलते अरौल पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए बिजली का सामान चोरी करने वाले गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पकड़े गये सभी नौ आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। इनमें अरौल थाना क्षेत्र के आठ और कन्नौज जनपद का एक व्यक्ति शामिल है।

पकड़े गये इन चोरों ने पिछले चार माह में आधा दर्जन से अधिक वारदातो को अंजाम दिया है। इनमें अरौल और बिल्हौर क्षेत्र में बीते चार महीनों में बिजली के तारों की कटान, ट्रांसफार्मर तेल की चोरी और खेतों में सिंचाई के लिए रखे गए डीजल इंजनों की चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही थीं। बकोठी गांव में ट्रांसफार्मर से तेल की चोरी और नानामऊ तिराहे के पास एक दर्जन डीजल इंजन चोरी होने की वारदात ने पुलिस को विशेष सतर्कता बरतने पर मजबूर कर दिया था।

क्षेत्र में बढ़ी पुलिस की साख

- चोरी की घटनाओं से परेशान किसानों और ग्रामीणों ने अरौल पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की है। लगातार बढ़ रही वारदातों पर ब्रेक लगने से लोगों ने राहत की सांस ली है। वहीं थाना प्रभारी जनार्दन सिंह का कहना है कि गिरोह के नौ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। अन्य संभावित सदस्यों और खरीदारों की भी जांच की जा रही है। पुलिस की टीम ने अतुल कटियार उर्फ डॉक्टर बकोठी पूर्वा अरौल, शिवम कटियार ग्राम सरेयाभूड़ अरौल, अमित कुमार उर्फ मौसम बकोठीपूर्वा अरौल, शिवांशु उर्फ शिवेन्द्र ग्राम बकोठीअरौल, मंगल उर्फ सोनू ग्राम बकोठीपूर्वा अरौल, प्रकाश गौतम उर्फ गुड्डू बकोठीपूर्वा, ज़ीशान ग्राम बकोठीपूर्वा अरौल, रवि कटियार ग्राम रतनपुर जलालापुर कन्नौज, अभिषेक कटियार ग्राम बकोठीपूर्वा अरौल को माल के साथ गिरफ्तार किया है।

चार टीमों को 3 दिन में मिली सफलता

- गिरोह का खुलासा करने के लिए पुलिस ने चार विशेष टीमें गठित की थीं। थाना प्रभारी जनार्दन सिंह के नेतृत्व में पुलिस लगातार सुराग जुटाने में लगी हुई थी। तीन दिनों में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर सफलता हासिल की।

बड़ी मात्रा में चोरी का माल हुआ बरामद

- आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मिडुआ क्षेत्र से बिजली के तार, ट्रांसफार्मर की प्लेटें, डीजल इंजन के पार्ट्स, साथ ही चोरी में इस्तेमाल होने वाले कटर, खंभों पर चढ़ने की चप्पलें, एक बाइक और एक लोडर बरामद किया।

फिल्म अभिनेता चंकी पांडे शहर आए

चंकी पांडे से मिलते कारोबारी पंकज अरोड़ा।

कानपुर। फिल्म अभिनेता चंकी पांडे सोमवार को एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए शहर आए। विवाह समारोह के दौरान चंकी पांडे शहर के कई व्यापारियों से मिले। इस दौरान व्यापारियों से उन्होंने शहर के खाने की तारीफ की। बताया गया कि उन्होंने वैवाहिक समारोह में शामिल लोगों से बातचीत के दौरान शहर के प्रसिद्ध उद्योग और पर्यटक स्थलों के बारे में भी जानकारी हासिल की।

आयोजन | गुरु तेग बहादुर की पुण्यतिथि पर वीवीआईपी स्कूल में आयोजित हुआ कार्यक्रम

धर्म, संस्कृति की रक्षा के लिए न्योछावर किये प्राण

संवाददाता, चौबेपुर

- वक्ताओं ने गुरुतेग बहादुर के जीवन चरित्र पर डाला प्रकाश
- शबद कीर्तन का भी किया गया आयोजन

अमृत विचार। गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस पर सोमवार को कस्बा स्थित वीवीआईपी स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान विद्यालय चेयरमैन ने बच्चों को गुरुतेग बहादुर के जीवन की गौरव गाथा सुना कर उनके सिद्धांतों और विचारों को अपनाने की बात कही।

कस्बे के बेला मार्ग स्थित वीवीआईपी स्कूल में सिखों के नवें गुरु तेग बहादुर की 359वीं पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। तत्पश्चात विद्यालय चेयरमैन डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेई ने बच्चों को बताया कि भारत के गौरवपूर्ण इतिहास में कई ऐसे क्रांतिकारी पुरुषों का जन्म हुआ है, जिन्होंने अपने धर्म, संस्कृति, आदर्श व मूल्यों की रक्षा के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया। इन्ही महान पुरुषों में एक गुरु तेग बहादुर का नाम भी शुमार है। बताया कि यह दिन हमें न सिर्फ बलिदानी परंपरा की याद दिलाता है, बल्कि जीवन जीने के गहरे मूल्य भी सिखाता है। उनकी निर्भीक वाणी उस साहस की मिसाल है, जो आज भी आधुनिक समाज को प्रेरित करती है। इस मौके पर कई बच्चे गुरुतेग बहादुर की वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। इस दौरान शबद कीर्तन का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अंकित बाजपेई, सागर मारवाह, निधि कपूर,बीना दुबे व कैफी आजमी समेत विद्यालय के शिक्षक व बच्चे मौजूद रहे।

बच्चों के साथ मौजूद शिक्षक। अमृत विचार

मनोनीत पदाधिकारी को प्रमाणपत्र देते आयोजक। अमृत विचार

राजकुमार बने मीडिया प्रभारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्याम नगर में राष्ट्रीय स्वर्ण आर्मी की बैठक हुई। इसमें जिला अध्यक्ष राकेश पांडे और महानगर अध्यक्ष ने पदाधिकारियों का मनोनयन किया। राजकुमार पांडे को महानगर का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। समाचार पत्र वितरक समाज के संरक्षक मोनू पंडित, विजय गुड्डू तिवारी, जयशंकर तिवारी, केएन पांडे को उपाध्यक्ष, ममता मिश्रा और आनंद द्विवेदी, प्रफुल्ल मिश्रा को सचिव और अजय मिश्रा को सचिव नियुक्त किया गया। यह नियुक्तियां संगठन को और मजबूत बनाने के लिए की गई हैं।

साइंस पार्क की तैयारी शुरू

कानपुर। संविलियन विद्यालय मंधना प्रथम में मंडलीय साइंस पार्क स्थापित करने की तैयारी शुरू हो गई है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यालय पहुंचकर प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीएसए सुरजीत सिंह भी मौजूद रहे। पार्क से संबंधित व्यवस्थाओं पर अधिकारियों के साथ चर्चा की। बताया गया कि सरकार का उद्देश्य है कि परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों के छात्र विज्ञान को केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखें, बल्कि उसे प्रत्यक्ष रूप से समझें और प्रयोगों के माध्यम से जानें। इसी उद्देश्य से साइंस पार्क को इंटरएक्टिव मॉडल पर विकसित किया जा रहा है। पार्क में सौरमंडल का प्रदर्शन, भूकंप सिम्युलेटर, न्यूटन का कैडल, मौसम केंद्र और ऊर्जा आधारित मॉडल लगाए जाएंगे।

मैं बरेली हूं, रोहिलखंड का गौरवशाली शहर। मैंने अपने भीतर चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में एक शांत, लेकिन क्रांतिकारी परिवर्तन देखा है। यह बदलाव इतना गहरा है कि मुझे अब अपने निवासियों को इलाज के लिए लखनऊ या दिल्ली की लंबी यात्राएं करते हुए देखना नहीं पड़ता, बल्कि इसके विपरीत, अब मैं गर्व से देखता हूँकि पड़ोसी जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग यहाँ आकर अपना इलाज करा रहे हैं।

मेरी चिकित्सा यात्रा की शुरुआत 1870 के दशक में हुई, जब अमेरिकी मेडिकल मिशनरी डॉ. क्लारा स्वैन ने यहां कदम रखा। उस समय, मैं चिकित्सा सुविधाओं से लगभग अछूता था, खासकर महिलाओं के लिए। डॉ. स्वाइन ने जो किया वह एक चमत्कार से कम नहीं था - उन्होंने एशिया का पहला महिला अस्पताल स्थापित किया। नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि यहां का उपचार केवल दवाइयों तक सीमित नहीं था, इसमें सेवा और करुणा की भावना थी। यह उत्तरी भारत में नर्सिंग शिक्षा का एक प्रमुख संस्थान भी बना। क्लारा स्वाइन अस्पताल ने उस नींव को रखा जिस पर आज की आधुनिक इमारत खड़ी है।

आज़ादी के बाद और 21वीं सदी की शुरुआत तक, मेरी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली मुख्य रूप से सरकारी जिला अस्पतालों पर निर्भर थी, जिनमें अक्सर संसाधनों की कमी होती थी। यही कारण था कि मेरे निवासी, जो थोड़ा भी खर्च कर सकते थे, गंभीर बीमारियों के लिए लखनऊ के पीजीआई या दिल्ली के एम्स की ओर रुख करते थे। यह मेरे लिए निराशाजनक था। फिर बदलाव की बयार आई। निजी क्षेत्र ने इस खालीपन को भरा और स्वास्थ्य सेवा के मेरे परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया। रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज, श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और राजश्री मेडिकल कॉलेजों जैसे संस्थानों ने मुझे एक नया रूप दिया। ये सिर्फ अस्पताल नहीं... अत्याधुनिक उपकरणों, समर्पित आघात इकाइयों, और सुपर-स्पेशियलिटी विभागों के साथ पूर्ण चिकित्सा केंद्र हैं। अब जटिल ऑपरेशन, एमआरआई, सीटी स्कैन और कैथ लैब जैसी सुविधाएं मेरे अपने आंगन में उपलब्ध हैं। इलाज के लिए मेरे लोगों को अब बाहर जाने की ज़रूरत महसूस नहीं होती थी।

आज, मैं बरेली हूं, एक ऐसा शहर जो अपनी चिकित्सा क्षमताओं पर गर्व करता है। मैं एक मेडिकल एजूकेशन हब बन गया हूं। अब यहां न केवल स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं हैं, बल्कि यहां से पढ़कर डॉक्टर गांव देहात से लेकर बड़े शहरों तक बेहतर इलाज उपलब्ध करा रहे हैं। मेडिकल जांच के लिए मुंबई और दिल्ली जितनी सुविधाएं भी मेरे यहां है। ये प्रगति रुकी नहीं है, धीरे धीरे और मेडिकल कॉलेज बनेंगे और विश्वस्तरीय सुविधाएं भी स्थापित होंगी। मैं विकसित हुआ हूं, मैंने बदलाव अपनाया है, और मैं अपने निवासियों के स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने के लिए तैयार हूं।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

...बरेली यू नहीं बना मेडिकल हब

बरेली की सरजमीं पर मरीजों को संजीवनी देने के लिए रखी गई थी मिशन अस्पताल की नींव

बरेली शहर की पहचान आध्यात्मिकता और शिक्षा से बनती है, तो चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में इस पहचान को सबसे मजबूत आधार देने वाला नाम है, बरेली का क्लारा स्वैन मिशन अस्पताल। करीब 140 वर्ष का इतिहास संजोए ये अस्पताल करुणा, निष्ठा और मानवता का वास्तविक परिचायक तो बना ही लेकिन अन्य के अंदर भी बरेली को चिकित्सा क्षेत्र में नया आयाम स्थापित करने के लिए किसी प्रेरणा से कम साबित नहीं हुआ। इसका ही परिणाम है कि अब बरेली जिला 100 नहीं बल्कि तीन मेडिकल कॉलेजों के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण 625 निजी अस्पतालों का हब बन गया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, पहले जहां सरकारी अस्पतालों में भर्ती होने पर मरीजों को खुद उनके तीमारदार ही जीवन की डोर टूटने जैसी बातें करने लगते थे लेकिन अब सरकारी अस्पतालों की तस्वीर भी साफ हो रही है। जिसका परिणाम है कि जिले में 100 बेड का जिला महिला अस्पताल, 326 बेड का जिला अस्पताल और देहात के सभी 15 ब्लॉक पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ ही गांव के निकट ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी स्थापित हैं।

इलाज ही नहीं निदान से भी है पहचान : गौर करने वाली बात ये है कि जिले में सिर्फ अस्पतालों में मरीजों को बेहतर इलाज से संजीवनी मिलने का विषय नहीं है बल्कि इलाज से पूर्व उपयोगी साबित होने वाली इलाज पूर्व निदान के लिए भी बरेली किसी मायने में कम नहीं हैं। यहां 300 से अधिक पैथोलॉजी लैब, 682 अल्ट्रासाउंड जांच सेंटर और दस से अधिक सीटी व एमआरआई जांच सेंटर हैं। जहां रोजाना सैंकड़ों मरीज समय पर जांच कराकर उचित इलाज से नई जिंदगी जी रहे हैं।

03 मेडिकल कॉलेज,
08 आयुर्वेदिक कॉलेज
12 नर्सिंग कॉलेज

शहर की दौड़ खत्म, घर के पास ही गूंज रही किलकारी

■ पांच साल पहले तक देहात क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के हाल बेहाल थे, डॉक्टरों की कमी व संसाधन न होने पर लोगों को आर्थिक हानि का सामना करते हुए निजी अस्पतालों में इलाज कराना पड़ रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई। नवाबगंज, बिथरी, मीरगंज, भमौरा समेत अन्य सीएचसी पर इस साल से ही प्रसव शुरू हो गए है।

नशे की लत से मुक्ति दिला रहा ओएसटी : जिले में अभी तंबाकू, शराब व दवाओं से नशा करने वाले मरीजों के लिए निजी व एनजीओ के माध्यम से संचालित नशा मुक्ति केंद्र ही सहारा बन रहे थे लेकिन अब जिला अस्पताल में ही इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स यानि इंजेक्शन से नशा करने वाले मरीजों का इलाज के लिए ओएसटी केंद्र की स्थापना हो गई है।

आरएमसीएच से बीआईयू तक का सफर... जो रहेगा जारी

2006 में स्थापित हुआ था रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल
लेकिन उच्च स्तरीय सेवाएं देने पर 2016 में बन गया बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का हिस्सा

बरेली। बात उस दौर की है जब चिकित्सा सेवा के नाम पर बरेली में चंद अस्पताल ही थे, मरीजों को जटिल बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज जैसे लखनऊ और दिल्ली के चक्कर लगाने पड़ रहे थे लेकिन वर्ष 2006 में मरीजों के लिए संजीवनी रुपी किरण के रुप में रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (आरएमसीएच) की स्थापना हुई।

इसके स्थापित होने से सिर्फ बरेली ही नहीं बल्कि उत्तराखंड के साथ ही नेपाल के मरीजों को भी काफी सहूलियत मिली। यहां मरीजों को मिल रहे उच्च स्तरीय इलाज के चलते ही इसकी चमक शासन प्रशासन तक भी पहुंची इसका ही परिणाम रहा है कि वर्ष 2016 के 16 सितंबर को यूजीसी अधिनियम 1956 के अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार ने इसे विश्व विद्यालय की मान्यता प्रदान की। ये विश्वविद्यालय रोहिलखंड चैरिटेबल एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रवर्तित है। अब यहां डॉक्टरी डिग्री, नर्सिंग, पैरा मेडिकल व फार्मेसी के साथ ही टेक्नीकल और मैनेजमेंट कोर्स भी संचालित हो रहे हैं।

ये है प्रबंधन का ध्येय : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. लता अग्रवाल, प्रति कुलपति डॉ. किरण अग्रवाल के कुशल नेतृत्व में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। प्रबंधन का प्रयास विश्व स्तरीय संकायों, अवसंरचना, सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के समुचित सहयोग से उन्नत शिक्षण और अनुसंधान वातावरण प्रदान करके अपने विद्यार्थियों को व्यावसायिक और व्यक्तिगत जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान प्रदान करना और कौशल विकसित करना है।

स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश

शिक्षा, चिकित्सा और सेवा में बड़ा नाम एसआरएमएस

बरेली। न्यूनतम खर्च पर विश्वस्तरीय इलाज लेना हो तो आज सभी के जेहन में एक ही नाम आता है। और वह है एसआरएमएस मेडिकल कालेज। साल दर साल एसआरएमएस में बढ़ती मरीजों की संख्या, इस पर बढ़ते विश्वास को बयान करने के लिए काफी है और यही मरीजों का विश्वास इसकी उपलब्धि है। इमरजेंसी और गंभीर बीमारियों में बरेली और आसपास के मरीज दिल्ली या लखनऊ जाने के बजाय उपचार के लिए एसआरएमएस आते हैं। स्वस्थ होकर घर वापस जाते हैं। यह भरोसा किसी उपलब्धि से कम नहीं। इसी विश्वास और उपलब्धियों के सहारे एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज चार जुलाई को स्वास्थ्य सेवा में 24वें वर्ष में प्रवेश किया।

बरेली स्थित भोजीपुरा में श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (एसआरएमएस आईएमएस) की स्थापना एसआरएमएस ट्रस्ट की ओर से चार जुलाई वर्ष 2002 में की गई। ट्रस्ट के संस्थापक, चेयरमैन श्री देव मूर्ति जी ने अपने पिता स्वतंत्रता सेनानी, पूर्व मंत्री स्वर्गीय राम मूर्ति जी के आदर्श, सबको शिक्षा और सबको स्वास्थ्य को जन जन तक पहुंचाने के लिए विश्वस्तरीय सुविधा युक्त हास्पिटल खोलने का संकल्प लिया। 2001 में वसंत पंचमी के दिन (29 जनवरी) को ट्रस्ट परिवार के सदस्यों के साथ नींव पूजन के बाद सपनों की इमारत ने आकार लेना शुरू किया। करीब डेढ़ वर्ष वर्ष बाद, बीस साल पहले, चार जुलाई 2002 को देव मूर्ति जी की मां आदरणीय रामरखी जी के सानिध्य और आशीर्वाद से क्रिटिकल केयर और आई बैंक के साथ 30 एकड़ में बने एसआरएमएस हास्पिटल का उद्घाटन हुआ। अगले ही वर्ष मरीजों के लिए यहां कार्डियोलाजी ओपीडी के साथ एमआरआई की सुविधा भी उपलब्ध हो गई। वर्ष 2005 में एमबीबीएस के पहले बैच के साथ मेडिकल कालेज भी आरंभ हो गया। एसआरएमएस आईएमएस आज लखनऊ और दिल्ली के बीच स्थित पूर्वी उत्तर प्रदेश का अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त मल्टी सुपरस्पेशियलिटी हास्पिटल है। प्री क्लीनिकल, पैरा क्लीनिकल और क्लीनिकल डिपार्टमेंट सम्पन्न इस मेडिकल कालेज में रेडियोथेरेपी, कार्डियक साइंसेज, रीनल साइंसेज, न्यूरो साइंसेज और प्लास्टिक सर्जरी विभाग और इनकी ओपीडी भी सफलतापूर्वक संचालित हैं। इन विभागों में सबसे ज्यादा मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। जिनकी संख्या प्रतिदिन 12 सौ से ज्यादा हो जाती है। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों में भी इन्हीं विभागों के 85 फीसद मरीज होते हैं50 से ज्यादा मरीजों की रेडियोथेरेपी और छह सौ से ज्यादा मरीजों की मेजर सर्जरी को यहां सफलतापूर्वक अंजाम दिया जा रहा है। यहां पर 3 .0 टेस्ला एमआरआई, हाई एनर्जी लीनियर एस्सेलेरेटर- ब्रेकी थेरेपी यूनिट, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, इंटरवेंशनल एंजियोग्राफी के लिए कैथ लैब, एंजियोप्लास्टी और हार्ट की दूसरी जांचें, अत्याधुनिक 20 मेजर ओटी जैसे तमाम उपकरण और सुविधाएं मौजूद हैं। मरीजों के लिए सभी डॉक्टर व अन्य स्टाफ पूरे सेवाभाव के साथ कार्य कर रहा है।

हमने पहले दिन से ही हेल्थ फॉर आल, हॉस्पिटल फार आल को अपना आदर्श बनाया। हम सभी मरीजों को कम खर्च में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं दे रहे हैं। यही वजह है कि एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज पर बरेली और आसपास के मरीजों का भी भरोसा बढ़ा है। इन 23 वर्षों में मरीजों के विश्वास के साथ ही एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज ने कई उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इनमें 100 बेड का आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट, इनफर्टिलिटी सेंटर, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ 110 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का स्थापित होना अहम है। -**आदित्य मूर्ति**, डायरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज

परदादा ने जेल में कैदियों की सेवा की प्रपौत्र सेना के जवानों को रख रहा स्वस्थ

बरेली के स्वास्थ्य जगत में धर्मदत्त वैध एक सम्मानित नाम हैं। अंग्रेजों के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान जेल में रहकर उन्होंने कैदियों की सेवा की और रिहाई के बाद जीवन पर्यंत लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल को अपना ध्येय बनाया। आज उन्हीं की विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके पोते डॉ. अनुपम शर्मा पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा और प्रपौत्र डॉ. राघव शर्मा-पत्नी डॉ. निकिता, जो भारतीय सेना में हैं, उत्तम चिकित्सीय सेवा में समर्पित हैं। 1937 में भिवाड़ी (हरियाणा) से आयुर्वेदाचार्य की शिक्षा प्राप्त कर उन्होंने बरेली के बड़ा बाज़ार, मदारी गेट पर तिलक फार्मेसी की स्थापना की। यहां वे स्वयं आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण कर मरीजों का उपचार करते थे। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गिरफ्तारी के बाद चार साल की जेल हुई। जेल में कैदियों को साधारण इलाज भी न मिलता देख उन्होंने जेलर से अनुमति लेकर परिसर में जड़ी-बूटियां उगाईं और उनसे तैयार दवाओं से कैदियों का इलाज शुरू किया-यह सेवा पूरे चार वर्षों तक जारी रही। रिहा होने के बाद वे पुन: तिलक फार्मेसी में बैठकर लोगों की सेवा करते रहे।1953 में उन्होंने धर्मदत्त आयुर्वेदिक चिकित्सालय की स्थापना की। 1989 में उन्होंने सेवाभाव से भरा जीवन पूर्ण किया। उनकी शुरू की गई संस्था आज भी बरेली आयुर्वेद कॉलेज के सहयोग से समाज को सेवा दे रही है।

प्रपौत्र लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. राघव शर्मा पत्नी के साथ कर रहे जवानों का इलाज : परदादा और पिता की प्रेरणा से लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) राघव शर्मा ने भी चिकित्सा को ही अपना कर्मक्षेत्र चुना। राममूर्ति कॉलेज बरेली से एमबीबीएस और देश के अग्रिणी मेडिकल कॉलेज एएफएमसी,पुणे से एमडी करने के बाद वे असम स्थित गुवाहाटी आर्मी हॉस्पिटल में सैनिकों की सेवा में जुटे हैं। उनकी पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ) निकिता, जिन्होंने उनके साथ ही एमबीबीएस और एमडी किया, वही सेना के कर्मियों की चिकित्सा सेवा में समान रूप से योगदान दे रही हैं।

पोते डॉ. अनुपम शर्मा - धर्मदत वैध की सेवा परंपरा का आधुनिक रूप : 1980 में एमबीबीएस और 1990 में एमडी करने के बाद डॉ. अनुपम शर्मा ने दिल्ली के सफदरजंग, राममनोहर लोहिया जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों में सेवा दी। एक वर्ष तक भारत सरकार के विशेष अनुबंध पर ईरान में कार्य किया। 1998 में उन्होंने बरेली में दादा व पिता भूपेंद्र नाथ शर्मा जो मीरगंज से विधायक रहे से प्रेरित हो धर्मदत सिटी हॉस्पिटल की स्थापना कर स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दी। आज यह अस्पताल गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए जाना जाता है। वे वर्तमान में एपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया) 2025, बरेली के अध्यक्ष हैं। उनकी पत्नी डॉ. मृदुला शर्मा, दिल्ली से प्रशिक्षित स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, 2024 में फोगसी बरेली ब्रांच की अध्यक्ष रहीं। दोनों के 20 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं और देश-विदेश के मेडिकल कांफ्रेंस में व्याख्यान दे चुके हैं। दोनों शिक्षा जगत में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं, ब्रह्मा देवी इंटर कॉलेज, मीरगंज सहित चार शिक्षण संस्थानों का संचालन देख रहें हैं।

आरसीआई में पाया इलाज... कैंसर को दी मात अब खिलखिला रही जिंदगी

बरेली। बीते वर्षों में कैंसर का नाम सुनते ही लोगों की आंखों के सामने मौत नाचने लगती थी, वर्ष 2022 से बड़ी संख्या में गंभीर रोगियों ने कैंसर को मात दी है और अब जिंदगी खिलखिला रही है उनको ये नई जिंदगी देने के लिए ढाल बना है बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का रोहिलखंड कैंसर इंस्टीट्यूट (आरसीआई)।

रोहिलखंड कैंसर संस्थान मध्य में स्थित 200 बेड का अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कैंसर संस्थान है। जिसकी स्थापना वर्ष 2022 में प्रतिष्ठित रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर में की गई थी। इसका उद्देश्य रोहिलखंड क्षेत्र और आसपास के जिलों के कैंसर रोगियों की अपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करना था। यह लखनऊ से 245 किलोमीटर और दिल्ली से 255 किलोमीटर दूर है। यह हवाई और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। बरेली हवाई अड्डा केवल 2 किलोमीटर और रेलवे जंक्शन 5 किलोमीटर दूर है।

इन सुविधाओं से कैंसर से मिल रही मात : आरसीआई के निदेशक डॉ. अर्जुन अग्रवाल बताते हैं कि यहां जर्मन की कोबाल्ट आधारित सैगिनोवा 25 चैनल वाली अत्याधुनिक ब्रैकी थेरेपी इकाई, रेडियोथेरेपी सिमुलेशन और योजना के लिए एक समर्पित वाइड बोर सीटी स्कैन मशीन उपलब्ध है। इतना ही नहीं रोहिलखंड कैंसर संस्थान इस क्षेत्र में पीईटी-सीटी सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्थान है। वहीं डीएम मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के तहत साइटोटॉक्सिक कीमोथेरेपी रोगियों को किफायती और मामूली शुल्क पर व्यापक कैंसर देखभाल के साथ अंतरराष्ट्रीय मानकों की अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी सुविधा के साथ ही बाह्य बीम रेडियोथेरेपी के लिए अत्याधुनिक टू बीम एसटीएक्स लिनैक मशीन उपलब्ध है। यह एसआरएस, एसबीआरटी, आईजीआरटी, आईएमआरटी, वीएमएटी, 3डी सीआरटी जैसी फोटॉन थेरेपी पद्धतियों से भी मरीजों को इलाज दिया जा रहा है। पूर्व में मरीजों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भटकना पड़ता था लेकिन संस्थान में एक ही छत के नीचे जांच के साथ ही इलाज की सभी सुविधाएं मिल सकेंगी।

■ डॉ. अर्जुन अग्रवाल ने बताया कि इंस्टीट्यूट में गामा कैमरा हाई डोज थैरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर की नींव दो माह पूर्व रखी गई है। यूनिट का निर्माण आरंभ है। इस आधुनिक तकनीक से गंभीर रोगियों को बेहतर इलाज मिल सकेगा। अभी तक पैट स्कैन, गामा कैमरा थैरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब ही बरेली मंडल में पैट स्कैन और गामा थैरेपी का आरंभ होना किसी गौरव से कम नहीं है।

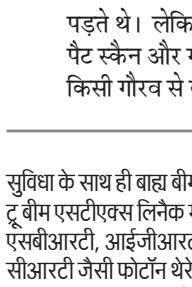

प्रस्तुति : अंकित चौहान (भाग-1)

अमृत विचार

मंगलवार, 25 नवंबर 2025

एक राजा को अपनी प्रजा के प्रति पिता के समान होना चाहिए।
–श्री रामचंद्र जी

अत्यावश्यक अपील

जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के दुरुपयोगों को रोकने के लिए एक वैश्विक समझौते की अपील वर्तमान भू–राजनीतिक और तकनीकी परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और समयोचित है। एआई आधारित प्रणालियों को दुनिया जिस तेजी से अपना रही है, उसी गति से दुरुपयोग की आशंकाएं भी बढ़ी हैं। चाहे वह चुनावी हस्तक्षेप हो, साइबर हमले, डीपफेक प्रोपगेंडा या आर्थिक अपराध। ऐसे में इस मुद्दे को जी–20 के उच्चतम राजनीतिक मंच पर उठाना साबित करता है कि भारत तकनीकी नैतिकता और मानव सुरक्षा को लेकर वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में आना चाहता है।

जी–20 के देश, अमेरिका से लेकर यूरोप, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया तक सभी डीपफेक, डेटा चोरी, साइबर फ्रॉड और डिजिटल चुनावी हेरफेर जैसी तमाम चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। भारत खुद सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में डीपफेक के जोखिमों को झेल रहा है। मतलब यह समस्या सार्वभौमिक है और इसे राष्ट्रीय सीमाओं के भीतर रहकर हल नहीं किया जा सकता। साइबर युद्ध में एआई हथियार बन रहा है। आतंकवादी संगठन एआई मॉडल्स का उपयोग भर्ती, फेक आइडेंटिटी, हैकिंग और ड्रोन ऑपरेशन के लिए करने लगे हैं। यदि संयुक्त नियम नहीं बनाए गए, तो तकनीकी अराजकता वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा बन सकती है, इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा डेटा सुरक्षा, एआई डेवलपमेंट, एथिक्स और डीपफेक नियंत्रण जैसे मानकों पर वैश्विक संधि का प्रस्ताव एक निर्णायक कदम हो सकता है, क्योंकि यह तकनीकी समाधान के साथ-साथ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रश्न है। जी–20 देश मिलकर ग्लोबल एआई रिस्क रजिस्टर, क्रॉस–बॉर्डर साइबर अटैक प्रोटोकॉल और डीपफेक ट्रैकिंग नेटवर्क जैसे कई मॉडल विकसित कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियां वित्त-केंद्रित की जगह मानव–केंद्रित होनी चाहिए, बहुत दूरगामी सोच है। यह मुनाफे को प्राथमिकता देने वाली पूंजी संचालित टेक–इकोसिस्टम कंपनियों की उन खामियों की ओर इशारा है, जिसका दुष्प्रभाव समाज, गोपनीयता तथा नैतिकता पर पड़ता है। मानव–केंद्रित तकनीक का मतलब है, समावेशी डिज़ाइन, डिजिटल सुरक्षा, पर्यावरणीय संतुलन और सामाजिक हित को सर्वोपरि रखना। बदल चुके भू-राजनीतिक परिदृश्य में प्रधानमंत्री का संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बदलाव की अनिवार्यता पर जोर उचित है। भारत जैसे देशों की आर्थिक, जनसांख्यिकीय और रणनीतिक भूमिका आज पहले से कहीं अधिक शक्तिशाली है, लेकिन वैश्विक छवि मजबूत होने के बावजूद भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता आसान नहीं, क्योंकि यह मौजूदा शक्तियों, विशेषकर चीन की राजनीति और वीटो संरचना से जुड़ा सवाल बन जाता है। प्रधानमंत्री ने इब्सा यानी भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका की भूमिका भी रेखांकित की, ये मिलकर ग्लोबल साउथ की आवाज़ को मजबूत कर सकते हैं और संयुक्त राष्ट्र सुधार पर सामूहिक दबाव बढ़ा सकते हैं। तीनों देशों की लोकतांत्रिक साख और उभरती अर्थव्यवस्थाएं इस दिशा में नैतिक और राजनीतिक जोर प्रदान कर सकती हैं।

प्रसंगवश

तेग बहादुर सी क्रिया करी न किनहूं आन

संसार भर के इतिहास में ऐसी कोई मिसाल नहीं मिलती कि किसी महापुरुष ने दूसरे धर्म के लिए अपनी कुर्बानी दी हो। सिखों के नौवें गुरु साहिब श्री गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश (जन्म) माता नानकी जी की कोख से सिखों के छठे गुरु मीरी पीरी के मालिक गुरु हरि गोबिन्द साहिब जी के घर पहली अप्रैल 1621 को अमृतसर साहिब में हुआ। बचपन उनका राजकुमार जैसा ही व्यतीत हुआ। शस्त्र विद्या उन्होंने बचपन में ही सीख ली थी, बहुत उदार होने के बावजूद शस्त्र विद्या विशेष कर तलवार चलाने में उनको महारत हासिल थी। तलवार के धनी होने के कारण पिता गुरु हरिगोबिंद जी ने इनका नाम तेग बहादुर रखा।

जब हिंदू संस्कृति मुगलों के हमलों की मार सहारने में असमर्थ महसूस करने लगी, तत्कालीन बादशाह औरंगजेब की जिद थी कि वह भारत में केवल इस्लाम धर्म ही रहने देगा। कश्मीरी पंडितों पर बढ़ते दबाव के कारण पंडित कृपा राम की अगुआई में औरंगजेब द्वारा मिली कुछ समय की मोहलत लेकर उसके अत्याचार से दुखी होकर अपने साथियों के जत्थे के साथ सभी आनंदपुर साहिब श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की शरण में पहुंच गए। उन्होंने हिंदू धर्म की रक्षा करने की उनसे फरियाद की।

मालिक सिंह कालड़ा
अध्यक्ष, गुरुद्वारा मॉडल टाउन, बरेली

बातचीत के दौरान ही गुरु तेग बहादुर साहिब के नौ वर्षीय पुत्र गोबिंद राय जी भी आ गए। माहौल गमगीन देखकर उन्होंने गुरु पिता से इसका कारण पूछा। गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि सनातन धर्म बहुत खतरे में है। बादशाह औरंगजेब सबको इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर कर रहा है। गोबिंद राय जी ने जब गुरु पिता से इसका समस्या का हल पूछा तो गुरु जी ने बताया कि इसका हल भी एक ही है कि कोई महान पुरुष अपना बलिदान दे, तभी सनातन धर्म बच सकता है। इस पर गोबिन्दराय ने कहा, फिर देरी किस बात की। आप से अधिक महान शख्सियत और कौन हो सकता है। आप अपना बलिदान देकर इनके धर्म की रक्षा करें।

यह सुनकर गुरु-पिता बहुत प्रसन्न हुए और पंडित जी से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि अगर गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम कबूल कर लिया तो हम सब भी इस्लाम कबूल कर लेंगे। अपने नौ वर्षीय पुत्र गोबिंदराय को औपचारिक रूप से गुरता गद्दी प्रदान कर गुरु तेग बगदुर जी पांच सिखों भाई मतीदास जी भाई, सती दास जी, भाई दयाला जी, भाई गुरदित्ता जी एवं भाई ऊदा जी के साथ दिल्ली की ओर कूच कर गए।

औरंगजेब को जब इस बात का पता चला, उसने तुरंत गुरु तेग बहादुर जी की गिरफ्तारी का वारंट जारी कर दिया। गुरु तेग बहादुर जी भी इधर आगरा होते हुए औरंगजेब के दरबार दिल्ली पहुंच गए। बादशाह ने बहुत नरमी से उन्हें चंदन की चौकी पर बिठाया। अपने कर्मचारियों द्वारा किए गए नावाजिब सलूक के लिए उसने माफी भी मांगी और कहा कि आप बाबा नानक के गद्दी-नशीं हो। आप इस्लाम धर्म कबूल कर लो, ताकि आप हिंदुओं के साथ मुसलमानों के भी पीर बन जाओगे। इस पर गुरु जी ने कहा कि उस परमात्मा/खुदा के बनाए तौर-तरीकों को बदलने का प्रयास करना तुम्हारा गलत है। यदि उस खुदा की भी यही चाहत होती तो वह अलग-अलग धर्म बनाता ही क्यों? उसकी रजा में दखल का तुम्हें कोई अधिकार नहीं है। हर एक को अपना ही धर्म प्यारा है। बादशाह प्रजा का पिता होता है। उसकी जिम्मेदारी है। सबको एक सा समझे। हर धर्म के लोगों को उनके हिसाब से ही उनकी आराधना करने दी जाए। आपके मत के प्रचार-प्रसार से यदि कोई इस्लाम कबूल करे तो कोई एतराज नहीं, लेकिन जबरिया धर्म परिवर्तन करना महापाप है।

दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है राम मंदिर

राजेंद्र कुमार पांडेय
अयोध्या

श्री राम मंदिर कई मायनों में दुनिया के अन्य मंदिरों से भिन्न है। मंदिर विश्वव्यापी श्री राम की जन्म भूमि पर बनना, समाज को एक सूत्र में बांधने वाला मंदिर होना, इसे विश्व के दूसरे मंदिरों से अलग करता है। दुनिया का शायद यह ऐसा पहला मंदिर है, जहां समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी अपनी कथा कह रही है। सामाजिक एकता के सूत्रधार समाज को प्रेरणा देने वाले और ईश्वरत्व को प्राप्त राम के मंदिर परिसर में उनके लीला सहचरों के विग्रह भी इसे अन्य मंदिरों से अलग करता है।

क्षेत्रफल और बनावट की दृष्टि से दुनिया में अन्य बहुत से हिंदू मंदिर हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि कंबोडिया का अंकोरवाट मंदिर दुनिया का सबसे बड़ा 402 एकड़ में फैला मंदिर है। अमेरिका के न्यू जर्सी में स्थापित बीएपीएस स्वामी नारायण अक्षरधाम मंदिर 183 एकड़ में फैला है। तमिलनाडु के चिरुचिरापल्ली में 156 एकड़ में फैला श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर का फैलाव 156 एकड़ में है। इसी राज्य के वेल्लोर में श्री लक्ष्मी नारायण देवी मंदिर श्री पुरम् का मंदिर 40 एकड़ में फैला है। इंडोनेशिया का परब्रह्मनन मंदिर, भारत का प्रेम मंदिर वृंदावन जैसे तमाम ऐसे मंदिर हैं, जो श्रद्धा के केंद्र होने के साथ ही बड़े क्षेत्रफल में फैले हैं।

कंबोडिया के अंकोरवाट मंदिर भगवान महाविष्णु को समर्पित है। इसी तरह तमिलनाडु का श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर में भी महाविष्णु ही हैं। वेल्लोर के थिरूमलाईकोडी स्थित श्री लक्ष्मी नारायणी देवी मंदिर में लक्ष्मी नारायण विराजते हैं। इंडोनेशिया के ब्रंबनन मंदिर में ब्रह्मा, विष्णु और महेश के विग्रह हैं। दिल्ली के छत्तरपुर में 70 एकड़ में फैले मंदिर में भगवती कात्यायनी का विग्रह है। इसी तरह न्यू जर्सी और दिल्ली के मंदिर में भगवान स्वामी नारायण की मूर्तियां हैं।

खास बात है यह कि इन बड़े मंदिरों में ज्यादातर वैष्णव संप्रदाय के भगवान महाविष्णु के मंदिर हैं। महाविष्णु के ही अवतार श्री राम हैं। श्री राम का जन्म अयोध्या में हुआ। दुनिया में भगवान महाविष्णु की तरह श्री राम भी व्याप्त हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, मारीशस जैसे दुनिया के विभिन्न देशों में श्री राम आस्था और विश्वास के प्रतीक हैं। इंडोनेशिया में राजा उनके नाम की उपाधि धारण करते हैं। नगरों के नाम श्री राम और रामायण के पात्रों पर हैं। हिंदुओं में अयोध्या को पवित्र स्थल माना जाता है। यह सृष्टि के उदभव काल से ही माना जा रहा है।

अयोध्या में श्री राम के पांच हजार से भी ज्यादा मंदिर हैं। पवित्र अयोध्या में हर घर में श्री राम का मंदिर है, लेकिन उनके जन्म स्थान पर अब तक विवाद के चलते वैसा मंदिर नहीं था, जिसकी गणना दुनिया के इन मंदिरों के साथ की जा सके। मंदिर की दृष्टि से पूरी दुनिया को संस्कृति और संस्कार की रोशनी देने वाले श्रीराम की जन्मभूमि पर अंधेरा रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ध्वज आरोहण के साथ राम मंदिर अपनी पूर्णता को प्राप्त कर रहा है।

राम मंदिर का क्षेत्रफल 70 एकड़ है। 2.7 एकड़ के गर्भगृह में राम लला के मंदिर का निर्माण है। राम लला का विग्रह यहीं स्थापित है। राम मंदिर के लिए दुनिया के लोगों का आकर्षण सबसे ज्यादा अनुभव किया जा रहा है। आने वाले श्रद्धालुओं के आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। अयोध्या में उनके जन्म स्थान पर बने श्री राम मंदिर की बड़ी खासियत है कि यह श्री राम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि-मुनियों से लेकर पशु-पक्षियों तक को स्थान मिला।

यह वही ऋषि-मुनि हैं, जिन्होंने समाज को धर्म और अध्यात्म विज्ञान का ज्ञान दिया। समाज को संस्कृति और संस्कार दिया। स्वयं श्री राम को इन्हीं ऋषि-मुनियों ने अयोध्या के राम लला से वैश्विक श्री राम बनाया। भले ही वह महाविष्णु के अवतार थे, लेकिन मानव रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम बनाने का श्रेय भी इन्हीं ऋषियों को है, जिनके विग्रह अब अयोध्या के श्री राम मंदिर में प्रतिष्ठित किए गए हैं। यह केवल श्री राम की लीला सहचर ही नहीं थे। समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके मंदिर तो अलग-अलग स्थानों पर मिल सकते हैं, लेकिन श्री राम के साथ उनके मंदिर शायद कहीं और उन्हें नहीं मिला। यह दुनिया का पहला मंदिर है, जहां सप्तर्षियों में शामिल महर्षि वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, अगस्त्य की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। ऋषियों के साथ श्री राम का विराजना विशिष्ट है।

राम मंदिर में राम लला, श्री राम दरबार में सीता, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के विग्रह हैं। इनके साथ ही हनुमान जी और माता अन्नपूर्णा की मूर्तियां स्थापित हैं। लक्ष्मण का शेषावतार मंदिर, कुबेर टीला पर भगवान भोले का मंदिर है। मंदिर की एक विशिष्टता यह भी है कि श्री राम के जन्म स्थान पर अन्य हिंदू देवी देवताओं के साथ पंचायतन गणपति, सूर्य, शिव, जगदंबा, राम के मंदिर भी हैं।

अयोध्या का श्री राम मंदिर अतीत से भविष्य के समाज को जोड़ने की दृष्टि से भी खास है। इस दौर में जब विभिन्न तरह से समाज को तोड़ने के प्रयास किए जा रहे हों, यहां श्री राम मंदिर में समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली अहिल्या, माता शबरी, निषादराज गुह की मूर्तियां समाज को जोड़ने में सहायक होंगी।

राम लला और देवी-देवताओं के साथ अधम की श्रेणी में माने जाने वाले जटायु और समाज में तुच्छ समझी जाने वाली गिलहरी की मूर्ति की स्थापना से जीवों के प्रति प्रेम की भावना समाज में जागेगी। श्री राम मंदिर, श्री राम के विराट व्यक्तित्व के साथ समाज का प्रतिनिधित्व करेगा। यहां पहुंचे नासिक के संत स्वामी नारायणदास कहते हैं, "राम लला के मंदिर का आकर्षण राम लला तो हैं ही, लेकिन यहां ऋषि, मुनि के साथ पशु पक्षियों से मानवता के प्रति प्रेम का संदेश मिलता है। यह श्री राम की वैश्विक छवि के अनुरूप है।"

राम मंदिर की बड़ी खासियत यह है कि यह श्रीराम की तरह समाज का प्रतिनिधित्व करता है। यह शायद अकेला मंदिर है, जहां देवी-देवताओं के साथ मानव, ऋषि मुनियों से पशु-पक्षियों तक को परिसर में स्थान मिला है।

आमने

बिहार में 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया। उनसे पहचान छीन ली गई। मैं आप सबसे कहना चाहता हूं, अगर कोई आपका नाम काटने लिए आए तो उसे बंद करो और मुझे फोन कर दो। मेरे आने के बाद ही ताला खोलना।

–इरफान अंसारी
झारखंड के मंत्री

सामने

मंत्री सरकारी अधिकारियों को बंधक बनाने की बात कर रहे हैं। यह अराजकता को बढ़ावा देना है। मंत्री ने संविधान और कानून को बनाए रखने की शपथ ली है और जब वह इस तरह संवैधानिक नियमों के खिलाफ बोलते हैं, तो उन्हें निकाल देना चाहिए।

–प्रतुलनाथ शाहदेव
भाजपा प्रवक्ता

संघ के संकल्प से सिद्ध हुआ राम मंदिर निर्माण

सर्वेश कुमार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया। इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने। इसके लिए संघ के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर दत्तात्रेय देवरस (बाला साहब देवरस) ने सभी परिस्थितियों, संघ की सामर्थ्य, समाज की आकांक्षा और मनोदशा का गहन अध्ययन, विश्लेषण कर उन कार्यकर्ताओं को श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को आगे बढ़ाने और लक्ष्य तक पहुंचने की अनुमति दी, जो इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खासकर मुरादाबाद, मेरठ और कुमायूं मंडलों में चला रहे थे।

संघ के सरसंघचालक से आंदोलन की सफलता और संघ का मार्गदर्शन मांगने वालों में मुरादाबाद निवासी दो सूत्रधार थे, एक मुरादाबाद के पूर्व विभाग प्रचारक और तत्कालीन हिंदू जागरण मंच के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संयोजक दिनेश चंद्र त्यागी (शिक्षा एम एससी फिजिक्स), दूसरे कांग्रेस के प्रखर नेता पूर्व मंत्री, तीन बार कांग्रेस से विधायक रहे मुरादाबाद निवासी दाऊ दयाल खन्ना। बाला साहब से आंदोलन की योजना और विस्तार के लिए यह चर्चा बदायूं में 26 दिसंबर 1983 को लगे संघ के शीत शिविर में हुई। यहां बाला साहब देवरस दो दिन के प्रवास पर शिविर में आए थे।

इस वार्ता में संघ के सरसंघचालक ने कहा कि आंदोलन को संघ को चलाना चाहिए अथवा नहीं इस पर गंभीरता से विचार आवश्यक है। यदि आंदोलन को चलाना है तो यह मानकर आगे बढ़ाया जाए कि इसे हर हाल में सफल करना है, चाहे फिर कितना भी संघर्ष और त्याग क्यों ने करना पड़े। साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया कि लक्ष्य प्राप्ति में कम से कम 30 से 40 वर्ष लगेंगे, इसलिए संघ को विचार करना पड़ेगा। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी विचार विमर्श किया। उनका मानना था कि यदि संघ इसे अपने हाथ में ले तो सफलता तक संघर्ष जारी रखना पड़ेगा। इसके बाद बाला साहब ने दाऊ दयाल खन्ना और दिनेश चंद्र त्यागी से कहा कि आंदोलन चलाइए संघ सहयोग करेगा।

आगे चलकर आंदोलन की प्रखरता और लोकप्रियता को देखते हुए इसे संघ ने अपने समविचार परिवार के संगठन विश्व हिंदू परिषद् को आंदोलन चलाने के लिए कहा। दिल्ली के विज्ञान भवन में सात और आठ अप्रैल 1984 को हुई धर्म संसद में विश्व हिंदू परिषद् ने आंदोलन अपने हाथ में ले लिया। यही विहिप की देखरेख में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति का गठन किया गया। इसके अध्यक्ष गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ और महामंत्री दाऊ दयाल खन्ना को बनाया गया। आगे का आंदोलन इस समिति के नेतृत्व में आरंभ हुआ।

राम मंदिर के संकल्प को साकार करने के लिए संघ ने व्यापक योजना बनाई। आंदोलन के लिए लगभग एक दर्जन से अधिक प्रचारकों को विश्व हिंदू परिषद् में भेजा गया। इन प्रचारकों ने अपने जीवन को इस लक्ष्य के लिए समर्पित कर दिया। बंगलौर में 1981 में हुई संघ की बैठक में दिल्ली प्रांत प्रचारक अशोक सिंघल को दायित्व से मुक्त कर विश्व हिंदू परिषद् में नया दायित्व दिया गया। आंदोलन की पूरी सांगठनिक संचरचना के मूल केंद्र रहे चंपतराय को भी 1986 में पश्चिम उत्तर प्रदेश में मेरठ विभाग प्रचारक से विश्व हिंदू परिषद में भेज दिया।

वर्ष 1984 में संघ ने आंदोलन की कमान विश्व हिंदू परिषद को सौंपने का महत्वपूर्ण और दूरगामी लक्ष्य प्राप्ति के संकल्प के लिए निर्णय लिया। यह निर्णय आसान नहीं था, क्योंकि संघ ने अपने एक महत्वपूर्ण संगठन को एक ऐसे आंदोलन के लिए दांव पर लगा दिया था, जिसकी सफलता की राह बहुत कठिन थी। संघर्ष बहुत लंबा था। सुयोग्य, साहसी, समर्पित प्रचारकों की एक बड़ी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन संघ ने हिंदू समाज के स्वाभिमान की रक्षा के लिए ये निर्णय किया।

प्रचारक गिरिराज किशोर, ओंकार भावे, सूर्यकृष्ण, श्यामजी गुप्त, राजेंद्र सिंह पंकज, उमाशंकर, पुरुषोत्तम नारायण सिंह, तुलसीराम नाना भागवत, सदानंद काकडे, गुरुजन सिंह, सूबेदार सिंह सरीखे प्रखर प्रचारकों की एक बड़ी टीम संघ से विहिप में भेजी गई। बाद में भी कई प्रमुख प्रचारक संघ से आंदोलन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए विश्व हिंदू परिषद् में भेजे गए। इनमें दिल्ली के क्षेत्र प्रचारक बड़े दिनेश कुमार जी का नाम प्रमुख है।

संघ में ही रहकर वरिष्ठ प्रचारक मोरोपंत पिंगले ने आंदोलन की योजना और रचना की। वे विहिप के मार्गदर्शक बनाए गए। मोरोपंत जी की ही योजना से विहिप ने एकात्मकता यात्राएं निकाल कर जन जागरण किया। राम ज्योति और शिला पूजन जैसे आयोजन हुए। इन कार्यक्रमों ने हिंदू समाज की सुप्तावस्था में रही शाश्वत चेतना और स्वाभिमान को जगा दिया। फलस्वरूप जागरूक समाज ने वर्ष 1990 और 1992 में अपने इष्ट के मंदिर निर्माण के लिए कूच कर दिया। दो बार कारसेवा संपन्न हुई। आंदोलन में दो अलग-अलग मोर्चों पर संघर्ष की रणनीति विहिप ने बनाई। एक थी प्रत्यक्ष आंदोलन, यानी सभा, सम्मेलन, प्रदर्शन, गोष्ठी, धार्मिक आयोजन, धर्म संसद, संत सम्मेलन आदि। दूसरी न्यायालय में विचाराधीन वादों की सुव्यवस्थित ढंग से पैरवी करना।

मंदिर निर्माण का ये लक्ष्य क्या इतनी ही आसानी से प्राप्त हो गया? इस दिन को देखने और स्वप्न को साकार करने के लिए विधिवत योजना बनी और यह योजना बनाई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने।

सोशल फोरम

तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए बेहाल हो जाए!

इमरोज़ ने अमृता को ख़त लिखा- किसी चीज़ में मन नहीं लगता, घर ख़ाली लगता है। कोई क्यों इतना पागल हो जाता है किसी के लिए? क्यों? पर तुम्हें क्या? ओ, चुप हो जाने वाली! ओ, ख़त न लिखने वाली! ओ, मेरी सेबों वाली! तुम्हें क्या? कोई तुम्हारे लिए हाल से बेहाल हो जाए! अच्छा, तुम एक बार आओ तो सही। मैं अपनी बदनसीबी से दो-दो हाथ कर लूंगा।

सुजाता चोखेरबाली
ब्लॉगर

एक ख़त में लिखते हैं- ऐ मेरी दौलत आओ जितनी ख़र्ची जाए, उतनी जीने के लिए ख़र्च लें। आओ, एक-दूसरे का नोट भुना लें।

दोनों पागल थे एक दूसरे के प्यार में। कभी किसी नाम से संबोधित करते, कभी किसी तरह से। इमरोज़ ने समूची अमृता को प्यार किया। स्टेशन पर इंतज़ार किया तो अमृता की नज़्में, साड़ियां, कुर्ते, चूड़ियां सबके साथ उसके लिए इंतज़ार किया। उसकी बेटी को अपनी बेटी की तरह पालते हुए इंतज़ार किया। उसकी रचनाओं के लिए इंतज़ार किया। अमृता ने भी इमरोज़ के दराज में पड़े रंगों को सहलाया, पोंछा और यह चाहत की कि वह पेंटिंग करता रहे, जिनमें वह अर्थ तलाशती रहे। अमृता ने इमरोज़ को टूटकर प्यार किया।

उसने लिखा- जी करता है तुम अभी कहीं से उजागर हो जाओ। चाहे धरती से उगो चाहे अंबर से गिरो। कभी लिखा- तुम्हारी कला को सौ-सौ नमस्कार! तुम्हारे हाथों के आगे मस्तक झुकाती हूं। कलाकार के हाथ उसकी कोख होते हैं।

दोनों के ख़तों में मिलता है बेइंतहा प्यार, बेक़रारी, साथ न हो पाने की मजबूरी और ख़लिश, साथ होने की बेसब्री, नाराज़गी और मनाना। मैं पढ़ रही थी और सब बहुत अच्छा चल रहा था कि अचानक इमरोज़ लिखते हैं एक ख़त में- कल रात सपने में देखा तुम गोभी के पराठे बना रही थीं, मैं और सैली दाएं-बाएं बैठे खा रहे थे। आज दिन भर भूख नहीं लगी। कल रात ज़्यादा खा लिया था न!

मेरा फेमिनिस्ट मन अभी चिढ़ने ही वाला था कि कि हंस पड़ा, मुझे बाक़ी ख़त याद आ गए। अमृता अक्सर विदेशी यात्राओं पर रहती थीं। उन्हें ख़ूब न्यौते आते थे। इमरोज़ लिखते हैं- ये तीन महीने अमृता के अमृता के साथ हैं, तीन महीने के लिए घर की ज़िम्मेदारियां हमारे ऊपर छोड़ दो। भोपी (अमृता की बेटी) के इस अंकल में मम्मी भी शामिल जो गई हैं। मैं तुम्हारी तरह दिन भर काम करता हूं और दिन भर घर पर रहता हूं। घर के लिए और अपनी दोनों बेटियों के लिए। मेरा हर ख़त तुम्हारे नाम एक टोस्ट होगा।

सामयिकी

ग्रामीण इलाकों की पहली जरूरत हैं अस्पताल

गांव की चौपाल पर बैठे बुजुर्ग अक्सर कहा करते हैं कि लहलहाती फसल जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वास्थ्य और उसको बनाए रखने के लिए अस्पताल भी हैं। खेती से अनाज मिलता है, लेकिन अस्पताल से जीवन सुरक्षित होता है। जब बच्चे बीमार पड़ते हैं, गर्भवती महिलाओं को देखभाल की जरूरत होती है या बुजुर्ग अचानक बीमार हो जाते हैं, तब घर-परिवार की सारी चिंता सिर्फ एक सवाल पर टिक जाती है कि कैसे जल्दी अस्पताल पहुंच कर मरीज़ को समय पर इलाज मिल जाए। यही चिंता आज भी देश के लाखों गांवों की है।

अक्सर गांवों से अस्पताल काफी दूर होत हैं। वहां तक जाने के लिए सुगम रास्ते न होना सबसे बड़ी समस्या है। गांव के कच्चे रास्तों, धूल-भरी हवाओं और तेज़ गर्मी में यह यात्रा कठिन हो जाती है। वहीं मानसून में ये कच्चे रास्ते कीचड़ से भर जाते हैं, जिससे होकर गुज़रना किसी भी गाड़ी के लिए मुश्किल हो जाता है। गर्भवती महिलाओं के लिए यह दूरी सबसे बड़ा संकट बन जाती है। कई बार सड़कें टूटी होने से सफर लंबा हो जाता है और महिलाओं की रास्ते में ही डिलीवरी हो जाती है। इससे मां और बच्चे दोनों का जीवन दांव पर लग जाता है।

कोमल
एक्टिविस्ट

कई बार साधारण खांसी और बुखार भी बिगड़कर बड़ी समस्या बन जाती है। गांव के बुजुर्ग अक्सर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या सांस की बीमारियों से जूझते हैं। ऐसी बीमारियों में नियमित दवा और समय-समय पर जांच बहुत जरूरी होती है। मगर जब जांच और दवा के लिए भी दूसरे गांव जाना पड़े तो बुजुर्ग अक्सर इलाज टाल देते हैं। धीरे-धीरे उनकी हालत बिगड़ती जाती है और परिवार को अचानक किसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति इसी तरह की चुनौतियों से घिरी हुई है। भारत सरकार की Rural Health Statistics 2021-22 रिपोर्ट बताती है कि देश में उप स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण स्वास्थ्य ढांचे की रीढ़ है। रिपोर्ट के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में विशेषज्ञ देखभाल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे में भारी खामियां थीं। सीएचसी में 83.2 प्रतिशत आवश्यक सर्जन, 74.2 प्रतिशत आवश्यक प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, 79.1 प्रतिशत चिकित्सक और 81.6 प्रतिशत आवश्यक बाल रोग विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे। कुल मिलाकर मौजूदा सीएचसी की आवश्यकता की तुलना में 79.5 प्रतिशत विशेषज्ञों की कमी थी। रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च, 2022 तक भारत में 161,829 उप स्वास्थ्य केंद्र थे जिनमें से 157,935 ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत थे। लगभग 24,935 पीएचसी ग्रामीण क्षेत्रों में और 6,118 शहरी क्षेत्रों में स्थित थे।

वर्ष 2005 से देश में उप स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या में 11,909 की वृद्धि हुई है। इनमें सबसे अधिक राजस्थान (3,011), गुजरात (1,858), मध्य प्रदेश (1,413) और छत्तीसगढ़ (1,306) में वृद्धि हुई है। रिपोर्ट कहती है कि एक उप केंद्र द्वारा कवर की गई औसत ग्रामीण आबादी 5,691 व्यक्ति थी, जबकि औसतन, एक पीएचसी और सीएचसी ने ग्रामीण क्षेत्रों में क्रमशः 36,049 और 164,027 व्यक्तियों को कवर किया था। पांच हज़ार लोगों की आबादी पर एक सब-सेंटर, तीस हज़ार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और एक लाख बीस हज़ार की आबादी पर एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित होने चाहिए। दुर्गम इलाकों में यह मानक और छोटा है, जैसे तीन हज़ार पर एक सब-सेंटर, लेकिन वास्तविक स्थिति इस मानक से बहुत दूर है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***
0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

राम नगरी अयोध्या

अलौकिक से अद्भुत हुई

5 00 वर्ष के लंबे संघर्ष और इंतजार के बाद 25 नवंबर को वो शुभ घड़ी आ गई, जब देश-दुनिया के आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम की नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर पूर्ण हो जाएगा। बाबर की शह पर 1528 में रामनगरी में जिस मंदिर को तोड़ दिया गया था, वहां भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के निमार्ण की पांचवी सदी से चली आ रही प्रतीक्षा समाप्त होने का ऐतिहासिक पल आ गया है। 25 नवंबर मंगलवार को शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12: 30 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के 191 फिट ऊंचे शिखर पर सूर्य के मध्य अंकित 'ॐ' व कोविदार वृक्ष का केसरिया ध्वज चढ़ाएंगे और श्रीराम मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने की घोषणा करेंगे। 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की बेंच द्वारा श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला सुनाने के बाद 25 मार्च 2020 को पूरे 28 साल बाद रामलला टेंट से निकलकर फाइबर मंदिर में शिफ्ट हुए थे। इसके बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम जन्मभूमि परिसर में भूमि पूजन कर श्रीराम मंदिर निर्माण की आधारशिला रखी। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को रामलला की मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। आज करोड़ों लोग भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या आ रहे हैं। आज जो भगवान के दर्शन हो रहे हैं, उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, अदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू हुआ।

विवेक सक्सेना
अयोध्या

अब तक के इतिहास के अहम पड़ाव

- 1528 : अयोध्या में राम जन्मभमूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद
  मुगल शासक बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने 1528 में अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद रखा। 19 वीं सदी में हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।
- 1858 : बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर
  मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है, जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण हैं। इसके बाद तारों की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।
- 1885 : जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात
  1858 में हुई लड़ाई के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब निर्मोही अखाड़े के मंहत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।
- 1949 : मूर्तियों का प्रकटीकरण
  देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे रामलला की मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ। हिंदू पक्ष का कहना था कि राम प्रकट हुए हैं, जबकि मुस्लिमों ने आरोप लगाया था कि किसी ने रातों-रात मूर्तियां रख दीं। इसके बाद इसे विवादित ढांचा मानकर ताला लगवा दिया गया था।
- 1950 : आजादी के बाद पहला मुकदमा
  आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई। 3 मार्च 1951 को गोपाल सिंह विशारद मामले में न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष को पूजा-अर्चना में बाधा न डालने की हिदायत दी। ऐसा ही आदेश परमहंस की तरफ से दायर मुकदमे में भी दिया गया।
- 1959 : निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति
  17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर प्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे।
- 1982 : हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान
  1982 वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलवाने को आंदोलन का फैसला किया।
- 1986 : परिसर का ताला खुला
  कानूनी लड़ाई में एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पांडेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पांडेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

इतिहास में दर्ज हो रही है एक-एक तिथि

राम मंदिर शिलान्यास, फिर प्राण प्रतिष्ठा और अब ध्वजारोहण। एक एक तिथि अब इतिहास में दर्ज हो रही है। अयोध्या की अलौकिकता अद्भुत बन गई है। शिलान्यास के बाद से रामनगरी में निरंतर विशिष्ट आयोजनों की श्रृंखला नए कीर्तिमान गढ़ रही है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जहां रामोत्सव के रंग क्षितिज पर छाए थे, वहीं योगी सरकार द्वारा लगातार आठ भव्य दीपोत्सव के आयोजनों ने अयोध्या को विश्व पटल पर आच्छादित कर दिया। अब जब राम मंदिर पूर्ण स्वरूप में अपनी आभा बिखेर रहा है, तो 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा होने वाला ध्वजारोहण अनुष्ठान उत्सव रामनगरी के लिए ही नहीं, बल्कि सनातन समाज को आह्लादित कर देने वाला है।

राम जन्मभूमि पर बने भव्य राम मंदिर ने अब अपना पूर्ण स्वरूप धारण कर लिया है। शिलान्यास के पावन क्षण से शुरू हुई यात्रा अब ध्वजारोहण के साथ एक और स्वर्णिम अध्याय लिखने को तैयार है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं भगवा ध्वज चढ़ाकर मंदिर को पूर्णता प्रदान करेंगे। यह आयोजन केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि पांच सदी के संकल्प की पराकाष्ठा है। 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने जब राम मंदिर का शिलान्यास किया था, तब करोड़ों रामभक्तों की आंखें नम थीं। उस दिन अयोध्या ने सदियों का इंतजार समाप्त होते देखा। इसके बाद 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के साथ रामलला अपने नवीन मंदिर में विराजमान हुए। देश-दुनिया के कोने-कोने से आए श्रद्धालु उस अलौकिक दृश्य के साक्षी बने, जब प्रभु श्रीराम की मूर्ति में प्राण फूंके गए। अब जब मंदिर का गर्भगृह, नृत्य मंडप, सिंह द्वार और भेय खंड पूरे हो चुके हैं, तब ध्वजारोहण का क्षण आया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा ध्वजारोहण को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर लीं गईं हैं। राम मंदिर में ध्वजारोहण को लेकर विशेष अनुष्ठान भी प्रारंभ हो गया है। अनुष्ठान से पहले निकली कलश यात्रा ने नई आध्यात्मिक चेतना का संचार किया है।

अयोध्यावासियों ने ही नहीं संपूर्ण सनातन समाज को प्राण प्रतिष्ठा की तरह ही अब राम मंदिर पर लहराने वाली धर्म ध्वज पताका की प्रतीक्षा है। राष्ट्रीय बौद्धिक परिषद प्रमुख विजयशंकर पांडेय कहते हैं कि यह सनातन समाज के स्वप्नों का पूर्ण साकार रूप हैं, मंदिर पर ध्वजारोहण विश्व में मर्यादा पुरुषोत्तम के प्रति श्रद्धा के नवीन प्रकटीकरण का संवाहक होगा।

योगी सरकार के अयोध्या को आध्यात्मिक राजधानी का संकल्प भी पूर्ण

योगी आदित्यनाथ सरकार ने आठ वर्षों में अयोध्या को विश्व की आध्यात्मिक राजधानी बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब साकार हो रहा है। दीपोत्सव के आठ आयोजन तो केवल झांकी थे। 2024 में 28 लाख दीपों ने जब सरयू तट को दुल्हन की तरह सजाया था, तब दुनिया ने देखा कि रामनगरी अब वैभव की नई परिभाषा लिख रही है। चौदह कोसी और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, नव्य सरयू घाट, राम की पैड़ी हर ओर भव्यता का विस्तार हुआ है।

ऐतिहासिक है 25 नवंबर ध्वजारोहण दिवस

25 नवंबर का दिन इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह कार्तिक पूर्णिमा के ठीक बाद का दिन है। वैदिक परंपरा में ध्वज को ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। जब 191 फिट ऊंचे ध्वजदंड पर 36 फिट लंबा भगवा

मंदिर में रामलला को प्रणाम कर श्रद्धा निवेदित करते मुख्यमंत्री योगी (फाइल फोटो)

ध्वज फहराया जाएगा, तब ऐसा प्रतीत होगा मानो स्वयं भगवान सूर्य राम मंदिर को अपनी किरणों से अभिनंदन कर रहे हों।

विश्व सांस्कृतिक धरोहर बनी नगरी

अयोध्या अब केवल तीर्थ नहीं, विश्व की सांस्कृतिक धरोहर बन चुकी है। जहां कभी खंडहर थे, वहां आज 67 एकड़ में फैला मंदिर परिसर खड़ा है। तीन मंजिला यह मंदिर नागर शैली में बना है, जिसमें 392 स्तंभ और 44 द्वार हैं। अब ध्वजा की छाया में जब रामलला विराजेंगे, तब सचमुच यह कहना अतिशयोक्ति न होगा कि रामराज्य की पहली किरण फूट पड़ी है। 25 नवंबर को जब प्रधानमंत्री ध्वज चढ़ाएंगे, उस क्षण करोड़ों भारतीयों का हृदय एक ही स्वर में गूंजेगा जय सिया राम। यह ध्वजारोहण केवल एक झंडे का चढ़ाना नहीं होगा, यह 500 वर्षों के तप, त्याग और संघर्ष का विजय पताका होगा, जो सनातन धर्म के पुनर्जागरण का घोष करता हुआ आकाश में लहराएगा।

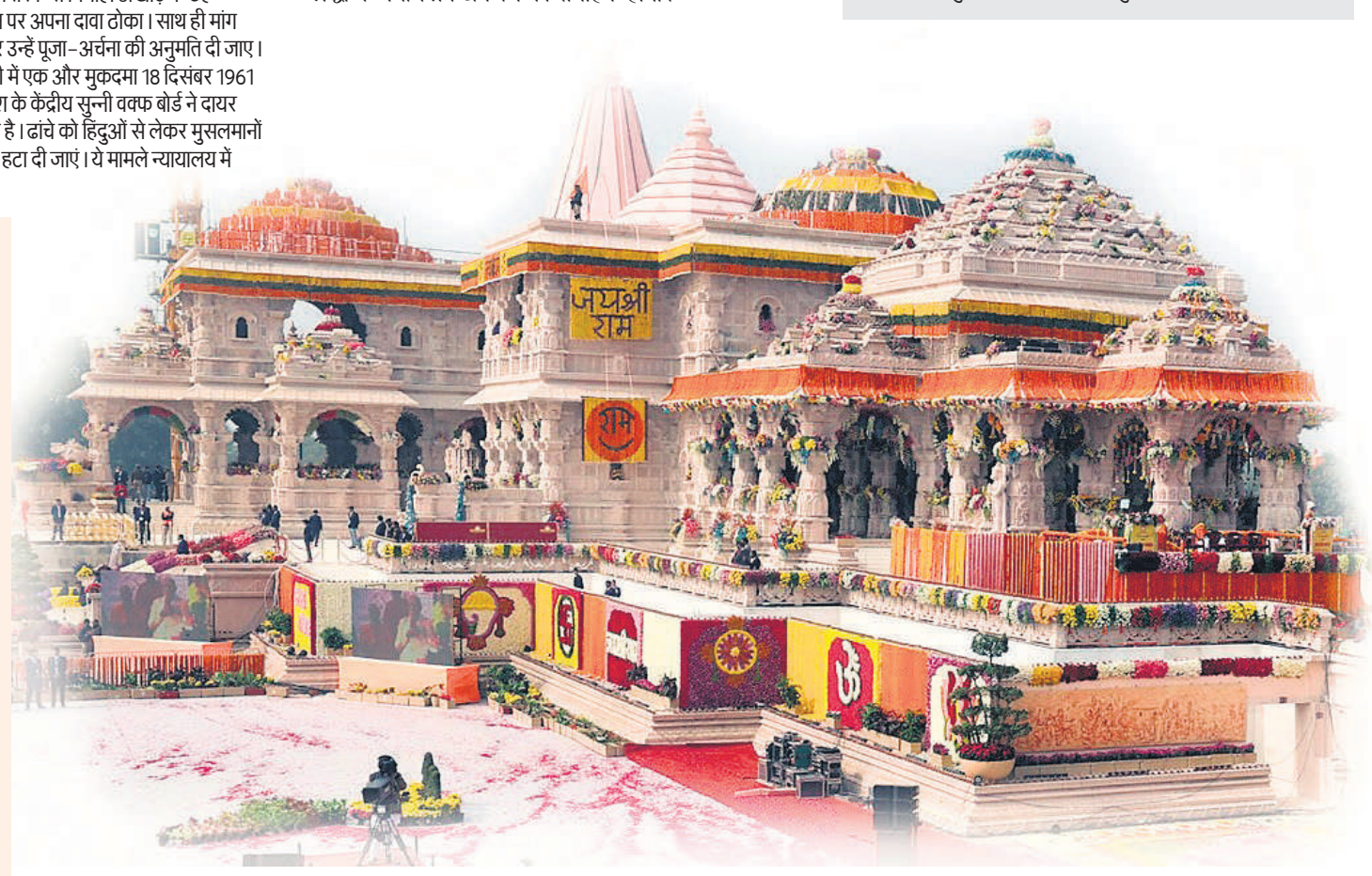

शिलान्यास से भव्य निर्माण तक

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास

जनवरी 1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरू की रथ यात्रा आंदोलन को दी धार

सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त

6 दिसंबर 1992 को अयोध्या पहुंचे हजारों कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

1993: दर्शन-पूजन की मिली अनुमति

बाबरी ढहाए जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी।
7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान व कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरू हुई मालिकाना हक पर सुनवाई

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

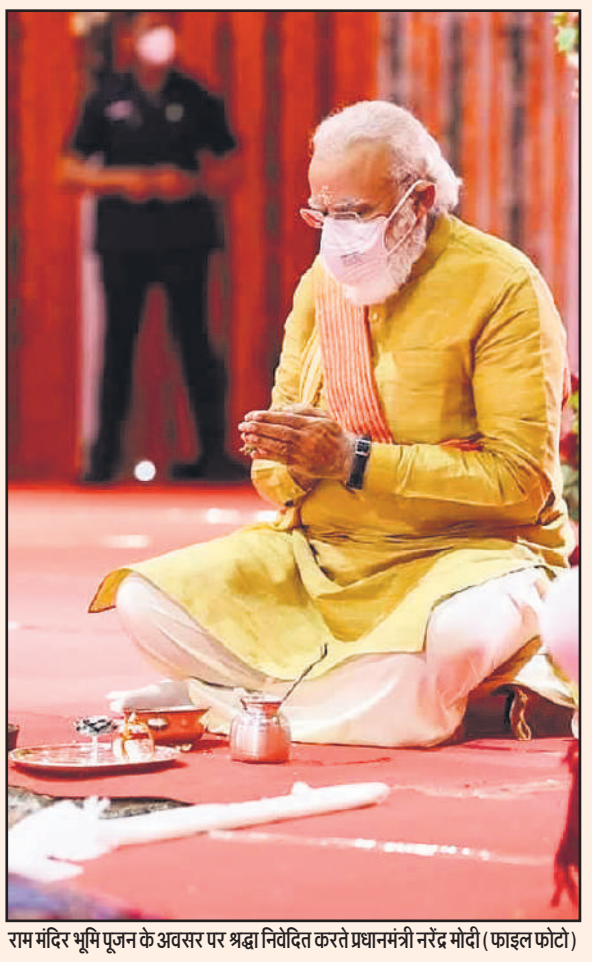

राम मंदिर भूमि पूजन के अवसर पर श्रद्धा निवेदित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (फाइल फोटो)

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा।

2017 : सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश

21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों, तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019 : सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुई और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। 9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2 .77 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। साथ ही यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण कार्य शुरू

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। इसके छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी।

2024: रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा होने के बाद इसमें रामलला को स्थापित किया गया। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख थी, जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल गया था।

सोत्र- गजेटियर, हिन्दू चेतना स्मारिका

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	84,900.71	25,959.50
गिरावट	331.21	108.65
प्रतिशत में	0.39	0.42

सोना 1,25,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,55,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 25 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

जलवायु-केंद्रित कोष ले आएगा एसबीआई वेंचर्स

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) प्रवर्तित वैकल्पिक संपत्ति प्रबंधक एसबीआई वेंचर्स की स्टार्टअप में निवेश को अपने तीसरे जलवायु-केंद्रित कोष के लिए 2,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। एसबीआई वेंचर्स के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ प्रेम प्रभाकर ने आईवीसीए ग्रीन रिटर्न्स शिखर सम्मेलन' के दूसरे संस्करण में कहा कि इससे हरित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा जो एक नया वित्तीय अवसर है। इसके लिए घरेलू एवं वैश्विक निवेशकों से संपर्क किया जाएगा। हमारा लक्ष्य कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में 2,000 करोड़ रुपये का कोष लाना है। यह कोष प्रारंभिक एवं विकास-चरण वाले जलवायु स्टार्टअप में निवेश करेगा।

पैसालो ने बाजार लेनदेन से बढ़ाई अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। पैसालो डिजिटल लिमिटेड के प्रवर्तक समूह का हिस्सा इक्विलिब्रेटेड वेंचर ने पिछले सप्ताह खुले बाजार लेनदेन के जरिये गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के 54 लाख शेयर खरीदे हैं। शेयर बाजार को दी सूचना के अनुसार इकाई ने 19 नवंबर को पैसालो के 1.4 लाख शेयर, 18 नवंबर को 8.37 लाख शेयर और 13 नवंबर को 43.94 लाख शेयर खरीदे। इस खरीद के साथ इक्विलिब्रेटेड की कुल शेयरधारिता जुलाई-सितंबर तिमाही के 19.94 से बढ़कर 20.53% हो गई। यह खरीद कंपनी में प्रवर्तक स्वामित्व में वृद्धि की भी पुष्टि करती है। पैसालो के वर्तमान में 1.14 लाख से अधिक शेयरधारक हैं।

रेलवे को नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति करेगा एक्मे

नई दिल्ली। एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी एक्मे सोलर होल्डिंग्स ने रेलवे (आरईएमसीएल) की24 घंटे नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति को लेकर जारी निविदा में 130 मेगावाट क्षमता के लिए सफल बोली लगायी है। आरईएमसीएल लि. राइट्स लि. और रेल मंत्रालय का संयुक्त उद्यम है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि एक्मे सोलर ने बोली 4.35 रुपये प्रति यूनिट की दर से लगाई। आरईएमसी लिमिटेड की 24 घंटे 1,000 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना के लिए जारी निविदा में एक्मे सोलर 130 मेगावाट के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। रेलवे अपनी विशिष्ट भार आवश्यकताओं के कारण पूरे दिन एक समान बिजली की जरूरत होती है।

भारत, कनाडा एफटीए वार्ता फिर करेंगे शुरू

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हो गए हैं। इसका मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है।

गोयल ने सोमवार को यहां एक कार्यक्रम में कहा कि एफटीए या व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) में कई रणनीतिक पहलू होते हैं और यह दोनों देशों के बीच विश्वास को दर्शाता है। इस समझौते से दोनों पक्षों के निवेशकों और कारोबारियों का विश्वास बढ़ेगा। मंत्री ने कहा कि हम उच्च-महत्वाकांक्षी सीईपीए पर वार्ता शुरू करने और 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देश स्वाभाविक सहयोगी हैं और एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। भारत और कनाडा की ताकतें व्यवसायों एवं निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बन सकती हैं। हम कनाडा से बहुत कुछ सीख सकते हैं और कनाडा को बहुत कुछ दे सकते हैं। महत्वपूर्ण खनिजों और महत्वपूर्ण खनिजों की प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों में अपार संभावनाएं हैं। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में, खासकर यूरेनियम आपूर्ति के क्षेत्र में कनाडा के साथ हमारे सहयोग को लेकर अच्छी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा कि हम दोनों ओर अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला सकते हैं।'' कनाडा ने 2023 में भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत रोक दी थी। 2023 में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत के संभावित संबंध होने के कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव उत्पन्न हुआ था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया था। मार्च 2022 में दोनों देशों ने एक अंतरिम समझौते के लिए वार्ता फिर से शुरू की थी, जिसे आधिकारिक तौर पर प्रारंभिक प्रगति व्यापार समझौता (ईपीटीए) कहा गया था। व्यापार समझौते पर अब तक छह से अधिक दौर की वार्ता हो चुकी है। आम तौर पर किसी व्यापार समझौते में दो देश अपने बीच व्यापार की अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क में उल्लेखनीय कमी करते हैं या उसे समाप्त कर देते हैं। वे सेवाओं में व्यापार को बढ़ावा देने और निवेश आकर्षित करने के लिए मानदंडों को भी उदार बनाते हैं।

मोदी-कार्नी की वार्ता के बाद संबंधों में आई नई ऊर्जा

कनाडा को भारत का निर्यात 2024-25 में 9.8% बढ़कर 4.22 अरब डॉलर हो गया जो 2023-24 में 3.84 अरब डॉलर था। वहीं आयात 2.33% घटकर 4.44 अरब डॉलर रह गया जो 2023-24 में 4.55 अरब डॉलर था। जून में कनाडा के कनानसकीस में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की अपने कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के साथ हुई बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में नई ऊर्जा आई। भारत और कनाडा के बीच वस्तुओं एवं सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 2023 में 18.38 अरब डॉलर का था। व्यापारिक संबंधों को गति देने के लिए गोयल ने कनाडा के निर्यात संवर्धन, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक वृद्धि मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ दो दौर की चर्चा की है। सिद्धू हाल ही में यहां यात्रा पर आए थे। दोनों मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में यहां व्यापार एवं निवेश पर भारत-कनाडा मंत्रिस्तरीय संवाद (एमडीटीआई) की सह-अध्यक्षता भी की थी। गोयल ने कहा कि हम डेटा सेंटर, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग सभी नए युग की प्रौद्योगिकियों के साथ एआई (कृत्रिम मेधा) जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जहां भारत के पास एआई उभरती प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाने के इच्छुक निवेशकों के लिए बहुत ही रणनीतिक लाभ हैं।

सिम के दुरुपयोग पर मोबाइल उपयोगकर्ता होगा जवाबदेह

- दूरसंचार विभाग ने सीएलआई का उपयोग न करने की हिदायत भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर मोबाइल फोन उपभोक्ता के नाम पर खरीदा गए सिम का इस्तेमाल साइबर धोखाधड़ी या अवैध गतिविधि में होता है, तो उसके लिए मूल ग्राहक को कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। सोमवार को आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

दूरसंचार विभाग ने कहा कि मोबाइल फोन की आईएमईआई संख्या में छेड़छाड़, फर्जी दस्तावेजों पर सिम लेना या दूसरों को सिम सौंपना गंभीर उल्लंघन है और इसके दुष्परिणाम मूल ग्राहक पर लागू होंगे। अगर उनके नाम पर लिए गए सिम कार्ड का बाद में गलत इस्तेमाल होता है, तो असली ग्राहक को भी दोषी माना जा सकता है। विभाग ने ग्राहकों से कॉलिंग लाइन आइडेंटिटी (सीएलआई) या पहचान बदलने वाले दूसरे एप एवं वेबसाइट का उपयोग न करने की हिदायत दी है। दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत मोबाइल उपयोगकर्ता की पहचान में मददगार आईएमईआई एवं अन्य तरीकों से छेड़छाड़ पर 3 वर्ष कैद और 50 लाख का जुर्माना हो सकता है।

स्पैम कॉल की डीएनडी एप से करें शिकायत : ट्राई

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को कहा कि केवल नंबर ब्लॉक करने से स्पैम कॉल और धोखाधड़ी वाले संदेशों पर रोक नहीं लगती है। इसके लिए ग्राहकों को ट्राई डीएनडी एप से ही स्पैम की शिकायतें दर्ज करानी चाहिए। ट्राई डीएनडी एप भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) का आधिकारिक मंच है। ट्राई ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों पर स्पैम और फर्जीवाड़े वाले संदेश भेजने पर 21 लाख से अधिक मोबाइल नंबर काटे जा चुके हैं और एक लाख इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

गैर-अमेरिकी बाजार समुद्री निर्यात के लिए नए इंजन बनकर उभरे

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 16.18 प्रतिशत बढ़ा

भारत के समुद्री क्षेत्र का निर्यात 2025-26 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में 16.18% बढ़कर 4.87 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, चीन, वियतनाम, रूस, कनाडा और ब्रिटेन सहित गैर-अमेरिकी बाजारों में अच्छी वृद्धि इसकी प्रमुख वजह रही।

भारतीय समुद्री उत्पादों पर 50% शुल्क से अमेरिका को निर्यात प्रभावित हुआ है। एक अधिकारी ने बताया कि इस अवधि के दौरान क्षेत्र में व्यापार करने के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव देखा गया है। पारंपरिक रूप से भारत के सबसे बड़े झींगा बाजार अमेरिका को निर्यात में 7.43% की गिरावट आई और यह 8.54 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि चीन, वियतनाम, बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात में हुई शानदार वृद्धि से इस कमी की भरपाई हो गई। ये लाभ निर्यात गंतव्यों में विविधता एवं वैश्विक सोर्सिंग प्रवृत्तियों में संरचनात्मक बदलाव को दर्शाते हैं क्योंकि एशिया व यूरोप में खरीदार निरंतर गुणवत्ता तथा प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं। सात महीने के दौरान चीन और वियतनाम को झींगा व प्रॉन का निर्यात क्रमशः 24.54 और 123.63% बढ़कर 56.83 करोड़ डॉलर तथा 26.16 करोड़ डॉलर हो गया। बेल्जियम, जापान, रूस, कनाडा और ब्रिटेन को निर्यात क्रमशः 94.18, 10.84, 49, 13.54 और 28.81 प्रतिशत बढ़ा।

आसियान से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14% बढ़ा

नई दिल्ली। उद्योग निकाय आईपीएमए ने सोमवार को कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से कागज और पेपरबोर्ड का आयात 14 प्रतिशत बढ़ गया, जो एक खतरनाक प्रवृत्ति जारी रहने का सूचक है। पिछले चार साल में आसियान देशों से आयात मात्रा 30% से ज्यादा संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ी है। कमर्शियल इंटेलिजेंस एंड स्टैटिस्टिक्स के महानिदेशालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए, इंडियन पेपर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) ने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही में आसियान देशों से आयात 2.07 लाख टन पहुंच गया, जबकि पिछले साल 1.82 लाख टन था। अब भारत के कुल पेपर और पेपरबोर्ड आयात में आसियान देशों का हिस्सा 20% से ज्यादा है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 6.5% की दर से होगी वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

- एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने 2025-26 का लगाया अनुमान
- कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था के 6.5% और अगले वित्त वर्ष 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कर कटौती और मौद्रिक नीति में ढील से उपभोग आधारित वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून अवधि में पांच तिमाहियों में सबसे तेज 7.8% की दर से बढ़ने का अनुमान है। दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के जीडीपी वृद्धि अनुमानों के आधिकारिक आंकड़े 28 नवंबर को जारी होने वाले हैं। एसएंडपी ने अपनी इकोनॉमिक आउटलुक एशिया-पैसिफिक रिपोर्ट में कहा कि हमारा अनुमान है कि भारत की जीडीपी 2025-26 (मार्च 2026 को समाप्त) में 6.5% और 2026-27 में 6.7% की दर से बढ़ेगी, जिसमें जोखिम दोनों ओर संतुलित होंगे। अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के बावजूद मजबूत खपत से प्रेरित घरेलू वृद्धि मजबूत बना हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 6.8% रहने का अनुमान लगाया है जो 2024-25 की 6.5% की वृद्धि दर से बेहतर है।

जीएसटी की कम दरें और आयकर एवं ब्याज दरों में कटौती बन सकती है उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक

एसएंडपी ने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की कम दरें मध्यम वर्ग के उपभोग को बढ़ावा देंगी और इस वर्ष शुरू की गई आयकर कटौती एवं ब्याज दरों में कटौती का पूरक बनेंगी। इन बदलावों से चालू वित्त वर्ष और अगले वित्त वर्ष में निवेश की तुलना में उपभोग वृद्धि का बड़ा चालक बन सकता है। सरकार ने 2025-26 के बजट में आयकर छूट को सात से बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया है, जिससे मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ की कर राहत मिली है। आरबीआई ने जून में प्रमुख नीतिगत दरों में 0.5% की कटौती करके उन्हें तीन साल के निचले स्तर 5.5% पर ला दिया था। वहीं, 22 सितंबर से 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटा दी गईं जिससे दैनिक उपभोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं। एसएंडपी ने कहा कि भारत पर प्रभावी अमेरिकी शुल्क में बढ़ोतरी से देश में निर्यातोन्मुखी विनिर्माण के विस्तार पर असर पड़ रहा है। ऐसे संकेत हैं कि अमेरिका भारतीय उत्पादों पर शुल्क कम कर सकता है। व्यापार नीति के प्रति अमेरिका के नए दृष्टिकोण के कारण सरकारें और कंपनियां छूट के लिए बातचीत करने में समय एवं पैसा खर्च कर रही हैं जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों से ध्यान हट रहा है।

राष्ट्रीय

कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे पैदा सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करेगी संसदीय समिति

स्थायी समिति ने पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया की समीक्षा का भी लिया निर्णय

नई दिल्ली, एजेंसी

- शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति एआई के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस प्रौद्योगिकी से लाभ पर भी करेगी मंथन

तनाव से छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं के बीच एक संसदीय समिति ने प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार और इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्थायी समिति कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभाव और शिक्षा एवं विद्यार्थियों को इस उभरती प्रौद्योगिकी से लाभ की भी समीक्षा करेगी।

हाल में लोकसभा के एक बुलेटिन के अनुसार, स्थायी समिति ने 2025-26 के दौरान 'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम-श्री) की समीक्षा का भी निर्णय लिया है। बुलेटिन में कहा गया है कि समिति प्रतियोगी परीक्षाओं में छात्रों की सहायता के लिए कोचिंग सेंटर के प्रसार, इससे उत्पन्न होने वाले सामाजिक मुद्दों और इस मामले पर मौजूदा कानून की समीक्षा करेगी। पिछले कुछ वर्षों में कोचिंग संस्थानों में दाख़िला लेने वाले छात्रों द्वारा पढ़ाई के दबाव के कारण आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। केवल राजस्थान के कोटा शहर में ही ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जिसे भारत की कोचिंग राजधानी कहा जाता है।

शिक्षा मंत्रालय ने किया था समिति का गठन

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष की शुरुआत में नौ सदस्यीय समिति गठित की थी ताकि कोचिंग से जुड़े मुद्दों और डमी स्कूलों के उभरने की प्रवृत्ति के साथ-साथ प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता की भी जांच की जा सके। समिति स्कूल शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं की प्रभावशीलता और निष्पक्षता तथा कोचिंग उद्योग के बढ़ते प्रभाव का अध्ययन कर रही है।

एनसीईआरटी के कामकाज और प्रदर्शन की भी होगी समीक्षा

लोकसभा सचिवालय के अनुसार, समिति राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के कामकाज और प्रदर्शन की भी समीक्षा करेगी। साथ ही भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी जांच करेगी। समिति भारतीय उच्च शिक्षा परिषद (एचईसीआई) बनाने के लिए शिक्षा मंत्रालय के ''प्रयासों'' के संबंध में भी जानकारी मांगेगी। यूजीसी जैसी संस्थाओं की जगह लेने वाले एक उच्च शिक्षा नियामक की स्थापना के लिए एक विधेयक संसद के शीतकालीन सत्र में पेश किया जाना निर्धारित है। संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा।

32 लाख की प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 32 लाख से अधिक मूल्य की 54 हजार 'ट्रामाडोल' गोलियां जब्त की हैं और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि इस गिरोह में शामिल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया जबकि गिरोह का संबंध अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने का भी संदेह है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि खूफिया सूचना पर पुलिस ने दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर एक्सटेंशन-1 में एक व्यक्ति को बड़ा बैग ले जाते पकड़ा। मदनपुर खादर निवासी मोहम्मद आबिद (50) के कब्जे से 'ट्रेकेन-100' की 54 हजार गोलियां बरामद की गई। ट्रामाडोल से संबंधित ट्रेकेन-100 दवाई स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित हैं।

वायु प्रदूषण को लेकर प्रदर्शन, पुलिस पर पेपर स्प्रे करने के आरोप में 22 गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

पुलिस ने वायु प्रदूषण को लेकर इंडिया गेट पर प्रदर्शन के दौरान सड़क अवरुद्ध और पुलिसकर्मियों के काम में बाधा डालने और उन पर हमला करने के आरोप में 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं।एक प्राथमिकी संसद मार्ग थाने में जबकि दूसरी कर्तव्य पथ थाने में दर्ज हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार को प्रदर्शन स्थल पर स्थिति तब बिगड़ गई जब कुछ प्रदर्शनकारियों ने घटनास्थल से हटाए जाने के दौरान पुलिसकर्मियों पर 'पेपर स्प्रे' का इस्तेमाल किया। स्थिति हाथापाई में बदल गई, जो असामान्य और दुर्लभ हरकत है। इस घटना में अब तक पुलिस ने 22 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्र ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने कहा कि इंडिया गेट कोई निर्धारित विरोध स्थल नहीं है। प्रदर्शनकारियों को वहां से जाने के लिए कहा गया था। जंतर-मंतर निर्धारित विरोध स्थल है और कोई भी अनुमति लेकर वहां प्रदर्शन कर सकता है। रविवार को प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अवरोधक लांघकर सी-हेक्सगन को जाम कर दिया था। वे एक घंटे से अधिक समय तक सड़क पर बैठे रहे, जिससे जाम में फंसे लोग रास्ता खाली करने का अनुरोध कर रहे थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को जाने के लिए कहा, तो उन्होंने दुर्व्यवहार किया, पुलिसकर्मियों पर हमला किया।

हिडमा को लेकर लगे नारे

प्रदर्शन में शामिल संगठन साइंटिस्ट्स फॉर सोसाइटी (एसएफएस) ने उन समूहों से दूरी बनाई, जिन्होंने हिडमा के समर्थन में नारे लगाए। एसएफएस ने बताया कि हिमखंड तथा बीएससीईएम नामक दो संगठनों ने भाकपा (माओवादी) नेता माडवी हिडमा की के संबंध में नारे लगाने शुरू कर दिए। वह ऐसे मुठभेड़ों की स्पष्ट रूप से निन्दा करता है।

व्यवसायी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला

पटना, एजेंसी

- व्यवसायी की हत्या के पीछे जमीन विवाद को बताया जा रहा कारण
- पुलिस जांच में जुट, अपराधियों के शव की करा रही पहचान

बिहार की राजधानी पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र के भोगपुर गांव में जमीन कारोबारी की हत्या कर भाग रहे दो अपराधियों की स्थानीय लोगों ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक व्यवसायी भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह (65) है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। मामला दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। कारोबारी की हत्या के पीछे जमीन के विवाद को बताया जा रहा है।

घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि सोमवार को बाइक सवार अपराधियों ने भूपतिपुर निवासी अशरफी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा होने शुरू हो गए। लोगों को जुटते देख अपराधी मौके से बाइक लेकर भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन लोगों ने दोनों को दौड़ाकर पकड़ लिया। लोगों ने दोनों अपराधियों की जमकर पिटाई की और तबतक पीटते रहे, जबतक दोनों की मौत नहीं हो गई। किसी ने मामले की जानकारी पुलिस को दी।

सूचना के बाद सदर डीएसपी मौके पर पहुंचे और लोगों से घटना के संबंध में पूछताछ की। स्थानीय लोगों ने बताया कि 20 करोड़ के जमीनी विवाद को लेकर व्यवसायी की हत्या हुई है। फिलहाल घर के लोग कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर मृत अपराधियों की पहचान में जुट गई है।

48 लाख के इनामी 15 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ में सोमवार को 15 सक्रिय माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। जिला सुकमा में हुए सामूहिक आत्मसमर्पण को सुरक्षा बलों की बढ़ती दबाव, प्रशासनिक पहुंच और पुनर्वास योजनाओं की सफलता का बड़ा परिणाम माना जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के मुताबिक, आत्मसमर्पित माओवादियों में पीएलजीए बटालियन नंबर 1 के चार हार्डकोर सदस्य हैं, जो लंबे समय से क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों को अंजाम देने में सक्रिय थे। इनमें पांच महिलाएं और 10 पुरुष हैं। इन सभी पर 48 लाख के इनाम घोषित थे।

एसआईआर : सीईओ कार्यालय पर बीएलओ का प्रदर्शन

- काम के दबाव को लेकर कार्यालय में की घुसने की कोशिश
- प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ हुई हाथापाई

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता में सीईओ कार्यालय के बार प्रदर्शन करते बीएलओ।

पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में शामिल बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) ने सोमवार को काम के कथित तौर पर अत्यधिक दबाव के विरोध में प्रदर्शन के दौरान सीईओ कार्यालय में घुसने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की।

बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने उत्तरी कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से जुलूस निकाला, जिसमें ताले और बेड़ियां लेकर प्रतीकात्मक रूप से उस भवन के मुख्य द्वार को बंद किया गया, जिसमें मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) का कार्यालय स्थित है। अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने मध्य कोलकाता स्थित सीईओ कार्यालय में घुसने के लिए पुलिस अवरोधक तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारी बीएलओ ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारे लगाए और आरोप लगाया कि उन्हें जुलूस निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने एसआईआर कवायद के दौरान अत्यधिक और अमानवीय कार्य दबाव की उनकी शिकायतों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

एक पदाधिकारी ने दावा किया कि बीएलओ को कम समय में कार्य पूरा करने का निर्देश है, हालांकि इसी कार्य में आमतौर पर दो साल से अधिक समय लगता है। समिति ने आरोप लगाया कि बीएलओ बीमार पड़ रहे हैं और उनमें से दो ने तनाव के कारण आत्महत्या कर ली। समिति ने पूर्व में कहा था कि पारा-शिक्षक, कॉलेज प्रोफेसर और विभिन्न संगठनों के शिक्षक इस प्रदर्शन में समर्थन के लिए शामिल होंगे, जिससे निर्वाचन आयोग पर तत्काल हस्तक्षेप के लिये दबाव डाला जा सके।

समय-सीमा बढ़ाने तक विरोध की दी चेतावनी

समिति ने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा नहीं बढ़ाई गई या सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो वह निरंतर विरोध कार्यक्रम शुरू करेगी। एक अन्य संगठन, बीएलओ ओइक्या मंच ने गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण से संबंधित मुद्दों को अलग से उठाया और अतिरिक्त सहायक कर्मचारियों की मांग की। 'एक्स' पर टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कहा कि यदि भारत निर्वाचन आयोग वास्तव में स्वतंत्र है, तो उसे बूथ स्तर के अधिकारियों की सुरक्षा करनी चाहिए, मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए और विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बारे में पारदर्शी होना चाहिए।

बर्फ ने की चित्रकारी

अनंतनाग : जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग में सर्दियों की एक सुबह, बर्फ से ढकी पेड़ों की शाखाएं और पत्तियां।

आईएनएस माहे: नौसेना का नया शिकारी

आईएनएस माहे भारतीय नौसेना का एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है, जो कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका जलावतरण सोमवार को ही किया गया। यह माहे क्लास का पहला जहाज है, इस श्रेणी के आठ जहाज बनाए जा रहे हैं। इसके जलावतरण के मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मौजूद थे, उन्होंने इसे आत्मनिर्भर भारत की शक्ति बताया है। यह जहाज दुश्मन की पनडुब्बियों को ढूंढकर नष्ट करने, तटीय गश्त करने और समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखने में सक्षम है। आइए जानते हैं आईएनएस माहे की विशेषताओं, क्षमताओं और निर्माण के बारे में।

उन्नत सोनार और रडार से लैस

आईएनएस माहे को नौसेना का मौन शिकारी कहा जा रहा है क्योंकि यह एक अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो समुद्री क्षेत्र में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने में सक्षम है। यह युद्धपोत अपनी उन्नत सोनार और रडार प्रणालियों के साथ-साथ अपनी चुपचाप और सटीक मारक क्षमता के कारण एक मौन शिकारी के रूप में कार्य करता है।

78 मीटर लंबा, रफ्तार 25 नाट्स

- आईएनएस माहे एक पनडुब्बी रोधी युद्धपोत है जो तटीय रक्षा और पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है।
- इसकी लंबाई 78 मीटर और चौड़ाई 11 मीटर है, और यह 1,100 टन विस्थापन वाला है।
- यह युद्धपोत 25 नॉट्स की अधिकतम गति से चल सकता है और इसमें 60 से अधिक कर्मियों को समायोजित करने की क्षमता है।
- आईएनएस माहे में उन्नत सोनार और रडार प्रणाली हैं, जो पनडुब्बियों और अन्य खतरों का पता लगाने में मदद करती हैं।

मुंबई में हुआ जलावतरण

- आईएनएस माहे को 24 नवंबर को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया।
- इसका जलावतरण मुंबई में किया गया और इसमें भारतीय नौसेना के अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।
- आईएनएस माहे का जलावतरण भारत की तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है, यह नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने में मदद करेगा।

पनडुब्बी मारने में सक्षम

- आईएनएस माहे पनडुब्बी रोधी अभियानों में सक्षम है, जिसमें पनडुब्बियों का पता लगाना और उन्हें नष्ट करना शामिल है।
- यह युद्धपोत तटीय रक्षा में भी सक्षम है, जिसमें तटीय क्षेत्रों की रक्षा करना और समुद्री खतरों से निपटना शामिल है।
- आईएनएस माहे में उन्नत हथियार प्रणाली है, जिसमें टारपीडो, मिसाइलें और तोपें शामिल हैं।

कोचीन शिपयार्ड में निर्माण

- आईएनएस माहे का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है।
- इसके निर्माण में लगभग 5 साल लगे, लागत लगभग 35,000 करोड़ थी।
- यह युद्धपोत भारत की आत्मनिर्भरता और तटीय रक्षा क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वर्ल्ड ब्रीफ

स्लोवेनिया : इच्छामृत्यु को खारिज किया

लुबलियाना। स्लोवेनिया के नागरिकों ने रविवार को एक जनमत संग्रह में उस कानून को खारिज कर दिया, जो लाइलाज बीमारी से पीड़ित लोगों को अपना जीवन समाप्त करने की अनुमति देता था। चुनाव प्राधिकारियों द्वारा जारी प्रारंभिक परिणामों में यह जानकारी सामने आई। लगभग पूरी हो चुकी मतगणना के अनुसार, करीब 53 प्रतिशत मतदाताओं ने इस कानून के खिलाफ मतदान किया जबकि लगभग 46 प्रतिशत ने इसके पक्ष में वोट दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदान लगभग 50 प्रतिशत रहा। इच्छामृत्यु के खिलाफ अभियान का नेतृत्व करने वाले रूढ़िवादी कार्यकर्ता एलेस प्रिमक ने कहा कि करुणा की जीत हुई है।

पोप की अगवा छात्रों को रिहा करने की अपील

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य स्थित नाइजर प्रांत के एक कैथोलिक स्कूल से अगवा किए गए 303 स्कूली बच्चों में से 50 बच्चे अपहरणकर्ताओं के चंगुल से छूटकर अपने परिवारों के पास पहुंच गए हैं। इस बीच, पोप ने शेष बच्चों की तत्काल रिहाई की अपील की है। नाइजर राज्य में क्रिश्चन असोसिएशन ऑफ नाइजीरिया के अध्यक्ष और स्कूल के संचालक बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार 10 से 18 साल के ये स्कूली बच्चे शुक्रवार और शनिवार को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से भाग निकले। 253 छात्र और 12 शिक्षक अब भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं।

ब्राजील में बोल्सोनारो के जेल जाने की खुशी

रियो डी जेनेरियो। रियो डी जेनेरियो की सालाना प्राइड परेड के लिए रविवार को कोपाकबाना के बोर्डवॉक पर हजारों लोग एकत्र हुए और उन्होंने ब्राज़ील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को एक दिन पहले एहतियाती तौर पर जेल भेजे जाने का जश्न मनाया। प्रदर्शनकारी ट्रकों पर सवार थे और उन्होंने लोगों से कहा कि वह जेल में हैं! और बोल्सोनारो बाहर जाओ। इस दौरान एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोगों ने इंद्रधनुषी कपड़े पहने हुए थे और वे जोरदार तरीके से नारेबाजी कर रहे थे।

हावड़ा में कार तालाब में गिरी, 3 बच्चों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के उलुबेरिया में सोमवार को स्कूल से बच्चों को लेकर घर जा रही एक कार के तालाब में गिर जाने से तीन बच्चों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उलुबेरिया में बहिरा के निकट उस समय हुई जब चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और वाहन तालाब में गिर गया।

कनाडा अपने नागरिकता कानून में करेगा संशोधन, मिली शाही मंजूरी

इस कदम से वहां निवासित भारतीय मूल के परिवारों को लाभ मिलने की संभावना

- नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने की पहल

ओटावा, एजेंसी

कनाडा ने वंश-आधारित नागरिकता कानून को आधुनिक बनाने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है। इस अधिनियम में संशोधन करने वाले विधेयक को शाही मंजूरी मिल गई है। इस कदम से का असर भारतीय मूल के हजारों परिवारों पर पड़ने की संभावना है। कनाडा सरकार द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया है कि नागरिकता अधिनियम (2025) में संशोधन करने वाले विधेयक सी-3 को शाही स्वीकृति मिल गई है। इसमें कहा गया कि यह नागरिकता अधिनियम को और अधिक समावेशी बनाने और कनाडाई नागरिकता के मूल्य को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

बयान में कहा गया है कि नए कानून के लागू होते ही, उन सभी लोगों को कनाडाई नागरिकता प्रदान की जाएगी, जो विधेयक के प्रभाव में आने से पहले पैदा हुए हैं और जो प्रथम-पीढ़ी की सीमा या पिछले कानूनों के पुराने प्रावधानों के कारण नागरिक नहीं बन पाए थे। कनाडाई वंशानुक्रम से नागरिकता पर पहली-पीढ़ी की सीमा वर्ष 2009 में लागू की गई थी। इसका अर्थ है कि यदि कोई बच्चा कनाडा के बाहर पैदा हुआ या गोद लिया गया है, तो वह वंशानुक्रम से कनाडाई नागरिक नहीं माना जाएगा, यदि उसके कनाडाई माता-पिता भी कनाडा के बाहर ही पैदा हुए हों या गोद लिए गए हों। मामले से परिचित लोगों का कहना है कि इस सीमा के कारण अनेक भारतीय मूल के कनाडाई लोगों के लिए समस्या उत्पन्न हो गई, जिनके बच्चे देश से बाहर पैदा हुए थे। बयान में कहा गया है कि नया कानून विदेश में जन्मे या गोद लिए गए कनाडाई माता-पिता को इस विधेयक के लागू होने की तिथि या उसके बाद कनाडा के बाहर जन्मे या गोद लिए गए अपने बच्चे को नागरिकता देने की अनुमति देगा, बशर्ते कि उनका कनाडा से पर्याप्त संबंध हो।

कनाडा में वांछित भारतीय मूल का व्यक्ति गिरफ्तार : टोरंटो पुलिस ने कनाडा की 25 सर्वाधिक वांछित सूची में शामिल भारतीय मूल के एक व्यक्ति को आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया है। टोरंटो पुलिस के बयान में कहा गया कि निकोलस सिंह (24) को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया, जो जमानत के उल्लंघन के लिए संपूर्ण कनाडा पर लागू वारंट के तहत वांछित था। इसमें कहा गया कि सिंह को एक आग्नेयास्त्र, एक मैगजीन और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि अधिकारी बाथर्स्ट स्ट्रीट और ड्यूपॉन्ट स्ट्रीट क्षेत्र में जांच कर रहे थे, तभी उन्होंने सिंह को एक वाहन में देखा। उसे शांतिपूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया।

अगले साल भारत आएंगे कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी

जोहानिसबर्ग। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी अगले साल भारत की यात्रा करेंगे। दक्षिण अफ्रीका में जी-20 शिखर सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कार्नी को भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने 2026 की शुरुआत में भारत आने के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने वार्ता के दौरान व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को आगे बढ़ाने के अलावा रक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्रों में गहन सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर सहमति व्यक्त की। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने वस्तुओं, सेवाओं, निवेश, कृषि, डिजिटल व्यापार और सतत विकास को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के लिए औपचारिक रूप से बातचीत शुरू करने पर सहमति व्यक्त की। इसमें कहा गया कि मोदी और कार्नी ने मंत्रियों और व्यापारी समुदाय सहित नियमित पारस्परिक उच्च-स्तरीय यात्राओं के महत्व पर सहमति व्यक्त की। कार्नी ने दोनों देशों के बीच कानून लागू करने को लेकर वार्ता में हो रही प्रगति का भी स्वागत किया। वर्ष 2023 में कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के आरोपों के बाद भारत-कनाडा संबंध बेहद खराब हो गए थे।

आपराधिक न्याय तंत्र के दुरुपयोग की निंदा होनी चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने असफल या टूटे रिश्तों को बलात्कार जैसे अपराध का रंग देने की 'चिंतनीय पहलू' की ओर इशारा करते हुए सोमवार को कहा कि इस संबंध में आपराधिक न्याय तंत्र का दुरुपयोग चिंता का विषय है और इसकी निंदा की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने एक कथित बलात्कार मामले में दर्ज प्राथमिकी निरस्त करते हुए कहा कि हर खराब रिश्ते को बलात्कार के अपराध में बदलना न केवल अपराध की गंभीरता को कम करता है, बल्कि आरोपी के दामन को कलंकित करता है और उसके साथ गंभीर अन्याय करता है।

न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि बलात्कार का अपराध सबसे गंभीर प्रकार का है और केवल उन्हीं मामलों में

- कोर्ट ने टूटे रिश्ते को बलात्कार का रंग देने को बताया चिंतनीय

लागू किया जाना चाहिए, जहां वास्तविक यौन हिंसा, जबरन या स्वतंत्र सहमति का अभाव हो। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान हुई शारीरिक अंतरंगता को सिर्फ़ इसलिए बलात्कार का अपराध नहीं माना जा सकता, क्योंकि वह रिश्ता शादी में परिणत नहीं हो पाया। पीठ ने यह भी कहा कि कानून को उन वास्तविक मामलों के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए जहां भरोसे का कत्ल हुआ हो और सम्मान का हनन हुआ हो। शीर्ष अदालत ने कहा, इस अदालत ने कई मौकों पर उस चिंतनीय प्रवृत्ति पर ध्यान दिया है, जिसमें असफल या टूटे हुए रिश्तों को आपराधिकता का रंग दे दिया जाता है।

पीठ ने मुंबई उच्च न्यायालय के औरंगाबाद पीठ की ओर से मार्च 2025 में दिये गए आदेश के विरुद्ध एक व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में अगस्त 2024 में दर्ज एक प्राथमिकी को रद्द करने संबंधी उसकी याचिका खारिज कर दी थी। इसने कहा कि मामले में बलात्कार का आरोप पूरी तरह से शिकायतकर्ता के इस दावे पर आधारित है कि व्यक्ति ने शादी का झूठा झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीठ ने

इराकी सुन्नी पार्टियों ने गठित किया परिषद

बगदाद। इराक की प्रमुख सुन्नी मुस्लिम राजनीतिक पार्टियों ने हाल के संसदीय चुनावों के बाद अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक एकीकृत राष्ट्रीय राजनीतिक परिषद का गठन किया है। जिसका उद्देश्य सरकार गठन और सुन्नी दलों के अधिकारों की रक्षा करना है।

ऑपरेशन सिंदूर में श्री कृष्ण के संदेश का किया पालन

चंडीगढ़, एजेंसी

- कुरुक्षेत्र में 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन में बोले रक्षामंत्री राजनाथ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की कार्रवाई उस संदेश से प्रेरित थी जो भगवान कृष्ण ने पांडवों को दिया था कि युद्ध प्रतिशोध या महत्वाकांक्षा के लिए नहीं, बल्कि धर्म के शासन की स्थापना के लिए लड़ा जाना चाहिए। रक्षा मंत्री ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र, 10वें अंतर्राष्ट्रीय गीता सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा, भगवान कृष्ण ने अर्जुन को यह भी सीख दी कि जो व्यक्ति धर्म के मार्ग पर चलता है वह कभी नहीं डरता।

सिंह ने अप्रैल में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि जघन्य कृत्य अब भी राष्ट्रीय चेतना को परेशान करता है। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों ने उस समय अमानवीय कृत्य किया जब निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछने के बाद मार दिया गया। रक्षामंत्री ने कहा कि वह घटना न केवल भारत के शांतिप्रिय स्वभाव को चुनौती दे रही थी, आतंकवादियों और उनके संरक्षकों ने यह मान लिया था कि भारत का शिष्टाचार उसकी कमजोरी है, लेकिन वे भूल गए कि भारत गीता का देश है।

आतंकवाद के खिलाफ चुप नहीं रहेगा भारत

रक्षामंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान कृष्ण के संदेश का पालन किया। और इस अभियान ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत न तो आतंकवाद के खिलाफ चुप रहेगा और न ही किसी भी परिस्थिति में कमजोर पड़ेगा। श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को समझाया था कि धर्म केवल उपदेशों से ही नहीं बचता; यह कर्मों से सुरक्षित रहता है, और ऑपरेशन सिंदूर वह धर्म-आधारित कर्म था जिसे हमने अपनाया।

चीन ने अरुणाचल की महिला के पासपोर्ट को अवैध बताया

बीजिंग, एजेंसी

- अरुणाचल को चीन का हिस्सा बता एयरपोर्ट पर 18 घंटे रोका

भारत और चीन के रिश्ते को लेकर कई लोग सकारात्मक रूख रखते हैं, लेकिन हकीकत ये है कि चीन अपने मकसद के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत की एक महिला को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे तक इसलिए बिठाकर रखा गया, क्योंकि वो अरुणाचल की रहने वाली थी।

भारतीय महिला ने आरोप लगाया है कि चीनी अधिकारियों ने उसका भारतीय पासपोर्ट मानने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसे शंघाई पुडोंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 18 घंटे से ज्यादा समय तक रोके रखा गया। एक्स पर कई पोस्ट में, यूके में रहने वाली भारतीय महिला पेम वांग थोंगडोक ने आरोप लगाया है कि चीनी अधिकारियों ने उनसे कहा कि उसका पासपोर्ट अमान्य है क्योंकि वह अरुणाचल प्रदेश में पैदा हुई थी और अरुणाचल चीन का हिस्सा है। थोंगडोक ने बताया है कि ये घटना 21 नवंबर 2025 की है, जब वो लंदन से जापान जा रही थीं। उन्होंने लिखा, मुझे 21 नवंबर 2025 को शंघाई एयरपोर्ट पर 18 घंटे से ज़्यादा समय तक रोके रखा गया।

ताइवान में सैन्य हस्तक्षेप की बात करके जापान ने सीमा लांघी : चीन

ताइपे। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि जापान की नए नेता ने ताइवान पर सैन्य हस्तक्षेप संबंधी टिप्पणी करके सीमा लांघ दी है।

चीन के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर वान ने एक पोस्ट कहा कि इस माह की शुरुआत में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची की यह टिप्पणी 'स्तब्ध' करने वाली है कि ताइवान पर चीन की नौसेना की नाकेबंदी या कोई और कार्रवाई जापान की सैन्य कार्रवाई का आधार बन सकती है। वांग ने कहा कि यह स्तब्ध करने वाली बात है।

पेशावर में आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए

पेशावर, एजेंसी

- जवाबी गोलीबारी में तीन हमलावर भी मारे गए

पाकिस्तान के पेशावर में सोमवार को अर्द्धसैनिक बल के मुख्यालय पर हुए आत्मघाती हमले में तीन सुरक्षाकर्मी मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। शहर के पुलिस प्रमुख मियां सईद ने बताया कि संघीय कांस्टेबुलरी मुख्यालय में सेंध लगाने का प्रयास कर रहे तीन आत्मघाती हमलावर भी जवाबी गोलीबारी में मारे गए।

सईद ने कहा, एक हमलावर ने मुख्य द्वार पर खुद को उड़ा लिया, जबकि अन्य दो परिसर में घुस गए। एफसी कर्मियों ने उनका सामना किया और दोनों मौके पर ही मारे गए।

खैबर पख्तूनख्वा के पुलिस महानिरीक्षक जुल्फिकार हमीद ने कहा कि एफसी मुख्यालय के अंदर दो आत्मघाती विस्फोट हुए, एक मुख्य द्वार पर और दूसरा परिसर में स्थित मोटरसाइकिल स्टैंड के पास। मुख्य द्वार पर हुए विस्फोट से आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में दहशत फैल गई तथा विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 22 .56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

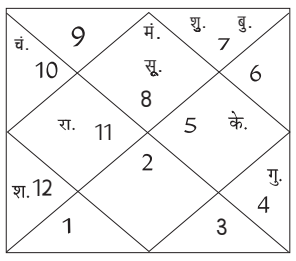

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23 .57 तक तत्पश्चात श्रवण।

मेष — आज आपके काम में काफी स्थिरता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा लाभकारी सिद्ध होगी। निजी संबंधों में रिश्तों के बीच बढ़ रही दूरियां दूर होंगी। अपनी योग्यता के अनुरूप काम करके आत्मसंतुष्टि का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अनबन दूर होगी।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में आपको स्थानांतरण के अवसर मिल सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। गूढ़ विद्याओं के प्रति काफी आकर्षित रहेंगे। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिए जा सकते हैं। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें।

मिथुन — आज यथार्थवादी बने रहें अन्यथा आप गलत निर्णय ले सकते हैं। अपनी इच्छाओं को दूसरों पर लादने का प्रयास न करें। इसके कारण आपका मन खराब हो सकता है। आपको कुछ विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क — आज प्रबंधन संबंधी कार्यों से जुड़े लोगों को बेहतरीन लाभ मिलेगा। पारिवारिक तनाव दूर होगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर की साज-सजावट में आप अत्यधिक ध्यान देंगे।

सिंह — आज विरोधियों के ऊपर विजय प्राप्त होगी। जीवनसाथी के साथ विमर्श करने से आपकी कई समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक बातों को तूल देने से बचें। शत्रु पक्ष आपका नुकसान पहुंचाने को लेकर तत्पर रहेगा।।

कन्या — आज आपकी लापरवाही बड़ी परेशानी को आमंत्रण दे सकती है। आपके ऊपर अचानक काम का दबाव बढ़ सकता है। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। प्रेम संबंधों में थोड़ी सावधानी रखें। शाम के समय कहीं घूमने जा सकते हैं।

तुला — आज किसी से कोई वादा न करें। नई कार्ययोजना बनाने से पहले अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य ले लें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियों का दबाव बढ़ सकता है। रक्तचाप के रोगियों को तनाव से बचना चाहिए। विरोधी आपकी छवि को बिगाड़ने में लगे रहेंगे।

वृश्चिक — आज का दिन राजनीति से जुड़े लोगों के लिए अत्यंत शुभ रहेगा। आपकी जीवनशैली काफी अनुशासित रहेगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना बना सकते हैं। धन को लेकर समस्या का समाधान हो जाएगा। आपके सामने करियर के अनेक विकल्प आएंगे।

धनु — आज कार्यक्षेत्र में आलस्य का अनुभव करेंगे। आपका आत्मविश्वास जागृत होगा। दूसरों के मामले में सोच-समझकर ही सलाह दें। नई स्किल सीखने में तत्पर रहेंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो सकते हैं।

मकर — आज आप साहित्य और सिनेमा का आनंद ले सकते हैं। बच्चे अपने करियर को लेकर थोड़े कनफ्यूज हो सकते हैं। काम की अधिकता रहेगी। कार्यक्षेत्र में अपने संसाधनों का सार्थक सदुपयोग करने के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कुंभ — आज विदेश में रहने वाले लोगों को धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। राजनीतिक लोगों को अपनी छवि की चिंता रहेगी। बिना मांगी सलाह देने के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। अपने जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

मीन — आज कारोबार में बड़ा लाभ मिलने की संभावना बन रही है। पैतृक व्यवसाय कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी। कानूनी मामलों में निर्णय आपके पक्ष में आ सकता है। वैवाहिक जीवन का भरपूर आनंद लेंगे। घर की साज-सजावट का काफी ध्यान रखेंगे।

सुडोकू-171

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1			4			
								8
				9			7	
	4							
				3				
9			1					
						6		
				7				

सुडोकू - 170 का हल

4	5	8	1	6	2	3	9	7
1	2	9	7	3	8	4	5	6
6	7	3	9	4	5	1	2	8
8	1	6	5	7	3	9	4	2
5	9	4	8	2	1	6	7	3
2	3	7	4	9	6	5	8	1
3	4	1	2	5	7	8	6	9
7	8	5	6	1	9	2	3	4
9	6	2	3	8	4	7	1	5

मुझे लगता है कि भारत की बल्लेबाजी काफी खराब थी। टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी जज्बा और संयम नहीं था। कुछ अच्छी गेंदें फेंकी गई लेकिन बल्लेबाज कठिन स्पैल के लिये तैयार नहीं थे। ऐसा लगता है कि जल्दी लक्ष्य का पीछा करने की ही सोच थी जो टेस्ट मैच में अवास्तविक है।

-अनिल कुंबले

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

कानपुर नगर, मंगलवार 25 नवंबर 2025

हाईलाइट

धवन व हरभजन होंगे आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और हरभजन सिंह तथा दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन और ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर शेन वाटसन 26 जनवरी से चार फरवरी तक गोवा में होने वाली लीजेंड्स प्रो टी20 लीग में आकर्षण का केंद्र होंगे। आयोजकों ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क को लीग आयुक्त नियुक्त किया गया है। इस लीग में छह फ्रैंचाइजी आधारित टीम और 90 दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिताओं के मुकाबलों का आयोजन 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा।

विलियम्सन की टीम में वापसी

वेलिंगटन । केन विलियम्सन को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए न्यूजीलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। विलियम्सन जिम्बाब्वे में न्यूजीलैंड की पिछली टेस्ट शृंखला और इस सत्र में अब तक सीमित ओवरों के अधिकतर मैचों में नहीं खेल पाए थे। विलियम्सन का न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ सीमित अनुबंध है, जो उन्हें विदेशी लीगों में खेलने की अनुमति देता है, जबकि वे उपलब्ध होने पर न्यूजीलैंड के लिए भी खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा मैदान पर केन की क्षमता से सभी अच्छी तरह से अवगत हैं। उनकी वापसी से हमारी टेस्ट टीम को मजबूती मिलेगी।

वेई यी ने सिंदारोव को बराबरी पर रोका

पणजी। चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी ने सोमवार को यहां शतरंज विश्व कप फाइनल की पहली बाजी में ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव को बराबरी पर रोका जबकि तीसरे स्थान के मुकाबले में ग्रैंडमास्टर आंद्रे इसिपेंको ने ग्रैंडमास्टर नोदिरबेक याकुबोएव को हराया। पहली बाजी में वेई ने काले मोहरों से खेलते हुए सिंदारोव को जीत दर्ज करने के लिए जोखिम उठाने के लिए मजबूर किया। वेई ने एक समय मजबूत स्थिति बना रखी थी लेकिन सिंदारोव वापसी करने में सफल रहे और अंतत: दोनों खिलाड़ी 50 चाल के बाद मुकाबले को ड्रॉ कराने के लिए राजी हो गए। तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में इसिपेंको ने याकुबोएव को 38 चाल में हराया। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में उनकी जगह सुनिश्चित करने के लिए अब अगली बाजी में सिर्फ ड्रॉ ही काफी होगा।

प्रांजलि ने 25 मीटर पिस्टल में स्वर्ण जीता

टोक्यो । भारतीय निशानेबाज प्रांजलि प्रशांत धूमल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जो डेफलिम्पिक्स (बधिर ओलंपिक) में उनका तीसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने अभिनव देशवाल के साथ मिश्रित पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण और महिला एयर पिस्टल में रजत पदक जीता था। महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में यूक्रेन की मोसिना हालिना ने रजत और कोरिया की जियोन जिवोन ने कांस्य पदक जीता। भारत की एक अन्य खिलाड़ी और महिलाओं की एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनुया प्रसाद चौथे स्थान पर रहीं। प्रांजलि ने 600 में से 573 अंक के नए क्वालीफिकेशन विश्व रिकॉर्ड के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। अनुया प्रसाद क्वालीफिकेशन में 569 स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहीं।

यान्सेन के सामने बल्लेबाजों का समर्पण, क्लीन स्वीप का खतरा

गुवाहाटी टेस्ट का तीसरा दिन : सिर्फ 201 रनों पर सिमट गई भारतीय पारी

सिर्फ सात रन बनाकर पैवेलियन लौटते कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

गुवाहाटी, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत सहित प्रमुख बल्लेबाजों के गैर जिम्मेदाराना रवैये से अपने विकेट इनाम में देने के कारण भारतीय टीम सोमवार को यहां अपनी पहली पारी में 201 रन पर सिमट गई। जिससे दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे और अंतिम टेस्ट मैच में मजबूत शिकंजा कसकर शृंखला में क्लीन स्वीप करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अपनी पहली पारी में 489 रन बनाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 288 रन की बढ़त हासिल की। उसने भारत को फॉलोऑन देने की बजाय दूसरी पारी में बल्लेबाजी करना उचित समझा। उसने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 26 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 314 रन की हो गई है।

खराब रोशनी के कारण जब तीसरे दिन का खेल समाप्त घोषित किया गया तब एडेन मार्करम 12 और रयान रिकलेटन 13 रन पर खेल रहे थे। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 95 रन था लेकिन इसके बाद उसने 27 रन के अंदर छह विकेट गंवा दिए। पिच से कभी कभार उछाल और थोड़ा टर्न मिल रहा है पर वह अभी भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है लेकिन अधिकतर भारतीय बल्लेबाजों ने गलत शॉट खेल कर अपने विकेट इनाम दिए। इनमें मुख्य रूप से साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल और कप्तान ऋषभ पंत शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को यान्सेन सबसे सफल गेंदबाज रहे। दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी में 93 रन बनाने वाले इस तेज गेंदबाज ने 48 रन देकर छह विकेट लिए। उन्होंने अपने लंबे कद का अच्छा फायदा उठाकर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से निशाना बनाया। ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर (64 रन देकर तीन विकेट) ने उनका अच्छा साथ दिया। मार्करम ने पांच कैच लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय और बल्लेबाजों को अपने निचले क्रम के बल्लेबाज वाशिंगटन सुंदर (92 गेंद पर 48 रन) और कुलदीप यादव (134 गेंद पर 19 रन) से सीख लेनी चाहिए जिन्होंने सात विकेट 122 रन पर गिरने के बाद आठवें विकेट के लिए 72 रन जोड़े। उनकी साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी।

कप्तान ऋषभ पंत का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका के मार्को यान्सेन। एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (97 गेंदों में 58 रन) ने स्ट्रोक्स से भरपूर अर्धशतक जड़ा, लेकिन हार्मर की एक गेंद ने अचानक उछाल लिया जिस पर वह गच्चा खा गए और यान्सेन को कैच दे बैठे। केएल राहुल (22) आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। वह भी जायसवाल के साथ 65 रन की साझेदारी के दौरान अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे लेकिन केशव महाराज और हार्मर की दो गेंद ऐसी थी जिसने सुबह के सत्र का रुख पूरी तरह बदल दिया। पिच में ज्यादा खामियां नहीं थीं और जायसवाल के आकर्षक स्ट्रोक-प्ले ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने हार्मर की गेंद को बार-बार लेंथ से स्वीप किया और महाराज की गेंद पर काउ कॉर्नर के ऊपर से छक्का भी जड़ा। यहां तक कि राहुल भी दूसरे छोर पर सहजता से रन बटोर रहे थे लेकिन महाराज की टर्न लेती एक गेंद उनके बल्ले का बाहरी किनारा लेकर पहली स्लिप में मार्करम के हाथों में चली गई। सुदर्शन (15) की स्पिनरों के खिलाफ बैकफुट पर जाने और इस प्रक्रिया में विफल होने की कमजोरी फिर से खुलकर सामने आ गई। जैसा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में हुआ था, एक बार फिर वह हार्मर की गेंद को पुल करने के लिए बैकफुट पर चले गए लेकिन सही तरह से शॉट लगा पाए और रयान रिकलेटन ने मिडविकेट पर डाइव लगाकर कैच लपक दिया। जुरेल (00) को चायकाल से ठीक पहले यानसन की गेंद पर पुल करने की जरूरत नहीं थी।

यशस्वी का यानसेन बो हार्मर 58
राहुल का मारक्रम बो महाराज 22
सुदर्शन का रिकेलटन बो हार्मर 15
जुरेल का महाराज बो यान्सेन 00
ऋषभ पंत का वेरेनबो यान्सेन 07
जडेजा का मारक्रम बो यान्सेन 06
रेड्डी का मारक्रम बो यान्सेन 10
वाशिंगटन का मार्करम बो हार्मर 48
कुलदीप का मार्करम बो यान्सेन 19
बुमराह का वेरेन बो यान्सेन 05
मोहम्मद सिराज नाबाद 02

गेंदबाजी : यानसेन 19 .5-5-48-6, मुल्डर 10-5-14-0, महाराज 15-1-39-1, हार्मर 27-6-64-3, मार्करम 10-1-26-0, मुथुसामी 2-0-2-0

दक्षिण अफ्रीका

26/0 (दूसरी पारी) (8 ओवर)

रेयान रिकेल्टन नाबाद 13
ऐडन मारक्रम नाबाद 12

गेंदबाजी : बुमराह 3-0-13-0, सिराज 3-1-8-0, जडेजा 1-0-2-0, कुलदीप 1-0-2-0

पंत अगर सही शॉट खेलता तो अलग बात होती : यान्सेन

ऋषभ पंत को मार्को यान्सेन के खिलाफ खराब शॉट चयन के लिए काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज का मानना है कि अगर इस स्टार विकेटकीपर ने सही शॉट खेला होता तो शायद इस तरह की बात नहीं हो रही होती। पंत ने यान्सेन के खिलाफ तब जोखिम उठाया जब भारतीय टीम 102 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। यान्सेन ने शॉर्ट गेंद फेंकी जो पंत के शरीर की तरह आई और उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के दस्तानों में चली गई। यानसेन को एहसास हो गया था कि ना तो हवा से मदद मिल रही है और ना ही सतह से मूवमेंट मिल रही है।

कई बार आप योजनाओं को सही तरह से लागू नहीं कर पाते : वॉशिंगटन

गुवाहाटी, एजेंसी

वॉशिंगटन सुंदर और मार्को यान्सेन में सोमवार को एक बात समान थी। दोनों का मानना है कि ऋषभ पंत की रणनीति अच्छी थी लेकिन उसे लागू करने में थोड़ी कमी रही। भारत के कार्यवाहक कप्तान पंत जब सात रन बनाकर खेल रहे थे तब यान्सेन की शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर को कैच दे बैठे जो तीसरे दिन के खेल के दौरान चर्चा का विषय बना रहा।

इससे पहले ध्रुव जुरेल ने भी इसी तेज गेंदबाज के खिलाफ गैरजरूरी पुल शॉट खेलकर मिड ऑन पर कैच थमाया। समान सवाल पर यान्सेन जैसा ही जवाब देते हुए वॉशिंगटन ने कहा किसी और दिन गेंद स्टैंड में चली जाती और हम सब तारीफ करते और ताली बजाते। ऐसा ही होता है। कभी-कभी आपको उनकी योजना और कौशल का समर्थन करना होता है। उन्होंने कहा यह देखते हुए कि उन्होंने पहले भी बहुत सारे उदारहण पेश किए हैं। मुझे लगता है कि यह सिर्फ उनके कौशल का समर्थन करने के बारे में है। जाहिर है कि योजना को उस तरह लागू नहीं किया जा सकता जिस तरह हम चाहते थे। भारत के बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहने के बावजूद वॉशिंगटन ने कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। उन्होंने कहा यह बहुत अच्छा विकेट है। आपको इस तरह के विकेट पर अधिक बल्लेबाजी करने को नहीं मिलती, विशेषकर भारत में। सच कहूं तो यह एक जीवंत विकेट है। अगर आप क्रीज पर समय बिताओगे तो रन बनाओगे।

वॉशिंगटर का यह जवाब ध्रुव जुरेल और पंत को शायद पसंद नहीं आए जो खराब शॉट खेलकर आउट हुए। उन्होंने इस बात से भी इनकार किया कि जब यानसेन गेंदबाजी कर रहे थे तो असमान उछाल था। वाशिंगटन ने कहा बिल्कुल भी असमान उछाल नहीं था। जाहिर है वह सबसे लंबा है और उसे गुड लेंथ पर थोड़ा तेज उछाल मिलता है। हम ऐसे गेंदबाजों के खिलाफ काफी खेले हैं। उन्होंने कहा बस किसी और दिन हम उन्हीं गेंदों पर बहुत बेहतर बल्लेबाजी करते तो चीजें बिल्कुल अलग होतीं।

वॉशिंगटन ने अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है। पिछले टेस्ट में वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे जबकि यहां आठवें नंबर खेलते हुए वह सबसे सहज नजर आए। यह पूछने पर कि क्या क्रम बदलने से असहज होते हैं, वॉशिंगटन ने कहा बिल्कुल नहीं। सच कहूं तो मैं ऐसा क्रिकेटर बनना चाहता हूं जो टीम की जरूरत के हिसाब से आगे आए और जहां भी टीम चाहे वहां बल्लेबाजी और गेंदबाजी करे। मुझे तैयार रहना होगा और टीम के लिए काम करना होगा। मेरी मानसिकता ऐसी ही है। उन्होंने कहा मैं चाहे किसी भी स्थिति में रहूं। मुझे अलग-अलग भूमिका भी निभाने को मिलती है। मुझे नहीं लगता कि बहुत लोगों को यह मौका मिलता है इसलिए यह सिर्फ रोमांचक है।

पीएम मोदी ने दृष्टिबाधित महिला टीम की सराहना की

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को पहला टी-20 विश्व कप जीतने पर बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह जीत टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है।

भारत ने रविवार को कोलंबो के पी सारा ओवल में खेले गए फाइनल में नेपाल को सात विकेट से हराकर टूर्नामेंट जीता। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रन पर रोक दिया और फिर 12 ओवर में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम किया। मोदी ने अपने एक्स पेज पर लिखा पहला दृष्टिबाधित महिला टी-20 विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए भारतीय दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम को बधाई। इससे भी अधिक सराहनीय बात यह है कि वे टूर्नामेंट में अजेय रहीं। उन्होंने कहा यह वास्तव में एक ऐतिहासिक खेल उपलब्धि है। यह कड़ी मेहनत, टीम वर्क और दृढ़ संकल्प का शानदार उदाहरण है। प्रत्येक खिलाड़ी एक चैंपियन है। टीम को भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

भारत ने ढाका में महिला कबड्डी विश्व कप जीता

ढाका, एजेंसी

- **बेटियों ने फिर किया कमाल 30 दिन में 3 वर्ल्ड कप**
- **फाइनल में चीनी ताइपै को 35-28 से हराया**

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सोमवार को चीनी ताइपै को 35-28 से हराकर लगातार दूसरा विश्व कप खिताब जीत लिया।

भारत 11 देशों के टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा भारतीय महिला कबड्डी टीम को विश्व कप 2025 जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये बधाई। उन्होंने जबर्दस्त कौशल, प्रतिबद्धता और दृढ़ता का प्रदर्शन किया।

उनकी जीत से अनगिनत युवाओं को कबड्डी खेलने, बड़े सपने देखने और ऊंचे लक्ष्य तय करने की प्रेरणा मिलेगी। भारत ने सेमीफाइनल में ईरान को 33-21 से हराया था। दूसरी ओर चीनी ताइपै ने बांग्लादेश को 25-18 से मात दी थी।

हमारी महिला कबड्डी टीम ने इतिहास रचा। जो गर्व का पल है। पूरी टीम को महिला कबड्डी विश्व कप जीतने पर बधाई। आपकी शानदार जीत ने फिर साबित कर दिया कि भारत की खेल प्रतिभायें शिखर पर क्यों हैं। भविष्य के लिये शुभकामनाए।

अमित शाह , गृहमंत्री

श्रीकांत व प्रणय की नजरें सैयद मोदी इंटरनेशनल में वापसी पर

लखनऊ, एजेंसी

सीनियर बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत और एचएस प्रणय इस सत्र का अंत जीत के साथ करना चाहेंगे लेकिन उन्हें मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में युवा खिलाड़ियों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा जो शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने के लिए तैयार हैं।

इस 240,000 डॉलर इनामी प्रतियोगिता की चमक भी कुछ कम हो गई है, क्योंकि अमेरिकी ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के बाद अंतिम समय में इस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया। पूर्व चैंपियन श्रीकांत को मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता बनकर नई ऊर्जा मिली थी, लेकिन वह उस लय को बरकरार नहीं रख पाए। अब घरेलू धरती पर होने वाले टूर्नामेंट से उन्हें साल का अंत सकारात्मक तरीके से करने का एक और मौका मिलेगा। प्रणय भी जीत हासिल करने के लिए बेताब हैं। उन्होंने हाल में जापान मास्टर्स और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लिया था लेकिन वहां अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। वह अब घरेलू दर्शकों के सामने अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांचवीं वरीयता प्राप्त श्रीकांत का पहला मुकाबला मीराबा लुवांग मैसनाम से जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त प्रणय का सामना पहले दौर में कविन थंगम से होगा। सभी की निगाहें छठे वरीय थारुण मन्नेपल्ली पर भी होंगी, जो सतीश कुमार करुणाकरण से भिड़ेंगे, जबकि एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम भी मनराज सिंह के खिलाफ अपने पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। मिथुन मंजूनाथ का मुकाबला कजाकिस्तान के दिमित्री पानारिन से होगा।

मेदवेदेव और बोपन्ना डब्ल्यूटीएल में एक ही टीम में

बेंगलुरु। रूस के स्टार खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव और अनुभवी भारतीय रोहन बोपन्ना 17 से 20 दिसंबर तक यहां होने वाली विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के लिए एक ही टीम में खेलेंगे जबकि सुमित नागल उस टीम का हिस्सा हैं जिसमें दुनिया के पूर्व नंबर छह खिलाड़ी गेल मोनफिल्स शामिल हैं।

निक किर्गियोस और कनाडा के स्टार डेनिस शापोवालोव भी चार टीम की इस फ्रेंचाइजी आधारित प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र होंगे। एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में होने वाले 2025 सत्र में चार टीम में 16 अंतरराष्ट्रीय और भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे। यह टूर्नामेंट तीन सत्र के बाद पहली बार यूएई के बाहर आयोजित हो रहा है।

साक्षात्कार | ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी ने प्रदर्शन में निरंतरता लाने के दिए टिप्स

खिलाड़ियों की फिटनेस बेहतर होनी चाहिए : साइना

नई दिल्ली, एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भारतीय खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन की मांगों पर खरा उतरने और प्रदर्शन में निरंतरता लाने के लिए अपनी शारीरिक फिटनेस बेहतर करने की सलाह दी है। लंदन ओलंपिक 2012 की कांस्य पदक विजेता साइना ने पीटीआई से बातचीत में बताया कि मौजूदा पीढी के लिये चोटें आम बात हो गई है और महिला एकल खिलाड़ियों की नयी जमात में आक्रामकता का अभाव है।

लीजैंड्स विजन लीगेसी टूर इंडिया के लिये शहर में आई साइना ने कहा हमें प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। हमे सात्विक . चिराग, लक्ष्य या सिंधू या आने वाले खिलाड़ियों से लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। हमे नतीजे चाहिये। उन्होंने कहा उन्हें अच्छे ट्रेनर और फिजियो देखने चाहिए। अगर शरीर सौ फीसदी फिट है तो कोचिंग कठिन नहीं है। लगातार खिताब जीतने के लिये शरीर को मजबूत बनाने की कवायद में अधिक ट्रेनर और फिजियो पर फोकस करना होगा। साइना ने कहा विक्टर एक्सेलसेन ने यही किया और कैरोलिना मारिन ने भी। मानसिक तैयारी तो सभी की अच्छी होती है लेकिन शारीरिक तौर पर और बेहतर होने की जरूरत है। लक्ष्य सेन ने 2025 सत्र में पहला खिताब जीता जब उन्होंने आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 फाइनल में जापान के युशी तनाका को हराया।

साइना ने कहा जीत तो जीत है जिससे आत्मविश्वास बढ़ता है। उसने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह अच्छा संकेत है कि वह फॉर्म में लौट रहा है। उन्होंने कहा उसने ओलंपिक में अच्छा खेला था और यहां भी।

लक्ष्य सेन हैं सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

खिलाड़ी के तौर पर प्रशंसा और आलोचना दोनों का सामना करना पड़ता ही है। वह शीर्ष स्तर पर है और उससे लगातार जीत की अपेक्षा रहती है। वह इस समय हमारा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी है लिहाजा अतिरिक्त दबाव है लेकिन वह अच्छा खेल रहा है। साइना और पी वी सिंधू ने कम उम्र से ही अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीतने शुरू कर दिये थे लेकिन महिला वर्ग में मौजूदा पीढी की खिलाड़ी उस तरह का प्रभाव नहीं छोड़ पाई है। साइना ने कहा शायद इस पीढी में आक्रामकता कम है। मैं और सिंधू अधिक आक्रामक और ताकतवर थे।